नई दिल्ली। रविवार, 30 अगस्त, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 235/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल हॉकी विश्व कपः भारतीय पुरुष टीम का सफर हार...
@ साहित्य केसरी धागों से बंधा सपना ...
@ व्यापार भारत के विकास के लिए सुशासन ...

विश्व केसरी खबर झरोखा

रूसी ड्रोन हमले में यूक्रेन में 37 की मौत

कीव। रूस के ड्रोन हमले के बाद कीव के निकट एक गोदाम में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के इलाकों में रूसी हवाई हमले लगातार तीसरे दिन भी जारी रहे। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि कीव क्षेत्र के मायला गांव में हुए हमले के बाद दर्जनों लोग घायल हुए और 370 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर अमेरिका का नियंत्रण

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार के करीब पांचवें हिस्से पर नियंत्रण हासिल करने की अभूतपूर्व अमेरिकी पहल की घोषणा की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के कमजोर पड़े ऊर्जा उद्योग को फिर से खड़ा कर सकती हैं और इससे अमेरिका को कच्चे तेल का एक नया स्रोत मिलेगा, जिससे ईंधन की कीमतें कम करने में मदद मिल सकती है। ट्रंप ने समझौते का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया, लेकिन दावा किया कि अमेरिका ने निजी कारोबार के साथ साझेदारी के जरिये वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से अधिक के प्रमाणित तेल भंडार पर बहुमत नियंत्रण हासिल कर लिया है।

आर्थिक संकट के बावजूद ईरान झुकने को तैयार नहीं

तेहरान। अमेरिका के साथ युद्ध का आर्थिक असर अब ईरान के शीर्ष नेतृत्व को भी महसूस होने लगा है। ईरान के सर्वोच्च नेता ने सरकार से जनता की बढ़ती आर्थिक परेशानियों को दूर करने का आह्वान किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों और नाकेबंदी के कारण देश का विदेशी व्यापार एक-तिहाई घट गया है। इसके बावजूद तेहरान ने शनिवार को अमेरिकी दबाव के सामने पीछे हटने के कोई संकेत नहीं दिए। ईरान ने कहा कि वह अमेरिकी दबाव का सामना करने के साथ कूटनीति का रास्ता भी जारी रखेगा। ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाए रखने की भी प्रतिबद्धता जताई है। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और यहां किसी भी व्यवधान का असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ सकता है।

होंडा-निसान मिलकर बनाएंगे नई कारों का 'डिजिटल दिमाग'

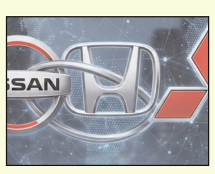

टोक्यो। जापान की वाहन कंपनियां होंडा और निसान जल्द ही नई तकनीकी साझेदारी पर सहमति बना सकती हैं। निक्केई अखबार की शनिवार की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों कंपनियां 2029 से नई कारों में साझा ऑपरेटिंग सिस्टम और ऑनबोर्ड कंप्यूटर लगाने के लिए इन्हें विकसित करने पर सोमवार तक समझौता कर सकती हैं। होंडा अपनी रणनीतिक साझेदारी के तहत निसान और मित्सुबिशी मोटर्स के साथ सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा कर रही है। हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया कि अभी तक किसी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। यह साझेदारी तेजी से सॉफ्टवेयर आधारित होती जा रही ऑटोमोबाइल तकनीक के बीच जापानी वाहन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

नेपाल-तिब्बत बाढ़ः 682 की मौत, 3 हजार लापता

287 भारतीय लापता, 800 मीटर लंबा ग्लेशियर टूटने से आई तबाही

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल-तिब्बत में 26 अगस्त को आई बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा 682 हो गया है। करीब 3,000 लोग अब भी लापता हैं। इनमें 287 भारतीय भी शामिल हैं।

इस तबाही के तीन दिन बाद ग्लेशियर टूटने का वीडियो सामने आया है। तिब्बत में एक टूर गाइड ग्रुप ने ऊंचाई से इसे रिकॉर्ड किया था। वीडियो में बर्फ और चट्टानों से बना करीब 800 मीटर लंबा ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर घाटी में गिरता दिखाई दे रहा है।

ग्लेशियर टूटने के बाद बड़े पैमाने पर मलबा और पानी नीचे की ओर बहा। इसके साथ भूस्खलन हुआ और अचानक आई बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में भारी तबाही मचाई। बाढ़ के बाद नेपाल और चीन में राहत-बचाव अभियान जारी है।

287 भारतीय अभी भी लापता

नेपाल में इस आपदा से 675 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तिब्बत में 7 लोगों की मौत की पुष्टी की गई है। करीब 3000 लोग लापता हैं। इनमें 187 भारतीय भी शामिल हैं। 400 भारतीय अभी तिब्बत में फंसे हुए हैं।

नेपाल के पुनर्निर्माण में अरबों डॉलर लग सकते हैं

बाढ़ से हुई भारी तबाही के बाद देश के पुनर्निर्माण और पुनर्वास में अरबों डॉलर खर्च हो सकते हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने शनिवार को काठमांडू में यह जानकारी दी।

खनाल ने कहा कि सरकार पहले बाढ़ से हुए जान-माल और बुनियादी ढांचे के नुकसान का विस्तृत आकलन करेगी। इसके बाद पुनर्निर्माण की योजना तैयार की जाएगी।

विदेश मंत्री ने कहा कि तबाही का पैमाना काफी बड़ा है और नेपाल को पुनर्निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सहयोग की जरूरत पड़ेगी।

नेपाल बाढ़ में पंजाब तरनतारन जिले का युवक लापता हो गया। उसके साथ उसके दो रिश्तेदार भी लापता हैं, जो यूपी के सीतापुर जिले के रहने वाले हैं।

गांव रत्तोके का रहने वाला शमशेर सिंह संधू नेपाल में एंड्रिट्ज कंपनी के त्रिशूल अपर पावर हाउस प्रोजेक्ट में क्रेन ऑपरेटर के तौर पर काम करता था। उसका साला भुपिंदर सिंह, जो क्रेन ऑपरेटर और साले का भतीजा रशपाल सिंह, जो ट्रक ऑपरेटर का काम करता था।

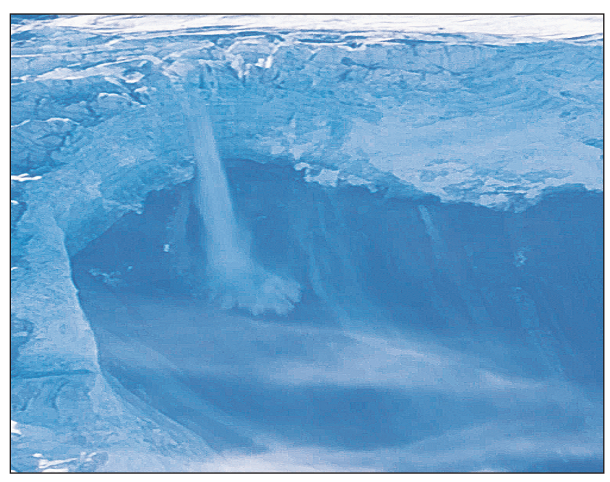

दो देशों की यात्रा पर उज्बेकिस्तान पहुंचे पीएम मोदी

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने किया स्वागत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पीएम मोदी शनिवार शाम उज्बेकिस्तान पहुंचे। ताशकंद एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने मोदी का स्वागत किया।

मोदी और मिर्जियोयेव एक ही कार में बैठकर एयरपोर्ट से निकले। पीएम यहां दो दिन रहेंगे। द्विपक्षीय बैठक करेंगे। मोदी रविवार को ताशकंद में शास्त्री मेमोरियल और महात्मा गांधी सेंटर जाएंगे। इसके बाद किर्गिस्तान के बिश्केक रवाना होंगे।

पीएम चार साल बाद सेंट्रल एशिया के दौरे पर आए हैं। वे किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की 26वीं समिट में भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत कई नेताओं के साथ मुलाकात कर सकते हैं। मोदी एयरपोर्ट से सीधे उज्बेकिस्तान के सबसे मशहूर पार्क गए

उज्बेकिस्तान दौराः पीएम की द्विपक्षीय बातचीत, लाल बहादुर स्मारक भी जाएंगे

मोदी 29-30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में रहेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका चौथा उज्बेकिस्तान दौरा होगा। ताशकंद में मोदी और राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के बीच बैठक होगी। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। बैठक में भारत के विकसित भारत 2047 और उज्बेकिस्तान-2030 विजन के तहत सहयोग बढ़ाने के नए रास्तों पर भी बात होगी।

मोदी ताशकंद में लाल बहादुर शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी सेंटर का भी दौरा कर सकते हैं।

किर्गिस्तान दौराः मोदी SCO समिट में शामिल होंगे, जिनपिंग-पुतिन से मुलाकात उज्बेकिस्तान दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे।

एवरेस्ट और बांधानी हींग पर FSSAI का बैन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर एवरेस्ट फ़ूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की सभी वैरिएंट वाली कंपाउंडेड हींग की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत जारी निषेध आदेश के माध्यम से की गई है। एफएसएसएआई ने इसी मामले में मेसर्स लालजी गोधू एंड कंपनी के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए उसकी कंपाउंडेड हींग के निर्माण और बिक्री पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

एफएसएसएआई के अनुसार, जांच के दौरान एवरेस्ट की कंपाउंडेड हींग के नमूने 'मिसब्रांडेड' और 'सब-स्टैंडर्ड' पाए गए।

जांच में सामने आया कि हींग में अल्कोहल में घुलनशील अर्क शून्य (0.00%) पाया गया, जबकि नियमानुसार यह कम से कम 5 प्रतिशत होना चाहिए। पीले हींग पाउडर में यह मात्रा 3.29 प्रतिशत और काले हींग पाउडर में 4.40 प्रतिशत पाई गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना

संविधान और संघ की विचारधारा में लड़ाईः राहुल

दलितों के साथ भेदभाव का मुद्दा उठाया, कथित 'शुद्धिकरण' मामलों में FIR की मांग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र की भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा है। उन्होंने देश में दलितों के साथ कथित भेदभाव और अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत में आज भी दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। एक तरफ संविधान है, जबकि दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत का संविधान डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है। देश में मौजूदा राजनीतिक संघर्ष को इसी वैचारिक टकराव के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने दलितों के साथ भेदभाव के उदाहरण गिनाते हुए कहा कि संविधान ने छुआछूत और भेदभाव को गैरकानूनी घोषित कर दिया है, लेकिन समाज के कई हिस्सों में ऐसी घटनाएं अब भी देखने को मिलती हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि कुछ स्कूलों में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ करवाए जाते हैं और उनसे झाड़ू-पोछा कराया जाता है। ऐसी घटनाओं का बच्चों के मानसिक विकास और आने वाली पीढ़ियों की सोच पर गंभीर असर पड़ता है।

राहुल गांधी ने गांवों में पानी के स्रोतों के इस्तेमाल को लेकर भी भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर दलितों को सार्वजनिक कुओं से पानी लेने की अनुमति नहीं दी जाती और उन्हें अलग व्यवस्था करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

उन्होंने चाय की दुकानों पर कथित तौर पर अलग-अलग कप रखे जाने का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, कुछ स्थानों पर दलितों के लिए ऐसे कप इस्तेमाल किए जाते हैं जिन्हें इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता है, जबकि अन्य लोगों को कांच के कप दिए जाते हैं। कांग्रेस नेता ने शादी और बारात के दौरान दलितों के घोड़े पर चढ़ने को लेकर होने वाली कथित हिंसा का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज भी कई जगहों पर दलित दूल्हों को घोड़े पर बैठने से रोका जाता है और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की जाती है। राहुल गांधी ने कहा कि यह केवल किसी एक इलाके की समस्या नहीं है। बल्कि उत्तर भारत के शहरों और गांवों में ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं।

नीट-पीजी आज, 2.73 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर पोस्ट-ग्रेजुएट (नीट-पीजी) 2026 रविवार को देश भर के 340 शहरों में निर्धारित 1,300 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसमें 2.73 लाख से ज्यादा मेडिकल ग्रेजुएट के शामिल होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने 26 अगस्त को नीट-पीजी 2026 का एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया था। अधिकारी ने बताया कि नीट-पीजी 2026 के लिए कुल 2,73,183 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.5 प्रतिशत से ज्यादा है। उन्होंने यह भी बताया कि परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। नीट-पीजी पास करने के बाद डॉक्टर सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों में कई एडवांस्ड मेडिकल कोर्स में सीट पा सकते हैं । और एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) और एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी) जैसे कोर्स कर सकते हैं। इससे पहले, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने नीट-पीजी 2026 की तैयारियों का जायजा लिया था। केंद्रीय मंत्री ने सभी संबंधित लोगों को परीक्षा की प्रक्रिया को सुचारू, सुरक्षित, पारदर्शी और टेक्नोलॉजी-आधारित बनाने का निर्देश दिया।

दिल्ली- एनसीआर में फिर महंगी हुई सीएनजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली-NCR में CNG की कीमत 3.89 प्रति किलो बढ़ गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) के मुताबिक, नई कीमत शनिवार सुबह 6 बजे से लागू होगी। इसके बाद दिल्ली में CNG 83.09 से बढ़कर 86.98 प्रति किलो हो जाएगी। इस साल CNG के दाम में यह पांचवीं बढ़ोतरी है।

IGL के मुताबिक, इस बार कीमत बढ़ाने की मुख्य वजह LNG की बढ़ती आयात लागत, अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतों में तेजी और CNG की बढ़ती मांग है। इससे पहले मई में पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में तेजी के चलते IGL ने 10 दिनों के भीतर चार फेज में CNG के दाम कुल 6 प्रति किलो बढ़ाए थे।

नोएडा-गाजियाबाद में 95.59, गुरुग्राम में 92.01 प्रति किलो

नई कीमतों के बाद नोएडा और गाजियाबाद में CNG 95.59 प्रति किलो हो गई है। मेरठ में इसकी कीमत 95.47 और गुरुग्राम में 92.01 प्रति किलो है।

पेट्रोल और डीजल की तरह CNG के दाम भी अलग-अलग राज्यों में अलग होते हैं। इसकी एक वजह राज्यों में लागू अलग-अलग वैट दरें हैं।

दिल्ली में कीमत बढ़ने के बावजूद IGL ने कहा है कि CNG उपभोक्ताओं के लिए दूसरे ईंधनों के मुकाबले किफायती विकल्प बनी हुई है।

होर्मुज संकट से LNG की सप्लाई और कीमत पर असर

IGL ने बताया कि पश्चिम एशिया में संकट बढ़ने से होर्मुज स्ट्रेट के जरिए LNG की सप्लाई और माल ढुलाई प्रभावित हुई है। संकट से पहले की तुलना में अब वैश्विक LNG कीमतें करीब दोगुनी हो गई हैं। यूरोप में सर्दियों से पहले गैस भंडारण बढ़ाने की जरूरत ने भी कीमतों पर दबाव बढ़ाया है।

CNG की बढ़ती मांग से आयात पर निर्भरता बढ़ी

IGL के मुताबिक, भारत में CNG की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इनपुट गैस का बड़ा हिस्सा आयातित स्पॉट LNG से पूरा किया जा रहा है। महंगी LNG और बढ़ती घरेलू मांग से IGL की इनपुट गैस लागत बढ़ी। इसी असर को कम करने के लिए कंपनी ने CNG के दाम 3.89 प्रति किलो बढ़ाए।

जेपीएनआईसी के लिए प्राइवेट कंपनी बनाकर सरकारी खजाने पर डकैती डाल रहे थे अखिलेश-डिंपलः सीएम योगी

विश्व केसरी ■

देवरिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए कहा कि लखनऊ में बने जेपीएनआईसी (जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर) की प्रारंभिक लागत मात्र 200 करोड़ थी। सपा ने इस पर 864 करोड़ खर्च कर दिए, तब भी यह अधूरा रहा। यह पैसा 'सैफई सिंडिकेट' का नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता का पैसा था। ये लोग जनता का पैसा पानी की तरफ बहाते थे। यदि अब सरकार उस पर पैसा लगाती तो कम से कम 150-200 करोड़ रुपये और खर्च होते। ये लोग सरकार के खजाने से 900-1000 करोड़ खर्च करके इस सेंटर को एक प्राइवेट कंपनी को देना चाहते थे, जिसमें अखिलेश, डिंपल व धर्मेंद्र यादव शामिल थे।

सीएम योगी शनिवार को सलेमपुर व भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 305 करोड़ की 80 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाबा दुग्धेश्वर नाथ की धरा पर उमड़े जनसमुद्र का अभिनंदन किया और 2017 के पहले की दुर्दशा और इसके बाद आए सकारात्मक बदलावों को भी बताया।

उन्होंने कहा कि सपा की मंशा थी कि सरकार के पैसे से बने जेपीएनआईसी को प्राइवेट कंपनी चलाएगी। इसमें होटल, क्लब, जिम आदि रहेगा और कमाई भी घर में ही जाएगी। अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव व इनके शागिर्द प्राइवेट कंपनी बनाकर प्रदेश के खजाने पर डकैती डाल रहे थे। 2017 में हमारी सरकार आई तो हमने इसे लखनऊ विकास प्राधिकरण को दे दिया, उसने जांच कराई। रिपोर्ट आने के बाद विज्ञापन निकाला। हम इस प्रोजेक्ट पर और पैसा खर्च करने को तैयार नहीं थे, बल्कि जो पैसा खर्च हुआ है वह भी सरकारी खजाने में आए, इसके लिए सरकार ने व्यवस्था प्रारंभ की है। जिस पैसे से युवाओं को रोजगार मिलता, फ्लाईओवर, इनोवेशन सेंटर, विश्वविद्यालय आदि बनते, अपनी अय्याशी के लिए प्रदेश के खजाने में डकैती डालने का पाप करने वाले सपा मुखिया को जनता से माफी मांगनी चाहिए।

सीएम योगी ने सपा को लूटखसोट का पर्याय और डकैतों का गिरोह बताया, कहा कि 2017 के पहले 'देख सपाई-बिटिया घबराई' का नारा चलता था। बेटी की सुरक्षा को लेकर माता-पिता और भाइयों को चिंता रहती थी। जब हम 26 अगस्त को निशुल्क बस सेवा का शुभारंभ करने जा रहे थे, तब सपा के बबुआ की नींद टूटी और उन्होंने जल्दी-जल्दी में प्रेसवार्ता बुलाई।

उनको पता ही नहीं था कि क्या बोलना है, उन्होंने कहा कि लोगों से 40 हजार रुपए लेंगे। उन्हें पता ही नहीं था कि यह लेने के लिए नहीं, बल्कि देने के लिए कार्यक्रम है।

सीएम धामी ने खटीमा में सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

विश्व केसरी ■

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार सुबह खटीमा दौरे के दौरान लोहियाहेड हेलीपैड पर आमजन और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतें और सुझाव गंभीरता से सुने और मौके पर ही अधिकारियों को जनसमस्याओं के प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार 'सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि' के मंत्र के साथ काम कर रही है। आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी शिकायतों पर हुई कार्रवाई की नियमित समीक्षा की जाए। जनसुनवाई के बाद मुख्यमंत्री खटीमा से रवाना हो गए।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, मोहनी पोखरिया, रणजीत सिंह नामधारी, रणदीप पोखरिया, अमित पांडेय, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सरमा ने शिलांग में असम रेजिमेंट के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की

विश्व केसरी ■

शिलांग। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को शिलांग स्थित असम रेजिमेंट युद्ध स्मारक के दौरे के दौरान राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरमा ने शहीद सैनिकों को याद किया और देश के प्रति उनके साहस, समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को मैंने अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को भारत माता की सेवा में पूर्ण समर्पण के साथ प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद।

शिलांग स्थित असम रेजिमेंटल सेंटर के अपने दौरे के दौरान सरमा ने सशस्त्र बलों के कर्मियों से बातचीत की और उनके दैनिक जीवन और प्रशिक्षण वातावरण का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें उन कर्मियों के जीवन की प्रत्यक्ष झलक मिली जो राष्ट्र की रक्षा करने और कर्तव्य की राह में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सरमा ने कहा कि उनका दैनिक जीवन अनुशासन, समर्पण और हर चुनौती का सामना करने के साहस से परिभाषित होता है।

मुख्यमंत्री का युद्ध स्मारक दौरा उन सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए था जिनकी सेवा और बलिदान असम रेजिमेंट के इतिहास और परंपराओं का अभिन्न अंग हैं।

सरमा ने सशस्त्र बलों के मार्गदर्शक अनुशासन और साहस के मूल्यों पर प्रकाश डाला, साथ ही देश की रक्षा का दायित्व निभा रहे सेवारत कर्मियों की प्रतिबद्धता को भी स्वीकार किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र से घनिष्ठ संबंध रखने वाली असम रेजिमेंट का विभिन्न सैन्य अभियानों और संघर्षों में सेवा का लंबा इतिहास रहा है। रेजिमेंट ने देश की रक्षा तैयारियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कर्नाटक पहुंचे उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, बेंगलुरु हवाई अड्डे पर किया गया स्वागत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आज यानी 29 अगस्त से 31 अगस्त तक तमिलनाडु, कर्नाटक, केरलम और लक्षद्वीप के दौरे पर हैं। इस क्रम में उपराष्ट्रपति शनिवार को बेंगलुरु स्थित एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां उनका स्वागत किया गया।

वाइस प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आज बेंगलुरु स्थित एचएएल हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का हार्दिक स्वागत किया गया। कर्नाटक के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री रिजवान अरशद, सांसद लहर सिंह सिरोया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। उपराष्ट्रपति आज बेंगलुरु के विधान सौधा में रामकृष्ण हेगड़े जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होंगे।

तीन दिवसीय दौरे में उपराष्ट्रपति शिक्षा, सार्वजनिक सेवा, सांस्कृतिक विरासत, उद्योग-अकादमिक सहयोग, मत्स्य ग्रहण से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम और प्रमुख सार्वजनिक समारोहों सहित कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति 29 अगस्त को तमिलनाडु के इरोड में कोंगू वेल्लालर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ट्रस्ट-केवीआईटीटी के संस्थापक दिवस समारोह में भाग लेंगे।

बाद में दिन में, उपराष्ट्रपति बेंगलुरु रवाना होंगे, जहां वे विधानसौधा में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

उपराष्ट्रपति 30 अगस्त को केरलम का दौरा करेंगे। सीपी राधाकृष्णन के दौरे की शुरूआत अलाप्पुझा से होगी जहां वे लियो हायर सेकेंडरी स्कूल में केरल कौमुदी की 115वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेंगे।

इसके बाद उपराष?ट्रपति पथानामथिट्टा जाएंगे, जहां वे अरनमुला जल महोत्सव 2026 का उद्घाटन करेंगे। बाद में राधाकृष्णन तिरुवनंतपुरम की यात्रा करेंगे, जहां वे केरलम के प्रमुख सांस्कृतिक त्योहार ओणम संबंधी एक उत्सव का उद्घाटन करेंगे।

उपराष्ट्रपति 31 अगस्त को लक्षद्वीप के अगत्ती का दौरा करेंगे, जहां वे मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहेंगे।

केरलम लौटकर सीपी राधाकृष्णन राजगिरी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी-आरएसईटी के रजत जयंती समारोह और आरएसईटी ऑडिटोरियम, कक्कानाड, कोच्चि में कॉन्फ्लुएंस 3.0 उद्योग-अकादमिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

कर्नाटक सरकार ने क्लाउड सीडिंग कार्यक्रम के लिए समितियां गठित कीं

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने इस साल राज्य के अधिकांश हिस्सों में कमजोर मानसूनी बारिश के बीच क्लाउड सीडिंग कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए दो समितियों का गठन किया है। जल संसाधन मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार, इन समितियों का गठन बारिश की कमी वाले क्षेत्रों में क्लाउड सीडिंग कार्यों को सुचारू रूप से लागू करने और वैज्ञानिक व तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से एक आदेश के तहत किया गया है।

पहली समिति, निगरानी समिति, क्लाउड सीडिंग कार्यक्रम की समग्र निगरानी, पर्यवेक्षण और समीक्षा के लिए जिम्मेदार होगी।

छह सदस्यीय इस समिति की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव और विकास आयुक्त करेंगे। इसके सदस्यों में जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव, राजस्व विभाग (आपदा प्रबंधन) के प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग और कृषि विभाग के सचिव, जल संसाधन विभाग के सचिव और कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) के प्रबंध निदेशक शामिल हैं।

कर्नाटक सिंचाई निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

दूसरा पैनल, तकनीकी सलाहकार और मूल्यांकन समिति, कार्यक्रम को लागू करने के लिए केएसएनडीएमसी को तकनीकी सहायता, मार्गदर्शन और सिफारिशें प्रदान करेगी।

यूपी में फ्लू को लेकर अलर्टः ब्रजेश पाठक बोले- घबराएं नहीं, स्थिति नियंत्रण में

विश्व केसरी ■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसमी फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच योगी सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर कर दिया है।

उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को प्रदेशभर के चिकित्साधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए फ्लू की स्थिति और अस्पतालों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अस्पतालों में ओसेल्टामिविर (टैमीफ्लू), ऑक्सीजन, नेबुलाइजर, ऑक्सीजन मास्क और ब्रोंकोडायलेटर्स समेत जरूरी चिकित्सा संसाधनों का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि घबराने की जरूरत नहीं है, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और लक्षण होने पर तत्काल अस्पताल में संपर्क करें। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में मरीजों की संख्या और स्थिति को देखते हुए संबंधित जिलों में अस्पतालों को पूरी तरह तैयार रखा जाए तथा दवाओं और अन्य चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती सभी गंभीर मरीजों की फ्लू जांच सुनिश्चित की जाए। इन्फ्लुएंजा-लाइक इलनेस और सांस संबंधी संक्रमण वाले मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों में लक्षण पाए जाने पर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार समय से एंटीवायरल दवाएं शुरू की जाएं।

ब्रजेश पाठक ने अधिक फ्लू मामलों वाले जिलों में श्वसन संबंधी शिकायत वाले मरीजों के लिए अलग ओपीडी संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे मरीजों की जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार में तेजी आएगी तथा अस्पतालों में अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने गंभीर मरीजों के उपचार के लिए प्रत्येक जिले में जिला एवं संयुक्त अस्पताल स्तर पर चार से छह आइसोलेशन बेड तैयार रखने को कहा। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि गंभीर मरीजों के इलाज में दवा, ऑक्सीजन या अन्य जरूरी उपकरणों की किसी भी स्थिति में कमी न हो।

उपमुख्यमंत्री ने अस्पतालों में बुखार और फ्लू से संबंधित मरीजों के लिए अलग पंजीकरण काउंटर बनाने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस लाइंस में पेंशनर्स कक्ष की शुरुआत, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं का होगा समयबद्ध समाधान

विश्व केसरी ■

ग्रेटर नोएडा। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने महत्वपूर्ण पहल की है। शनिवार को पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह ने पुलिस लाइन्स, गौतमबुद्धनगर में नवस्थापित पेंशनर्स कक्ष का उद्घाटन किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। पेंशनर्स कक्ष की स्थापना का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को एक सम्मानजनक, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। यहां सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याओं को सुना जाएगा तथा संबंधित मामलों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। पुलिस विभाग की इस पहल से पेंशन, विभागीय कार्यों और अन्य आवश्यक मामलों को लेकर सेवानिवृत्त कर्मियों को होने वाली परेशानियों में कमी आने की उम्मीद है।

उद्घाटन के अवसर पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी पुलिस संगठन की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल में लंबे समय तक पुलिस व्यवस्था और जनसेवा के लिए कार्य किया है। उनका अनुभव, कार्यकुशलता और सेवा भावना आज भी पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी पुलिस संगठन के साथ उनका जुड़ाव बना रहना जरूरी है और उनके अनुभवों तथा सुझावों का उपयोग संगठन को मजबूत बनाने में किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि नवस्थापित पेंशनर्स कक्ष केवल समस्याओं के समाधान का माध्यम नहीं होगा, बल्कि यह सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और वर्तमान पुलिस संगठन के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय का महत्वपूर्ण केंद्र भी बनेगा। सेवानिवृत्त अधिकारियों के अनुभवों से पुलिस व्यवस्था, जनसेवा और संगठनात्मक कार्यों को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने में मदद ली जाएगी। कार्यक्रम में मौजूद सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुलिस कमिश्नरेट की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक पुलिस विभाग में सेवा देने वाले सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए इस प्रकार की सुविधा शुरू किया जाना सम्मानजनक कदम है।

उन्होंने पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर का आभार जताते हुए उम्मीद जताई कि पेंशनर्स कक्ष के माध्यम से उनकी समस्याओं का आसानी से समाधान हो सकेगा और विभाग के साथ उनका संवाद भी मजबूत होगा। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय शैव्या गोयल, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन्स शकील मोहम्मद सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

'अभिव्यक्ति की आजादी सबके लिए है', न्यूयॉर्क में मोहन भागवत के कार्यक्रम के विरोध पर वीएचपी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों को लेकर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की कथित नई गाइडलाइंस को लेकर उठे विवाद पर वीएचपी प्रवक्ता आलोक कुमार ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि संगठन ने पंडालों में शाकाहारी या मांसाहारी भोजन को लेकर न तो कोई दिशा-निर्देश जारी किया है और न ही ऐसा कोई निर्णय लिया गया है।

आलोक कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि बड़े त्योहारों से पहले विश्व हिंदू परिषद विभिन्न स्थानों पर आयोजकों के साथ बैठकें करता है। इसी क्रम में पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा पंडाल लगाने वाले कुछ लोगों की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें पूजा की परंपरा, वातावरण और सांस्कृतिक पहलुओं पर चर्चा हुई। वीएचपी का सुझाव है कि देवी की पूजा पारंपरिक और शास्त्रीय विधि से हो तथा पंडालों में भक्ति, प्रेम और आनंद का वातावरण रहे। साथ ही, स्वच्छता और शुचिता का ध्यान रखा जाए। बैठक में वेज या नॉनवेज खाने को लेकर कोई चर्चा या फैसला नहीं हुआ था।

आलोक कुमार ने बताया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार के सवाल पर एक स्वामी ने खाने के स्टॉलों में स्वच्छता और शुचिता बनाए रखने को अच्छा सुझाव बताया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे संगठन की गाइडलाइन या आदेश के रूप में पेश करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि वीएचपी की ओर से सुझाव दिए जाते हैं, जिन्हें आयोजक अपनी इच्छा के अनुसार लागू करते हैं। उदाहरण के तौर पर उन्होंने बताया कि करीब 8-10 साल पहले दिल्ली की रामलीला समितियों को भगवान राम के दरबार के साथ महर्षि वाल्मीकि की तस्वीर या झांकी रखने का सुझाव दिया गया था ।

न्यायालय नायब तहसीलदार नरहरपुर जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

-: उद्घोषणा :-

रा.प्र.क्र. 202608140100011/अ-20(2)/2025-26 ढेकुना प.ह.नं. ग्राम 14

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंजुलता पति सुरेश जाति तेली, निवासी ढेकुना, तहसील नरहरपुर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर, द्वारा अन्तर्गत धारा 165 (6क) छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत उनके भूमिस्वामी हक की व्यवसायिक प्रयोजन परिवर्तित भूमि ग्राम ढेकुना, तहसील नरहरपुर में स्थित ख.नं. 652/7 रकबा 0.08 हे. परिवर्तित लगान 1471.00 रू. है को स्वेच्छा से बिना कोई प्रतिफल प्राप्त किये अपने सगे पुत्र सूर्यकांत साव पिता सुरेश कुमार साव जाति तेली निवासी ग्राम ढेकुना, तहसील नरहरपुर, जिला उ.ब. कांकेर के पास दान करने का सौदा होने पर भूमि विक्रय की अनुमति प्रदान किये जाने आवेदन कलेक्टर महोदय कांकेर, में जमा करने पर अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कांकेर में माध्यम से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त वादभूमि ख.नं. 652/7 रकबा 0.08 हे भूमि का विक्रय करने के संबध में किसी भी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई दिनांक 15.09.2026 तक पेश करें। नियत समय के पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 24.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
नरहरपुर

ग्रेटर नोएडा : बच्ची की हत्या के आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने के बाद अस्पताल में मौत, एक पुलिसकर्मी भी घायल

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में छह वर्षीय बच्ची की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल चाकू बरामद किया। इसी दौरान आरोपी ने झाड़ियों में छिपाकर रखी गई 0.32 बोर की अवैध पिस्टल निकालकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान एक हेड कांस्टेबल भी गोली लगने से घायल हुआ है और उसका उपचार चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक, मृत आरोपी की पहचान बलराज पुत्र खेमचंद के रूप में हुई है। वह मूल रूप से ग्राम तिलपता, थाना सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर का रहने वाला था और वर्तमान में हल्द्वानी गांव, थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस ने बच्ची की

हत्या की घटना की जांच के दौरान सामने आए सीसीटीवी फुटेज और अन्य स्रोतों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तारी के बाद उससे घटना के संबंध में पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि बच्ची की हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू उसने डी पार्क चौकी के पास स्थित ग्रीन बेल्ट में झाड़ियों के बीच छिपा रखा है। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी को साथ लेकर चाकू बरामद करने के लिए बताए गए स्थान पर पहुंची। आरोपी ने पुलिस को झाड़ियों के पास ले जाकर वहां छिपाया गया चाकू बरामद कराया। पुलिस के मुताबिक, चाकू बरामद होने के दौरान आरोपी ने अचानक पुलिस को चकमा देने की कोशिश की। वह गाड़ी से उतरने के बाद कुछ दूरी पर स्थित झाड़ियों की ओर गया और वहां पहले से छिपाकर रखी गई 0.32 बोर की पिस्टल निकाल ली। इसके बाद आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

आरोपी की गोलीबारी में थाना ईकोटेक-3 में तैनात हेड कांस्टेबल रवि कुमार घायल हो गए। पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से आरोपी बलराज गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिसकर्मियों ने तत्काल घायल हेड कांस्टेबल रवि कुमार और आरोपी बलराज को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, उपचार के दौरान चिकित्सकों ने आरोपी बलराज को मृत घोषित कर दिया।

घायल हेड कांस्टेबल रवि कुमार का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृत आरोपी के कब्जे से एक अवैध 0.32 बोर पिस्टल, तीन खोखे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। इसके साथ ही मुठभेड़ और बच्ची की हत्या से जुड़े मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नेपाल में बाढ़ का कारण ग्लेशियर टूटना, हिमाचल भी खतरे में है : डॉ. रंधावा

विश्व केसरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार के आपदा प्रबंधन पर एचआईएमसीओएसटीई सलाहकार और पूर्व प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. एसएस रंधावा ने नेपाल में आई बाढ़ की वजह ग्लेशियर टूटना बताया। उन्होंने कहा कि ग्लेशियर के आगे का हिस्सा टूटने से पानी रुका और फिर हाइड्रोस्टैटिक प्रेशर बढ़ने से अचानक बाढ़ आ गई। रंधावा ने चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान के कारण हिमाचल समेत पूरे हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे भविष्य में भी ऐसी आपदाओं का खतरा बढ़ गया है।

डॉ. रंधावा ने कहा, 'नेपाल में जो हुआ उसका मुख्य कारण ग्लेशियर टूटना है। ग्लेशियर का अगला हिस्सा आगे था और धारा ग्लेशियर के पीछे बह रही थी। ग्लेशियर के अंदर पहले से ही काफी बर्फ पिघल रही थी। हो सकता है कि ग्लेशियर का आगे का हिस्सा टूट गया हो, जिससे कुछ समय के लिए रुकावट पैदा हो गई हो, क्योंकि पूरे हिस्से ने आगे के बहाव को रोक दिया था। जब वह हिस्सा आखिरकार टूट गया, तो हाइड्रोस्टैटिक प्रेशर अचानक बढ़ गया, जिससे रुकावट हट गई और नीचे की तरफ अचानक बाढ़ आ गई, जिसका इतना बड़ा असर हुआ। 'डॉ. एसएस रंधावा ने कहा कि हम लोग हिमालय क्षेत्र में हैं। वहां पर सबसे पुराने से लेकर नए चट्टान हैं। जलवायु परिवर्तन और तापमान में बदलाव का प्रभाव हमारे ग्लेशियर पर पड़ेगा। जब तापमान बढ़ता है तो हमारे ग्लेशियर पर खतरा मंडराता है। वर्तमान ट्रेंड में तापमान ज्यादा होने की वजह से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। 2001 से 2017 तक एक स्टडी की गई थी, लगभग 17 साल के अंदर ग्लेशियर खत्म हुए थे। हिमाचल के ग्लेशियर, चिनाब के ग्लेशियर 5.48 फीसदी, व्यास में 7.03 फीसदी, रावी में 4.69 और बासपा में 6.52 फीसदी ग्लेशियर खत्म हुए थे।

स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट पर झारखंड सरकार, स्वास्थ्य मंत्री ने स्थिति की समीक्षा की

विश्व केसरी

रांची। झारखंड का स्वास्थ्य विभाग स्वाइन फ्लू के प्रसार को रोकने के लिए हर संभव सावधानी बरत रहा है। विभाग पूरे राज्य में अलर्ट पर है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शनिवार को स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी सिविल सर्जनों, मेडिकल कॉलेज के अधीक्षकों और प्रधानाचार्यों तथा जिला निगरानी अधिकारियों को कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्हें निरंतर निगरानी करने के लिए भी कहा गया। मंत्री ने स्वास्थ्य अधिकारियों को संदिग्ध और गंभीर मामलों की शीघ्र पहचान, परीक्षण, उपचार, निगरानी और समय पर रेफरल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा के

लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग एच1एन1 से संबंधित किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मंत्री ने कहा कि किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। संदिग्ध मरीजों की समय पर पहचान से लेकर परीक्षण, उपचार और जहां भी आवश्यक हो, रेफरल तक, हर स्तर पर व्यवस्था को मजबूत किया गया है। हमारी प्रतिबद्धता भी की स्वाइन फ्लू से किसी की भी जान न जाए।

उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव अजय कुमार, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न जिलों के सिविल सर्जनों के साथ तैयारियों की समीक्षा करने और आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए चर्चा भी की।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्री ने सभी जिलों को इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षणों (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) के मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग को मजबूत करने का निर्देश दिया।

जिला निगरानी अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर रखने और किसी भी महत्वपूर्ण घटनाक्रम की तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना देने का निर्देश दिया गया है।

फ्रेगरेंस पार्क से लखनऊ की खूबसूरती में जुड़ी नई खुशबू, विकास ऐसा हो जो जीवन में महसूस हो : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

लखनऊ। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने शनिवार को राजधानी को हरियाली, सुगंध, सुकून और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी सौगात दी।

चौक क्षेत्र में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) की ओर से विकसित फ्रेगरेंस पार्क का लोकार्पण करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक शहर वही है, जहां सुविधाओं के साथ लोगों को विश्राम, मनोरंजन और प्रकृति से जुड़ाव के लिए भी स्थान मिलें।

उन्होंने कहा कि विकास ऐसा होना चाहिए, जो केवल कागजों पर दिखाई न दे, बल्कि लोगों के जीवन में महसूस हो। इस अवसर पर पार्क परिसर में पंजाब केसरी लाला लाजपत राय और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की आदमकद प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। साथ ही करीब 43 करोड़ रुपये की

विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि पार्क केवल शहर की सुंदरता बढ़ाने वाले स्थल नहीं हैं, बल्कि महत्वपूर्ण सामाजिक अवसंरचना के रूप में भी काम करते हैं। ऐसे सार्वजनिक स्थल लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं और व्यस्त जीवनशैली में सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि फ्रेगरेंस पार्क लखनऊ की खूबसूरती में नई खुशबू जोड़ने के साथ लोगों को प्रकृति के करीब आने का अवसर देगा।

उन्होंने कहा कि पार्क का नाम लाला लाजपत राय के नाम पर रखा गया है, जबकि यहां भगत सिंह की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। दोनों महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, साहस और बलिदान से परिचित कराने का माध्यम बनेंगी। उन्होंने कहा कि लाला लाजपत राय और भगत सिंह अलग-अलग पीढ़ियों से थे, लेकिन राष्ट्र के प्रति समर्पण और स्वतंत्रता के साझा लक्ष्य ने दोनों को जोड़ा था। दोनों की प्रतिमाएं अनुभव और युवा ऊर्जा के प्रतीकात्मक संवाद को दर्शाती हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए अनुभव और युवा ऊर्जा दोनों जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी की देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सामाजिक विभाजन और संकीर्ण हितों का फायदा उठाकर देश को कमजोर करने वाली ताकतों के प्रति भी लोगों को सावधान किया।

'बौद्धिक नक्सलवाद' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी प्रवृत्तियां दीमक की तरह चुपचाप काम कर सकती हैं और समाज को इनके प्रति सतर्क रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान राजनाथ सिंह ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत चंदन का पौधा रोपा।

पुंछ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लाखों की चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पुंछ जिला पुलिस ने चोरी का एक मामला सुलझाते हुए चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसी के साथ पुलिस ने आरोपी के पास से लाखों का चोरी का सामान बरामद किया है।

दरअसल, संपत्ति से जुड़े अपराधों के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए, पुंछ जिला पुलिस ने सुरांककोट पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के एक मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। पुलिस ने इसमें शामिल चोर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से लाखों रुपए की कीमत का चोरी हुआ सामान बरामद किया गया है।

चोरी की यह घटना 19/20 अगस्त 2026 की रात को सुरांककोट के वार्ड नंबर 8, समोट निवासी शौकत अली के बेटे साहिर अली की दुकान में हुई थी। इस घटना में नकदी और अन्य कीमती सामान सहित कई चीजें चोरी हो गईं, जिससे दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस संबंध में सुरांककोट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई और मामले की जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान, पुलिस टीम ने लगातार और पेशेवर प्रयासों से चोर की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। चोर की पहचान जफर इकबाल (निवासी डुंधक, सुरांककोट) के रूप में हुई है। उसकी पूछताछ और आगे की जांच के आधार पर लाखों रुपए का चोरी हुआ सामान बरामद किया गया है।

बरामद सामान में दुकान से चोरी हुई कई चीजें शामिल हैं। वहीं, चोरी के तरीके का पूरा पता लगाने, किसी संभावित साथी की पहचान करने और सामान बरामद करने के लिए आगे की जांच जारी है। पुंछ जिला पुलिस चोरी और संपत्ति से जुड़े अन्य अपराधों को रोकने तथा आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हुबली-धारवाड़ और बेलगावी के लिए नए पुलिस आयुक्त नियुक्त

विश्व केसरी

बेंगलुरु। राज्य सरकार ने आईपीएस अधिकारी भूषण गुलाबराव बोरसे को हुबली-धारवाड़ का पुलिस आयुक्त नियुक्त करने का आदेश जारी किया है।

2009 बैच के आईपीएस अधिकारी बोरसे इससे पहले बेलगावी शहर में पुलिस उप महानिरीक्षक और पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। उनका तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। शनिवार को जारी सरकारी अधिसूचना के अनुसार, उन्हें हुबली-धारवाड़ में पुलिस उप महानिरीक्षक और पुलिस आयुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया है। हुबली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त

एन. शशि कुमार (आईपीएस) का तबादला कर दिया गया है और बोरसे को उनके स्थान पर नियुक्त किया गया है। आदेश में कहा गया है कि बोरसे अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी निकम प्रकाश अमृत तबादले की प्रतीक्षा कर रहे थे। उनको बोरसे के स्थान पर बेलगावी शहर में पुलिस उप महानिरीक्षक और पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है।

फेरबदल के तहत, कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर उन्हें नए पद दिए गए हैं। 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी, बेंगलुरु स्थित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं तकनीकी सेवाएं, हरिशेकरण पी. का तबादला कर उन्हें नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। वे उमेश कुमार, आईपीएस का स्थान लेंगे, जिन्हें इस संयुक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है।

1997 बैच के आईपीएस अधिकारी, बेंगलुरु स्थित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कर्नाटक राज्य अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं एवं एसडीआरएफ, एम. नंजुंडास्वामी का तबादला कर उन्हें शिकायत एवं मानवाधिकार विभाग में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सुरंगों में फंसे लोगों को बचाने के लिए भारत और चीन से टेक्नीशियन बुलाए गए: विदेश मंत्री शिशिर खनल

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनल ने शनिवार को कहा कि देश ने अंतरराष्ट्रीय बचाव सहायता के प्रस्तावों को ठुकराया नहीं है। उन्होंने उन खबरों को खारिज किया जिनमें कहा गया था कि काठमांडू ने विदेशी बचाव दलों को लौटा दिया है।खनल ने कहा कि नेपाल ने बचाव कार्य को असरदार बनाने के लिए पड़ोसी देशों चीन और भारत से मदद मांगी है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने बचाव कार्य के खास कामों के लिए विदेशी मदद मांगी है।

शनिवार को विदेश मंत्रालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री शिशिर खनल ने कहा, 'भोटेकोशी में बाढ़ के कारण बंद हुई सुरंगों में फंसे लोगों को बचाने के लिए एक्सपर्ट की मदद मांगी गई है। सुरंग से बचाव कार्य के लिए भारत से 11 सदस्यों वाली एक्सपर्ट टेक्निकल टीम को भेजा गया है।।

भारतीय टीम शुक्रवार को काठमांडू पहुंची।

उन्होंने बताया कि चीन से भी एक टीम के जल्द ही नेपाल पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमारी सुरक्षा एजेंसियां ??और बचाव टीमें बचाव अभियान को अच्छे से चला रही हैं। इसे और बेहतर बनाने के लिए हमने जरूरी क्षेत्रों में अपने पड़ोसियों से एक्सपर्ट की मदद मांगी है।

विदेश मंत्री खनल ने बताया कि जिन सुरंगों में लोग फंसे हैं उन्हें खोलने, आपदा ग्रस्त इलाकों में बचे हुए लोगों का पता लगाने, फॉरेंसिक जांच, डीएनए टेस्ट और शवों को लंबे समय तक रखने की व्यवस्था करने के लिए मित्र देशों से मदद मांगी गई है।

मंत्रालय के अनुसार, दो जिले मुख्य सड़कों और पुलों के नष्ट होने के बाद काफी हद तक कटे हुए हैं, जिससे कई आपदा-ग्रस्त इलाकों तक पहुंचने का मुख्य जरिया हेलीकॉप्टर ही रह गए हैं। खनल ने कहा, 'नेपाल के ऊबड़-खाबड़ इलाके, संकरी घाटियां और अनिश्चित मौसम बड़े हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल को सीमित करते हैं और भारी उपकरण पहुंचाना मुश्किल बनाते हैं।'

नतीजतन, सुरक्षा एजेंसियों की ऑपरेशनल जरूरतों के आधार पर विदेशी मदद की जरूरत महसूस की गई। ये वो लोग हैं जिन्हें देश के मुश्किल इलाकों और हालात में काम करने का अनुभव है। इस बीच, राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक शनिवार शाम 4 बजे तक 675 लोगों के शव बरामद किए गए।

तमिलनाडु का राज्य गीत सबसे पहले गाने में कोई समस्या नहीं: भाजपा नेता

विश्व केसरी

चेन्नई। भाजपा नेता नारायणन तिरुपति ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत से पहले राज्य का गीत गाने में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि इन तीनों को गाने के क्रम से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि राज्य भी भारत का एक अभिन्न अंग है।

तिरुपति ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि तमिल थाई वाजथु (राज्य गीत), हमारा राष्ट्रीय गीत, और हमारा राष्ट्रगान, ये सभी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इनमें से किसे पहले, दूसरे, या तीसरे नंबर पर गाया जाता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर कोई चाहता है कि 'तमिल थाई वाजथु' सबसे पहले गाया जाए, तो इसमें कोई समस्या नहीं है। ये सभी हमारी जीवनरेखा हैं।

उन्होंने कहा कि हमें इसे कोई मुद्दा नहीं बनाना चाहिए और न ही कोई विवाद खड़ा करना चाहिए। अगर लोग इसे (तमिलनाडु राज्य गीत) पहले गाना चाहते हैं तो कोई समस्या नहीं है। इस पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। आखिरकार, तमिलनाडु भी भारत का

एक अभिन्न अंग है, इसलिए हमें (गाने के क्रम को लेकर) कोई समस्या नहीं है, बस इसे गाया जाना चाहिए। इस बीच, उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर पर ईसाई धर्म को बढ़ावा देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब प्रभाकर ने 8 और 9 अगस्त को चेन्नई में गर्भपात-विरोधी रैली '5वें नेशनल मार्च फॉर लाइफ' में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लिया।

भाजपा नेता नारायणन तिरुपति ने टीवीके नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने देखा है कि जेसीडी प्रभाकर शुरू से ही ईसाई धर्म के समर्थक रहे हैं ।

साहित्य केसरी

कहानी

धागों से बंधा सपना

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के एक छोटे-से कोने में बसा था छतरपुर गाँव। गाँव छोटा था, लेकिन उसके रिश्तों की दुनिया बहुत बड़ी थी। वहाँ आज भी सुबह मिट्टी की सोंधी खुशबू के साथ होती थी और शामें चौपाल की बतकही में ढलती थीं। पीपल के पुराने पेड़ पर बैठी चिड़ियाँ जैसे हर घर का हाल जानती थीं। सूरज की पहली किरण जब कच्ची गलियों पर उतरती, तो स्कूल की पोशाक पहने बच्चे किताबों का बस्ता कंधे पर लटकाए दौड़ पड़ते और औरतें सिर पर परात या घड़ा रखे कुएँ की ओर निकल जातीं।

इसी गाँव के एक छोटे-से कच्चे घर में उस सुबह सुजाता अपनी उँगलियों के बीच एक रंगीन धागा उलझाए बैठी थी। रक्षाबंधन आने वाला था। आँगन में माँ काम में व्यस्त थीं। उन्होंने सहज ही कहा, 'इस बार राखी पर भैया शायद नहीं आ पाएगा। शहर में नौकरी करता है, बहुत व्यस्त रहता है।'

सुजाता ने कोई उत्तर नहीं दिया। उसके हाथ धागे को बुनते रहे, लेकिन उसकी आँखें जैसे कहीं दूर चली गई थीं। उनमें ऊपर से झील जैसी शांति थी, मगर भीतर एक बेचैन नदी बह रही थी। उसे विश्वास था—मनोज आएगा। जरूर आएगा। इस बार वह राखी भेजेगी ही नहीं। शायद इसी बहाने उसका भाई समझ पाए कि कुछ रिश्ते संदेशों, फोन कॉलों और ऑनलाइन शुभकामनाओं से नहीं निभते।

मनोज उससे तीन साल बड़ा था। दोनों जुड़वाँ नहीं थे, लेकिन बचपन ने उनके बीच ऐसा रिश्ता बुना था, जिसमें उम्र का अंतर कभी महसूस नहीं हुआ। सुजाता के रोने पर मनोज अपनी पतंग छोड़ देता था। वह साइकिल से गिरती तो पहले उसे उठाता, फिर अपनी चोट देखता। स्कूल जाते समय अगर उसका बैग भारी लगता तो बिना कुछ कहे उसे अपने कंधे पर टाँग लेता।

रक्षाबंधन उनके बचपन का सबसे प्रिय त्योहार था। सुजाता हर साल अपने हाथों से राखी बनाती। कभी रंगीन मोतियों से, कभी चमकीले सितारों से, तो कभी लाल-पीले धागों को जोड़कर। माँ उसकी मदद करतीं और मनोज दूर बैठा मुस्कराता रहता।

राखी बाँधते समय सुजाता हमेशा एक ही बात कहती, 'आज से तू मेरी रक्षा करेगा और मैं तेरे सपनों की।'

मनोज हँसते हुए अपनी कलाई आगे कर देता, 'तो तू कलेक्टर बनेगी और मैं तेरा बॉडीगार्ड।'

दोनों खिलखिलाकर हँस पड़ते।

बचपन के वे छोटे-छोटे वादे कब जिंदगी के बड़े सवाल बन गए, पता ही नहीं चला।

समय ने करवट ली। मनोज पढ़ाई के लिए दिल्ली चला गया। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और एक बड़ी कंपनी में नौकरी पा ली। उसके जीवन में सुविधाएँ बढ़ीं, वेतन बढ़ा, पहचान बढ़ी और शहर की चमक भी। लेकिन इसी चमक में कुछ पुराने रिश्तों की रोशनी धीरे-धीरे धुंधली पड़ने लगी।

शुरुआत में मनोज रोज फोन करता था। फिर फोन सप्ताह में एक बार आने लगा। उसके बाद त्योहारों तक सीमित रह गया। हर बार उसके पास एक ही जवाब होता— 'बहुत काम है', 'मीटिंग चल रही है', 'अभी समय नहीं है', 'अगली बार जरूर आऊँगा। 'सुजाता अब कॉलेज में थी। हिंदी साहित्य में उसने विश्वविद्यालय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया था। उसके भीतर शब्दों की दुनिया बसती थी। वह लिखना चाहती थी, पढ़ना चाहती थी, आगे बढ़ना

चाहती थी। लेकिन गाँव की परिस्थितियाँ उसके सपनों के सामने बार-बार दीवार बनकर खड़ी हो जाती थीं।

एक दिन माँ ने मनोज को फोन किया।

'बेटा, इस बार राखी पर आ जाना। सुजाता कई दिनों से तेरी राह देख रही है।'

दूसरी ओर कुछ क्षण खामोशी रही। फिर मनोज हँस पड़ा।

'अरे माँ! अब क्या राखी-शाखी? हम बच्चे थोड़े ही रहे। ऑनलाइन राखी भेज देना। मैं वीडियो कॉल पर हाथ जोड़ दूँगा।'

माँ ने शायद उस बात को हँसी में टाल दिया, लेकिन पास खड़ी सुजाता के भीतर कुछ टूट गया।

उसने सोचा—जिस भाई के लिए राखी कभी बचपन का सबसे बड़ा उत्सव हुआ करती थी, उसके लिए अब वह एक ऑनलाइन औपचारिकता भर रह गई है।

उस रात उसने अपनी अलमारी खोली। रंग-बिरंगी राखियों के बीच एक खाली जगह थी। उसने राखी बनाने के लिए धागे निकाले, फिर उन्हें वापस रख दिया।

उस वर्ष उसने मनोज को राखी नहीं भेजी।

माँ ने पूछा, 'क्या हुआ? राखी क्यों नहीं बनाई?'

सुजाता ने धीमे स्वर में कहा, 'माँ, जब धागे की कीमत समझने वाला हाथ ही दूर हो जाए, तो धागा भेजने से क्या फायदा?

माँ ने उसे डाँटा, 'भाई है तेरा। नाराजगी अपनी जगह, रिश्ता अपनी जगह।'

सुजाता की आँखें भर आई।

'माँ, रिश्ता तो मैंने कभी छोड़ा ही नहीं। लेकिन हर रिश्ता सिर्फ एक तरफ से तो नहीं निभता।'

उसने फोन भी नहीं उठाया। मनोज ने कई बार संपर्क करने की कोशिश की। शायद पहली बार उसे महसूस हुआ कि राखी का न आना केवल एक भूली हुई रस्म नहीं, बल्कि उसकी बहन की चुप नाराजगी है।

रक्षाबंधन से एक दिन पहले सुबह गाँव की गलियों में सजावट होने लगी थी। बच्चे उत्साह में इधर-उधर दौड़ रहे थे। तभी पीपल के पेड़ के नीचे एक टैक्सी आकर रुकी।

मनोज उतरा।

कंधे पर बैग था। चेहरे पर शहर की थकान थी, लेकिन आँखों में एक पुरानी तलाश।

घर का दरवाजा खुला तो माँ उसे देखकर कुछ क्षणों तक विश्वास ही नहीं कर पाईं।

'मनोज! तू... अचानक?'

मनोज मुस्कराया।

'हाँ माँ। इस बार राखी बाँधने आया हूँ।'

माँ कुछ कह पातीं, उससे पहले मनोज ने धीमे से कहा, 'सुजाता ने राखी नहीं भेजी, इसलिए आया हूँ। उसे बताना है कि मैं अब भी उसका वही मोटू भैया हूँ, जिसे वह बचपन में चिढ़ाती थी।'

माँ की आँखों में नमी आ गई।

'ऊपर छत पर है,' उन्होंने बस इतना कहा।

सुजाता छत पर खड़ी दूर खेतों की ओर देख रही थी। उसे मनोज के आने की आहट सुनाई दी, लेकिन उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

मनोज उसके पास जाकर खड़ा हो गया।

कुछ क्षण दोनों के बीच खामोशी रही।

फिर मनोज ने पूछा, 'राखी नहीं भेजी क्यों?'

सुजाता ने धीरे से उसकी ओर देखा। उसकी आँखें नम थीं।

'क्योंकि मैं थक गई हूँ, भैया।'

मनोज चुप रहा।

'हर साल तुम्हें याद दिलाते हुए कि राखी सिर्फ एक धागा नहीं होती। तुम्हें याद है, जब मेरी साइकिल टूटी थी तो तुमने अपनी बचत से उसे ठीक करवाया था? जब मुझे कॉलेज का फॉर्म भरना नहीं आता था, तो तुमने रात भर बैठकर मेरी मदद की थी? और जब मैं रोते हुए कहती थी कि मैं आगे पढ़ना चाहती हूँ, तब तुमने कहा था—'मैं हमेशा तेरे साथ हूँ।''

उसकी आवाज भर्रा गई।

'कहाँ गया वो साथ, भैया?'

मनोज के पास कोई उत्तर नहीं था।

पुस्तक समीक्षा

शोक की सिकुड़न

संगीता कुमारी

'माया ही मोक्ष है' प्रख्यात पत्रकार लेखक मुकेश भारद्वाज का नया उपन्यास है. माया नाम भी है, माया धन भी है. माया संसार भी है. माया ब्रह्मांड भी है.माया जाल में फँसे हम सभी इस जीवन को जी रहे हैं, हकीकत की जमीन तलाश रहे हैं। आकर्षण में बंधकर सही-गलत के मध्य एक प्रकार का झूला झूल रहे हैं। जीना सभी चाहते हैं और इस जीवन को जीने के लिए न जाने कितने मूल्य चुका रहे हैं। जीवन के भोग-विलास में बंधकर, किस प्रकार धोखे और इच्छाओं का गुलाम बनकर मनुष्य चक्रव्यूह में फंसता चला जाता है, और फिर उसी गर्त से निकलने के लिये देह की गठरी को माध्यम बनाता है कभी धोखे से शरीर को मारकर तो कभी आत्मा को मारकर जीवित शरीर के साथ छल करके। वहीं कुछ की नैतिकता और कुछ का आदर्श समाज में अच्छाई बची है बता जाता है। किरदारों की गुत्थी कहीं भी उलझी हुई प्रतीत नहीं होती है बल्कि सबकी अपनी अलग एक दुनिया रची-बसी दिखती है।

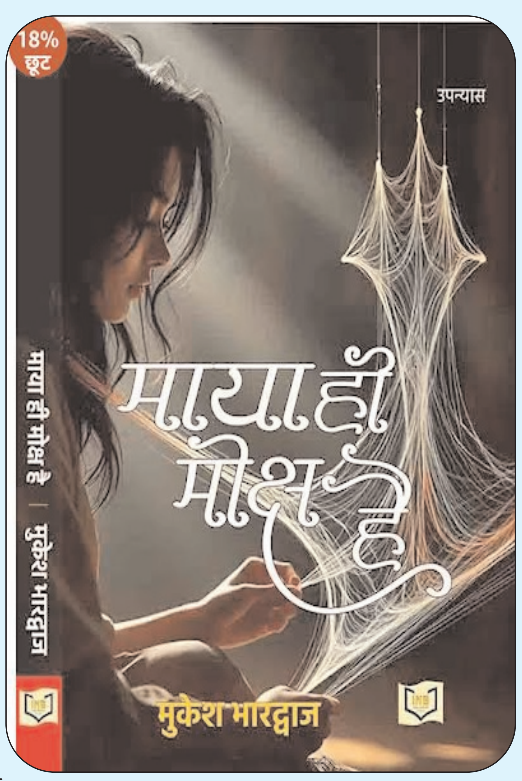

हमारे समाज में शोक करने का सबका अपना अलग नजरिया है जिस पर पत्रकार-साहित्यकार मुकेश भारद्वाज गंभीर तार्किक परिचय देते हुए अपने उपन्यास 'माया ही मोक्ष है' में लिखते हैं- 'यह हमारी मध्यवर्गीय समझ है कि शोक के समय आपको खुद को खुर्द-बुर्द दिखाना है। आपके मुंह पर उजड़ा हुआ शोक नहीं है तो फिर आप दुखी नहीं हैं।

हर क्लास का चीजों को रिएक्ट करने का अपना अलग तरीका होता है।'

प्रेमी की मौत पर प्रेमिका का बेरुखी भरा व्यवहार लेखक को भीतर तक झकझौर देता है। लेखक की संवेदना उसके लेखन में दिखती है।

'मछली ठंडी हो गई है।'

'ठीक कह रहे हो मुर्दा मच्छी ठंडी हो गई है। लेकिन जिंदा अभी गर्म है।' उसने कहा।

'मुर्दा शब्द सुनते ही मुझे एक बार फिर अनिल याद आया। मछली में शमशान की गंध घुस गई। अब वह मुझसे नहीं खाई जाती।'

लेखक देह के भोग के मध्य भी खुद को मार्मिक स्थिति में घिरा पाता है, मगर संभलकर स्वयं से तर्क करते हुए वापस वर्तमान में खुद को ले आता है, जो उनके लेखन में दिखती है...

'वह इठला कर पेट के बल लेट गई। मैं फिर सोचने लगा, क्या इसका घर पर कोई इंतजार नहीं कर रहा होगा। इंतजार...क्या अनिल की देह ने इंतजार किया होगा कि वो आखिरी बार मिलने आये। आग से मिलने के बाद उसकी रूह एक बार इसे देखने के लिए कांपी होगी। एक सुभद्रा की आंखों ने कितने आंसू बहाए होंगे। उसकी आत्मा ने इन दो आंखों में आंसू भी तो देखना चाहे होंगे...। मैं बार-बार इस तरफ जाती अपनी सोच से हैरान था।

मैं कौन होता था फैसला करने वाला कि शेफाली कब और कैसे शोक करे। मैं इसे लेकर जजमेंटल क्यों हो रहा हूं।'

मुकेश भारद्वाज का यह उपन्यास उनके सभी उपन्यासों के समान रोचक है, और पाठकों को सोचने पर विवश कर देता है कि समाज का एक ऐसा भी रूप होता है। हार्दिक शुभकामनाएं हैं कि वे यूं ही लिखते रहें, और हम पाठकों को अपने लेखन के माध्यम से समाज के विभिन्न रूपों से परिचय कराते रहें।

उपन्यास : माया ही मोक्ष है
लेखक : मुकेश भारद्वाज
प्रकाशक : इंडिया नेटबुक्स प्रा.लि., सी 122, सेक्टर -19, नोएडा -201301
मूल्य : 450 रुपये

व्यंग्य

दास्तान-ए-सांड

डॉ मुकेश असीमित

मेरा जन्मदिन अभी दूर है, लेकिन हमारे यहाँ जन्मदिन की तैयारियाँ किसी चुनाव से कम नहीं होतीं-घोषणापत्र पहले, कार्यक्रम बाद में। इस बार तय हुआ है कि गायों को चारा और गुड़ खिलाकर जन्मदिन मनाया जाएगा। शहर में इन दिनों गौ-प्रेम फैशन में है। हर मोहल्ले में गौ-आश्रम उग आए हैं-कुछ श्रद्धा से, कुछ फोटो से और कुछ फेसबुक प्रेमियों के सेवा सेल्फी प्रेम से। जब से हमारे योग-गुरु बाबा ने सौंदर्य प्रसाधन से लेकर दवा-दारू तक में गाय का तड़का लगाया है, गाय पाँच सितारा शो-रूम की वस्तु बन चुकी है। देसी गाय अब श्रद्धा की नहीं, औकात की चीज़ हो गई है।

गाय से हमारा रिश्ता नया नहीं है। बचपन से पाठ्यक्रम में थी- 'गाय हमारी माता है।' निबंध में, उपलों में, होली की बालुडियों में, और सुबह के मक्खन में गाय बराबर मौजूद थी। तब गाय को दरवाज़े पर नहीं बुलाया जाता था; हम बच्चे ही रोटी लेकर गाय के पास जाते थे। आज गायें स्वयं दरवाज़ा खटखटाती हैं। शहर ने परिवारों को आलसी और गायों को आत्मनिर्भर बना दिया है।

पहले गौदान सबसे बड़ा दान था। अब पंडित जी ने UPI स्वीकार कर लिया है। गायें आँगन से निकलकर आश्रमों में शिफ्ट हो चुकी हैं। जन्मदिन मनाने वाले हम जैसे लोग आश्रम पहुँचते हैं, गाय को चारा खिलाते हैं, फोटो खिंचवाते हैं और लौटकर फेसबुक पर पोस्ट डालते हैं- 'आज कुछ अलग किया।' अलग बस इतना होता है कि गाय पहले से खा चुकी होती है।

बचपन में हमें दो माताएँ बताई गईं-एक हमारी माँ और दूसरी गाय माता। पिताओं की संख्या भी दो थी-एक हमारे और दूसरे गांधी जी, जिन्हें मास्साब ने बेंत की सहायता से हमारे भीतर स्थापित किया। लेकिन गाय के इस महिमामंडन में उसके भाई-बाप-खसम-बैल और सांड-हमेशा छूट गए। 'बनिया का बैल' सुनकर तब समझ नहीं आता था कि यह गाली है। आज समझ आता है-बैल होना ही इस देश में सबसे बड़ा अपराध है। गाँव में बैल गाड़ी खींचता था, हल में जुता था, कोल्हू चलाता था। उसकी घंटियाँ सुबह-शाम गाँव की साँसें थीं। फिर मशीनें आईं, ट्रैक्टर आए और बैल बेरोज़गार हो गया। गाय पूज्य बनी रही, बैल अनुपयोगी। अगर गाय माता है, तो बैल क्या दूर का रिश्तेदार भी नहीं? इंसान गधे को बाप बना सकता है, बैल को नहीं।

आज बैल शहर की गलियों में पड़े मिलते हैं- सड़क, नाली और किस्मत तीनों जाम किए हुए। गौ-आश्रम वाले गायों को चुन-चुनकर उठाते हैं। बैल की पहचान करने के लिए बाकायदा ट्रेनिंग दी जाती है। कोई उत्साही सदस्य गलती से बैल उठा लाए तो उसे वापस छोड़ने के साथ संस्था से भी बाहर कर दिया जाता है। यहाँ गौ-सेवा है, पशु-सेवा नहीं।

शेयर बाज़ार में बुल-बेयर रोज़ खबर बनते हैं, लेकिन असली बुल सड़क पर पड़ा रहे तो कोई कवरेज नहीं। स्कूल में बुलिंग पर चिंता है, सड़क पर बुलिंग झेलते बैल पर नहीं। कभी-कभी ये बैल कुंठा में सांड बन जाते हैं। तब लोग इन्हें गालियाँ देते हैं, जैसे इनके जीवन का यही उद्देश्य था-हमारी झुंझलाहट का साधन बनना।

नगर पालिका नालियों की सुध लेती है, सांड की नहीं। अख़बार लिखते हैं- 'सांड नाली में गिरा, शहर अस्त-व्यस्त।' कोई नहीं लिखता- 'सांड भूखा था।' बजट गाय के लिए है, बैल के लिए नहीं। न इनके वोट हैं, न यूनियन। नेता रैली में घुस आएँ तो इसे सुरक्षा-चूक बताकर चुनावी मुद्दा बना लेते हैं।

बरसात में सांड सूखी सड़क पर लेट जाता है। लोग हॉर्न बजाते हैं, मालिक को कोसते हैं। मालिक कौन-यह प्रश्न कोई नहीं पूछता। कभी-कभी यही कुंठा उस हाथ पर निकलती है जो रोटी देने आया था। लोग कारण ढूँढते हैं-कोई डॉक्टरों पर आरोप लगाता है, कोई सब्ज़ी मंडी पर। सच बस इतना है कि जिसे खिलाया जा रहा है, वह गाय नहीं, सांड है-और उसे यह भूमिका मंज़ूर नहीं।

जलीकट्टू पर बवाल हुआ, सोशल मीडिया उफना। कुछ दिन बाद सब भूल गए कि लड़ाई किसके लिए थी। इंसान अपनी ईगो के लिए बुल फाइट चाहता है; बुल अपनी ज़िंदगी के लिए लड़ रहा है-अकेला।

अब आख़िरी उम्मीद कथा-वाचकों से है। जिनके एक इशारे पर जनता दिशा बदल लेती है। अगर वे कह दें कि यह बैल नहीं, नंदी है-भगवान शिव की सवारी-तो तस्वीर बदल सकती है। तब 'नंदी आश्रम' खुलेंगे, चढ़ावे में इसका हिस्सा तय होगा। नाम बदलते ही व्यवस्था बदल जाती है-हमारा देश इसका जीता-जागता प्रमाण है।

कम से कम इतना तो हो कि गाय के साथ उसके भाई की भी सुध ली जाए। क्योंकि श्रद्धा अगर चयनात्मक हो जाए, तो वह सेवा नहीं, सुविधा बन जाती है। और सांड-या कहिए नंदी- अब सुविधा नहीं, इंसानियत माँग रहा है।

गंगापुर सिटी राजस्थान drmukeshaseemit@gmail.com

लघुकथा — विकास का पोस्टर

दिलीप आचार्य 'सोमेश्वर

शहर में ऑटो रिक्शा घूम-घूम कर घोषणा कर रहा था, 'नगरपालिका की ओर से अब विकास घर-घर पहुँचेगा।'

नुक्कड़ की गुमटी पर दोस्तों के साथ चाय की चुस्की लेते शर्मा जी मुस्कुराए— 'लगता है इस बार हमारे घर का पता भी मिल जाएगा।'

तभी वर्मा जी बोले— 'पता तो पिछली बार भी मिल गया था... बस रास्ता गड्ढों में खो गया था।'

सब्जी के ठेले वाला भी चर्चा में शामिल हो गया, 'साहब, हमारे शहर की सड़कें बड़ी ईमानदार हैं, पहली बारिश में ही तैरना सिखा देती हैं।'

तभी बिजली के खंभे पर पोस्टर चिपकाने वाला लड़का बोला, 'अंकल, लगता है इस बार योजना बड़ी है।'

शर्मा जी कुर्ते से चश्मा साफ करते हुए बोले, 'हाँ बेटा, पोस्टर हर बार बड़ा ही होता है... पर विकास है कि छोटा पड़ जाता है।'

दो दिन बाद अख़बार में फोटो छपी, फीता कटा, ताली बजी, मुस्कानें बँटीं। तस्वीर में सड़क इतनी चमक रही थी कि शर्मा जी को लगा, शायद यह किसी और शहर की होगी। तीसरे दिन वही सड़क फिर धँस गई। शर्मा जी ने अख़बार मोड़कर बगल में दबाया और बोले, 'विकास हमारी गली में आया था... पर गड्ढों ने उसे भी निगल लिया।'

वर्मा जी ने लंबी साँस लेते हुए कहा, 'घोषणाएँ ही स्थायी होती हैं, काम अस्थायी।

सब्ज़ीवाला मुस्कुराया, 'साहब, हमारे शहर में सबसे मजबूत चीज़ 'वादे' हैं...जो कभी टूटते ही नहीं।'

खंभे पर लगा पोस्टर अब भी विकास की हामी भर रहा था.

बांसवाड़ा (राजस्थान)
मो.9460022270

कविता — चरम के बाद

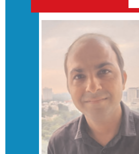

सुमित राजोरा

तुम आ रहे हो
सीढ़ियाँ चढ़कर
अपने उत्थान की ओर।
इसी समय
कुछ घोड़े उतर रहे हैं
पहाड़ से
घाटी की ओर--
धीरे-धीरे
अपनी मध्यम चाल से
शायद यही समय है
जब हमें समझ लेना चाहिए
कि हम
अपने चरम पर हैं
इसके आगे
कुछ नहीं है--
सिर्फ़ ढलान है
और एक गहरी घाटी।
देखो
यहीं भस्म हो सकते हैं
मैं और तुम
अगर भस्म नहीं होना चाहते
तो लौट जाओ।
लौट जाना
जैसे मूसलाधार बारिश के बाद
धीरे-धीरे
आसमान साफ़ हो जाता है
जैसे घोड़ों के टाप
पहाड़ से उतरते हुए
एक दिन
सुनाई देना बंद हो जाते हैं
अगर लौट सको
तो लौट जाना
क्योंकि
चरम के बाद
किसी शिखर की उम्मीद मत करना।
मैं अब
अपनी ही यात्रा पर जा रहा हूँ--
शायद वहाँ
तुम नहीं हो
और शायद
मेरे लौटने की
कोई राह भी नहीं।

लघुकथा — पगडंडी

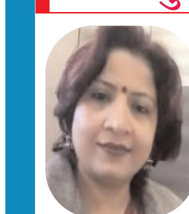

डॉ.योगिता जोशी

शहर से लौटी पायल ने गाँव की उस पुरानी पगडंडी को देखा।

वह अब भी वैसी ही थी— धूल से भरी, लेकिन सीधे माँ के आँगन तक जाती।

उसने पूछा, 'माँ, ये सड़क क्यों नहीं बनी अब तक?'

माँ बोली, 'क्योंकि ये रास्ता 'घर' की खुशबू पहचानता है। इसे सीमेंट से मत बाँधो, मिट्टी ही इसका मन है।'

पायल निःशब्द हो गई।

शायद शहर की सीधी सड़कों में भावनाओं के मोड़ नहीं होते।

जयपुर

ग़ज़ल

डॉ पूनम माटिया

उल्फ़तों के खेत में उस के ही ग़म बोते रहे
फ़स्ल की गठरी उठाए 'उम्र-भर ढोते रहे

बंद पलकों में कुछ आँसू रात मचले बे-सबब
नींद क्या आई बहाना ओढ़ कर सोते रहे

याद आई फिर किसी की मेहरबानी देर तक
आँसुओं से दाग़ दिल के रात-भर धोते रहे

दूरियाँ दिल की बढ़ीं लेकिन बढ़ीं हैं किस लिए
दोनों वाक़िफ़ हैं मगर रिश्ता सभी ढोते रहे

हम कभी नज़दीकियों से थे परेशाँ बे-तरह
दरमियाँ अब सिलवटों को देख कर रोते रहे

चाहते तो थे कि 'पूनम' आज शब रौशन करे
रात काली थी अमावस ओढ़ कर सोते रहे

पॉकेट-ए, 90 बी, दिलशाद गार्डन,
दिल्ली -110095

कविता

हरजिंदर सिंह सेठी

वे नहीं जानतीं कूटनीति
न राजनीति के दांव पेच
वे नहीं रखतीं किसी से बैर
विरोध।
उन्होंने नहीं रची कोई
साजिश
किसी के खिलाफ।
उन्हें नहीं लेना देना
किसी राष्ट्राध्यक्ष से कुछ
जो लड़ भिड़ रहे हैं आपस में।
कापियों किताबों पेन पेंसिल के सिवा
उन्हें नहीं पता कुछ और
उन्हें बनना है डाक्टर, वकील, इंजीनियर,
कलाकार और करनी है लोगों की सेवा।
वे शामिल नहीं रहीं किसी युद्ध में
फिर भी मारी जा रही हैं बेकसूर लड़कियां
स्कूलों पर बम गिरा कर।
हंसती चहकती बच्चियां
बदल रही हैं लाशों के ढेर में।
कितना कष्टकर होता है
खून से लिखी इबारत को पढ़ना
कितना दारुण है लहू में भीगे बस्तों को देखना
कितना मुश्किल है इस सदमें को बर्दाश्त करना
कितना भयावह है भविष्य के बारे में
सोचना।
माएँ करती रहेंगी इंतजार
बच्चियों के लौटने का सूनी आंखों से।
घरों में पसरा रहेगा मातम
न चहल पहल होगी
न सुनाई पड़ेगी ढोलक की थाप
न गूंजेगी शहनाई
न लगेगी हथेलियों पर मेंहदी
न डोलियां उठेंगी आंगन से
छाया रहेगा मातम उनके घरों में
कई वर्षों तक।

75/3,गुरु अर्जुन देव मार्ग
(मालाबार हिल रोड)
मुलुंड कालोनी, मुम्बई - 400082
मो.9920342554

नकली तंबाकू बनाने वाली अवैध यूनिट का भांडाफोड़ 1.72 लाख के स्टॉक के साथ दो भाई गिरफ्तार

विश्व केसरी

राजकोट। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुजरात के राजकोट की पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कुवाडवा रोड पर एक गोदाम में नकली तंबाकू बनाने और उसे जमा करने वाली एक कथित अवैध यूनिट का पता लगाया है और इस मामले में दो भाइयों को हिरासत में लिया है।

27 अगस्त को गुप्त सूचना मिलने पर एसओजी टीम ने चौहान वाडी, स्ट्रीट नंबर 11, लाटी प्लॉट स्थित 'हिरेन परफ्यूमरी वर्क्स' नाम के गोदाम पर छापा मारा। वहां हिरेन सोनेजी (51) और उनके भाई राजू सोनेजी (49) बिना किसी जरूरी दस्तावेज या खाने-पीने की चीजों से जुड़े लाइसेंस के नकली तंबाकू बनाते हुए पाए गए।

पुलिस ने बताया कि वे राजकोट में अलग-अलग रिटेलर्स को बेचने के लिए यह तंबाकू बना रहे थे। छापेमारी के दौरान तंबाकू के पैकेट, खाली डिब्बे और पैकेजिंग का सामान, कच्चा माल, केमिकल और बनाने व पैक करने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी जब्त की गई।

जब्त की गई चीजों में 10,800 रुपए कीमत के 54 सुनहरे रंग के 500 ग्राम तंबाकू पैकेट, 11,400 रुपए कीमत के 57 काले रंग के 500-ग्राम पैकेट, 2,000 रुपए कीमत के 10 चांदी जैसे रंग के 200-ग्राम पैकेट और 4,400 रुपए कीमत के 22 चांदी जैसे रंग के 500-ग्राम पैकेट शामिल थे।

एसओजी ने 16,200 रुपए कीमत का 40.5 किलो तंबाकू भरा नीला बैरल और 22,500 रुपए कीमत का लगभग 150 लीटर लाइट लिक्विड पैराफिन ऑयल भरा एक और बैरल भी जब्त किया। इसके साथ ही 39,000 रुपए कीमत के अलग-अलग खुशबूदार लिक्विड वाले लगभग 26 किलो वजन के सात एल्युमीनियम के डिब्बे भी जब्त किए गए।

जब्त किए गए उपकरणों में एक ग्राइंडर, तंबाकू और केमिकल को मिलाने के लिए इस्तेमाल होने वाला इलेक्ट्रिक मोटर से चलने वाला मिक्सर, तंबाकू और माउथ फ्रेशनर को छोटे डिब्बों में पैक करने वाली मशीन और प्लास्टिक बैग पैक करने के लिए इस्तेमाल होने वाली दो इलेक्ट्रिक मशीनें शामिल थीं। पुलिस ने सैकड़ों खाली डिब्बे और पैकेजिंग का सामान भी बरामद किया, जिनमें 'हिमसन हीरामोती', 'सुगम तंबाकू 1030' और 'हिरेन परफ्यूमरी वर्क्स' जैसे नाम वाले बॉक्स और बैग शामिल थे। जब्त किए गए सामान में 'हिरेन पी-जान फ्लेवर' लिखी 288 छोटी प्लास्टिक की बोतलें, एक डिजिटल वजन करने वाली मशीन, चार किलोग्राम खुला तंबाकू, दो मोबाइल फोन और एक बिल बुक शामिल थी, जिसमें 18 अप्रैल से 21 अगस्त 2026 तक की एंट्रीज थीं।

पुलिस ने बताया, 'जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 1,72,770 रुपए आंकी गई।' यह ऑपरेशन एसओजी पुलिस इंस्पेक्टर एन.बी. चौधरी की देखरेख में चलाया गया, जिसमें एएसआई अरुणभाई बांभनिया, सिद्धार्थराज सिंह जडेजा, और राजेशभाई बाला के साथ-साथ एसओजी के अन्य कर्मचारी भी शामिल थे।

राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ डिपार्टमेंट के एफएसएल अधिकारी समीर जोशी और फूड सेफ्टी ऑफिसर के.जे. सरवैया ने शुरुआती जांच की और अपनी राय दी।

वहीं, पुलिस की ओर से नकली तंबाकू के गैर-कानूनी उत्पादन और बिक्री के मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

युद्ध का स्वरूप लगातार बदल रहा है : एमएम नरवणे

विश्व केसरी

वडोदरा। सेवानिवृत्त जनरल एमएम नरवणे ने एक नए को-वर्किंग स्पेस के भव्य उद्घाटन समारोह में भाग लिया और राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व और उद्यमिता पर अपने विचार साझा किए।

एमएम नरवणे ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि युद्ध का स्वरूप हमेशा बदल रहा है। ऐसी स्थिति में अगर भविष्य में युद्ध की स्थिति पैदा होती है तो हमें अपनी रणनीति में परिवर्तन करना होगा। हमें पिछले युद्ध की तरह आने वाले युद्ध को नहीं लड़ना होगा। जब कभी मैं सेना का जिक्र करता हूं तो इस बात की ओर संकेत करना चाहता हूं कि आने वाले दिनों में हमें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना होगा और हम उनका मुकाबला कैसे कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं यही कहूंगा कि हम आगे को देखते हुए किसी भी रणनीति पर काम करेंगे। तभी हमें आगे चलकर सफलता मिलेगी, जैसे हमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिली थी। इसके अलावा, उन्होंने प्रेटोरियनवाद को लेकर भी अपना पक्ष रखा। उनके मुताबिक, पेट्राइजेशन का विषय सबसे पहले कारगिल युद्ध के दौरान उठा था। इसे अभी 25-26 साल हो गए। यह कोई नई बात नहीं है। यह एक प्रक्रिया है, जिसे अब भारत में भी उतारने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। जिस तरह से भविष्य में युद्ध की आशंका बढ़ रही है, उसे देखते हुए हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम प्रेटोरियनवाद की ओर अपने कदम आगे बढ़ाए।

साथ ही, उन्होंने 25 राउंड की वार्ता को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह वार्ता विशेष प्रतिनिधियों के बीच होती है। हमारी तरफ से इस

बातचीत में अजीत डोभाल ने हिस्सा लिया और चीन की तरफ से उनके विदेश मंत्री शामिल हुए। यह पहली बार नहीं है कि इस तरह की वार्ता हुई है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद है। समस्या यह है कि भारत और चीन के बीच सीमा स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं है। इसी वजह से दोनों देशों के बीच समय-समय पर सीमा को लेकर विवाद सतह पर आते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि यहां पर हाल ही में इंडिया एक्लीलेटर ने अपना एक दफ्तर खोला है। इस दफ्तर का मुख्य मकसद स्टर्टअप की मदद करना है। मेरा विचार यह है कि स्टार्टअप का योगदान भारत को आगे बढ़ाने की दिशा में जरूरी हो जाता है। अगर हम विकसित भारत के सपने को साकार करना चाहते हैं तो इसके लिए हमें स्टर्ट की अहमियत को समझना होगा। अब इस दफ्तर के खुलने से स्टर्टअप में कदम बढ़ाने वाले लोगों को भी मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे उन्हें आगे चलकर फायदा होगा। साथ ही स्टार्टअप में कदम बढ़ाने वाले लोगों को यहां आर्थिक सहायता भी मिलेगी।

मेघालय के मुख्यमंत्री ने नेताजी की क्षतिग्रस्त प्रतिमा की बहाली का आश्वासन दिया

विश्व केसरी

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने शनिवार को रिंजाह स्थित आरआर कॉलोनी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय गैर-आदिवासी समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की। यह मुलाकात हाल ही में खासी छात्र संघ (केएसयू) के विरोध प्रदर्शन के दौरान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की तोड़फोड़ के बाद हुई।

कॉनराड संगमा ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा का निरीक्षण किया और निवासियों से बातचीत कर उनकी चिंताओं को सुना। केएसयू की काले झंडे वाली मोटरसाइकिल रैली के दौरान शिलांग के विभिन्न स्थानों पर हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई थीं।

मुख्यमंत्री ने निवासियों को आश्वासन दिया कि क्षतिग्रस्त प्रतिमा की

बहाली की जाएगी और बहाली कार्य के लिए 5 लाख रुपए स्वीकृत किए।

मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि राज्य सरकार तोड़फोड़ या किसी भी ऐसी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी जो शिलांग और मेघालय के अन्य हिस्सों में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को भंग कर सकती है।

उन्होंने राज्य में रहने वाले विभिन्न समुदायों के बीच शांति, एकता और सद्भाव बनाए रखने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

यह तोड़फोड़ केएसयू की रैली के दौरान हुई, जिसका आयोजन छात्र संगठन द्वारा उठाई गई विभिन्न मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए किया गया था।

शिलांग में मोटरसाइकिल रैली के दौरान कई स्थानों पर हिंसा और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हुईं। इन घटनाओं ने निवासियों में चिंता बढ़ गई।

राज्य सरकार ने कहा है कि हिंसा और तोड़फोड़ के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

तोड़ी गई प्रतिमा का विशेष महत्व है क्योंकि नेताजी का शिलांग से ऐतिहासिक संबंध है।

मंत्री की पत्नी के तबादले का शिक्षकों ने किया विरोध

विश्व केसरी

चेन्नई। कानून मंत्री सीटीआर निर्मल कुमार की पत्नी का पल्लावरम के एक सरकारी सेकेंडरी स्कूल से ट्रिपलिकेन के एक संस्थान में तबादला होने से शिक्षकों के बीच आलोचना शुरू हो गई है, क्योंकि कोर्ट के आदेशों के बाद आम तबादला काउंसलिंग प्रक्रिया रुकी हुई है।

ट्रिपलिकेन के गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में ट्रांसफर होने से पहले वह पल्लावरम के मारैमलई अडिगल गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में साइंस टीचर के तौर पर काम कर रही थीं। सरकारी प्राइमरी, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में टीचरों का ट्रांसफर आम तौर पर एजुकेशन मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (ईएमआईएस) पोर्टल पर होने वाली जनरल काउंसलिंग के जरिए किया जाता है। एकेडमिक ईयर के लिए काउंसलिंग जून में होनी थी, लेकिन कोर्ट के दखल के बाद इसे रोक दिया गया।

इस माहौल में टीचरों ने सवाल उठाया है कि जब काउंसलिंग प्रोसेस रुका हुआ था, तब एक व्यक्ति का ट्रांसफर कैसे मंजूर हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि टीचर को खास तरजीह दी गई हो सकती है, क्योंकि वह लॉ मिनिस्टर की पत्नी हैं। उन्होंने ट्रिपलिकेन स्कूल को चुनने का संबंध ग्रीनवेज रोड पर मिनिस्टर के सरकारी घर के पास होने से भी जोड़ा। इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि जगह की वजह से यह फैसला लिया गया। इस ट्रांसफर से पल्लावरम स्कूल में चिंता पैदा हो गई है, जहां साइंस टीचर का पद कथित तौर पर लगभग दो महीनों से खाली पड़ा है। कोई दूसरा टीचर नियुक्त नहीं किया गया है, जिससे बाकी टीचरों को एक्स्ट्रा क्लास लेनी पड़ रही है और काम का बोझ बढ़ गया है।

कश्मीरी पंडितों को मिल रही धमकियां दुश्मन देशों की साजिश : किरण वट्टल

विश्व केसरी

श्रीनगर। विश्व कश्मीरी समाज के संयोजक किरण वट्टल ने कश्मीरी पंडितों को मिली हालिया धमकियों और कमीडियन शेरोन वर्मा और समय रैना से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया जाहिर की। वट्टल ने इन धमकियों को दुश्मन देशों की साजिश बताया और कहा कि ऐसी धमकियां 1985-86 और 1999 में भी आई थीं, जिसका परिणाम नरसंहार था। उन्होंने कमीडियन शेरोन वर्मा और समय रैना विवाद पर कहा कि 36 साल से जुल्म झेल रहे समुदाय का मजाक उड़ाकर टीआरपी बटोरना शर्मनाक है।

किरण वट्टल ने कश्मीरी पंडितों को मिली हालिया धमकियों को लेकर कहा, 'जो धमकियां आ रही हैं, ये 1985, 1986 और 1999 में भी आए थे, जिसका परिणाम नरसंहार था।

धमकियों के अलावा हत्याएं भी बहुत हुईं। उस वक्त जो माहौल था, और आज की जो स्थिति है, उसमें जमीन-आसमान का फर्क है। आज जो कश्मीर का परिवार है, वो हमारे साथ हैं और वो चाहते हैं कि ये बना रहे। जो धमकियां आ रही हैं, वो हमारे दुश्मन देशों से समर्थित हैं। किसी ने एक क्षेत्र पर कब्जा किया हुआ है, तो वो सीधे तौर पर या अप्रत्यक्ष रूप से धमकी दे रहा है। वो चाहते हैं कि लोग उस जगह को छोड़कर चले जाएं और ये वापस से कब्जा कर लें।'

दिव्यांग व्यक्ति मेरे दिल के बेहद करीब : एचडी कुमारस्वामी

विश्व केसरी

मांड्या (कर्नाटक)। भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि दिव्यांग लोग उनके दिल के बहुत करीब हैं। उन्होंने याद किया कि जब वे मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिससे वे सीधे विधान सौधा तक अपनी बात पहुंचा सकते थे।

कुमारस्वामी ने कहा, 'दिव्यांग व्यक्ति मेरे दिल के बेहद करीब हैं। जब मैं मुख्यमंत्री था, तब वे सीधे विधान सौधा आते थे। मैंने ही ऐसी व्यवस्था बनाई थी।'

केंद्रीय मंत्री मांड्या स्थित अंबेडकर भवन में 299 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित करने के बाद बोल रहे थे। ये उपकरण स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएआईएल) और आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग

कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एएलआईएमको) द्वारा उनके कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रमों के तहत प्रदान किए गए थे।

उन्होंने कहा, 'दिव्यांग व्यक्तियों को सहानुभूति की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय उन्हें गरिमा और आत्मसम्मान से भरा जीवन जीने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। उन्हें समान अवसर भी मिलने चाहिए और हर कोई का उनके प्रति उत्तरदायित्व है।'

कुमारस्वामी ने बताया कि बैटरी से चलने वाली तिपहिया साइकिलें, कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र और अन्य सहायक उपकरण लगभग 299 लाभार्थियों को वितरित किए गए। इस्पात मंत्रालय के अधीन आने वाली एसएआईएल और अलीम्को की सीएसआर पहल के तहत ये सुविधाएं प्रदान की गईं। उन्होंने बताया कि कुल 50 लाख रुपए मूल्य के सहायक उपकरण वितरित किए गए। कुमारस्वामी ने मांड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमआईएमएस) में एक डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली का भी उद्घाटन किया।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा अपने सीएसआर फंड के तहत दिए गए 1 करोड़ रुपए की लागत से इस सुविधा की स्थापना की गई है। केंद्रीय मंत्री ने सुबह अस्पताल का दौरा किया और डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली का उद्घाटन किया। कुमारस्वामी ने हलाली गांव के सरकारी स्कूल का दौरा किया, जहां उन्होंने आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील (एएम/एनएस इंडिया) की सीएसआर पहल के तहत 32.50 लाख रुपए के अनुदान से निर्मित दो सुसज्जित कक्षाओं का उद्घाटन किया।

मौलाना साजिद रशीदी के इस्लामिक कानून वाले बयान का ताहिरुद्दीन ताहिर ने किया समर्थन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मौलाना साजिद रशीदी के भारत में इस्लामिक कानून लागू करने वाले बयान को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। आगरा की खुद्दाम-ए-रोजा ताजमहल उर्स कमेटी से जुड़े ताहिरुद्दीन ताहिर ने मौलाना रशीदी के बयान का समर्थन किया है। वहीं, अयोध्या के संत दिवाकराचार्य महाराज ने बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है।

आईएएनएस से बातचीत में ताहिरुद्दीन ताहिर ने कहा कि अगर भारत में इस्लामिक कानून लागू होता है तो अपराध के अनुसार सजा का प्रावधान होगा। उन्होंने सऊदी अरब का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कानून काफी सख्त हैं और अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाती है। उन्होंने दावा किया कि सख्त कानून

होने से चोरी, छेड़छाड़, रेप और अन्य अपराधों पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है। उनका कहना था कि भारत में भी अगर कानूनों को सख्ती से लागू किया जाए तो अपराधों में कमी आ सकती है।

दूसरी ओर, अयोध्या के संत दिवाकराचार्य महाराज ने मौलाना साजिद रशीदी के बयान का विरोध किया। उन्होंने कहा कि भारत में संविधान सर्वोच्च है और देश की व्यवस्था संविधान के अनुसार ही चलती है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था और कानून का सम्मान किया जाना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को संविधान से ऊपर किसी व्यवस्था को रखने की मांग नहीं करनी चाहिए। लेकिन, मौलाना के बयान से लगता है कि वह संविधान को हटाकर इस्लामिक कानून को थोपने की मंशा कर रहे हैं। जब विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज होंगे तो वह माफी मांगते नजर आएंगे। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि भारत कभी भी हिंदू राष्ट्र नहीं बन सकता और न भारत कभी इस्लामी राष्ट्र बन सकता है। भारत की एक खूबी है कि यह जम्हूरी मुल्क है और जम्हूरी निजाम के तहत चलता है। यहां पर न जाने कितने मजहब के मानने वाले लोग रहते हैं और वे अपने अकीदे और मसलक के मुताबिक अमल करते हैं।

नॉर्थ-ईस्ट को असम में मिलेगा पहला 'स्विमिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस'

विश्व केसरी

गुवाहाटी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) और असम खेल प्राधिकरण (एसएए) के बीच शनिवार को एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत असम के अमिंगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तैराकी के लिए एक 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (एनसीओई) स्थापित किया जाएगा।

यह समझौता नॉर्थ-ईस्ट क्षेत्र में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और तैराकी के लिए हाई-परफॉर्मेंस इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस समझौते पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर किए गए। राज्य के खेल मंत्री, सांसद बिजुली कलिता मेधी और वरिष्ठ अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद थे।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए, डिप्टी डायरेक्टर जनरल मंजूश्री दयानंद और साई रीजनल

सेंटर, गुवाहाटी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डीके मित्तल कार्यक्रम में शामिल हुए।

समझौते के तहत, अमीनगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मौजूद ओलंपिक-साइज का स्विमिंग पूल साई को तैराकी के लिए नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। प्रस्तावित सुविधा नॉर्थ-ईस्ट क्षेत्र में तैराकी के लिए समर्पित पहला एनसीओई होगा, जिससे असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के एथलीट्स को घर के करीब ही खास ट्रेनिंग और उच्च-गुणवत्ता वाला खेल बुनियादी ढांचा मिल सकेगा।

उम्मीद है कि यह केंद्र होनहार तैराकों की पहचान करने, उभरती प्रतिभाओं को निखारने और एथलीट्स को प्रोफेशनल कोचिंग और हाई-लेवल प्रतियोगिता के लिए जरूरी अन्य सहायता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से क्षेत्र के प्रतिभाशाली तैराकों के लिए ग्रासरूट और डेवलपमेंट लेवल से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक आगे बढ़ने का एक मजबूत रास्ता बनाने में मदद मिलेगी। एनसीओई की स्थापना का मकसद नॉर्थ-ईस्ट में आधुनिक खेल सुविधाओं की जरूरत को पूरा करना और भारत के हाई-परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स प्रोग्राम में क्षेत्र के योगदान को मजबूत करना भी है।

यह पहल केंद्रीय और राज्य खेल प्राधिकरणों को एक साथ लाती है, जिसका उद्देश्य एथलीट्स के विकास और उत्कृष्टता पर केंद्रित एक टिकाऊ खेल इकोसिस्टम बनाना है। ओलंपिक-साइज पूल और प्रस्तावित एनसीओई ढांचे की उपलब्धता के साथ, अमीनगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के नॉर्थ-ईस्ट में तैराकी के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रेनिंग हब के रूप में उभरने की उम्मीद है। इस समझौते को इलाके की खेल से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देने वाले कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उम्मीद है कि इससे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग करने, मुकाबलों में हिस्सा लेने और सबसे ऊंचे स्तर पर अपना खेल करियर बनाने के बेहतर मौके मिलेंगे।

सीपीएम ने तमिलनाडु सरकार से सांबा धान के लिए पूर्ण जल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा

विश्व केसरी

चेन्नई। सीपीआई (एम) के तमिलनाडु राज्य सचिव पी. शनमुगम ने शनिवार को राज्य सरकार से आग्रह किया कि कावेरी डेल्टा क्षेत्र के किसानों को सांबा धान की खेती करने में सक्षम बनाने के लिए मेट्टूर बांध से कम से कम 120 से 150 दिनों तक पानी छोड़ा जाए।

चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए शनमुगम ने कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा मेट्टूर जलाशय से पानी छोड़े जाने की घोषणा से किसानों को कुछ राहत मिली है। हालांकि, जल संसाधन मंत्री के इस बयान से कि पानी केवल 45 दिनों तक ही छोड़ा जाएगा, किसानों में भ्रम और चिंता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि केवल 45

दिनों के लिए उपलब्ध पानी से धान की फसल सफलतापूर्वक नहीं उगाई जा सकती। सांबा धान की खेती के लिए 120 से 150 दिनों तक पानी की सुनिश्चित आपूर्ति आवश्यक है। चूंकि मेट्टूर बांध में जलस्तर 90 फीट तक पहुंचने की उम्मीद है, इसलिए सरकार को पूरे सांबा धान के मौसम को पूरा करने के लिए उचित उपाय करने चाहिए। शनमुगम ने कर्नाटक सरकार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार हर महीने तमिलनाडु को कावेरी नदी के पानी का उसका उचित हिस्सा जारी करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार अतिरिक्त पानी तभी छोड़ती है जब उसके जलाशय भर जाते हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार को सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर केंद्र सरकार पर दबाव डालना चाहिए ताकि राज्य को कावेरी नदी के पानी में उसका उचित हिस्सा मिल सके। परंदूर हवाई अड्डे परियोजना और होसुर में प्रस्तावित हवाई अड्डे के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए शनमुगम ने कहा कि तीन फसलों की पैदावार देने में सक्षम उपजाऊ कृषि भूमि को अवसंरचना परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित नहीं किया जाना चाहिए।

भारत के विकास के लिए सुशासन अत्यंत महत्वपूर्ण : केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के विकास के लिए सुशासन बहुत जरूरी है। उन्होंने देश के विकास में कंपनी सचिवों के ज्यादा योगदान की बात कही।

मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, 'इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया' (आईसीएसआई) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत में उन्होंने कहाकि कॉर्पोरेट और आर्थिक इकोसिस्टम में गवर्नेंस के तरीकों को मजबूत करने में उनकी पेशेवर विशेषज्ञता अहम भूमिका निभा सकती है।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नैतिक उद्यमिता और सुशासन की मजबूत संस्कृति बनाने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईसीएसआई जैसे पेशेवर संस्थानों की गवर्नेंस मानकों को बढ़ावा देने और संस्थागत उत्कृष्टता में योगदान देने वाले तरीकों को आसान बनाने में अहम भूमिका है।

मंत्री ने पंचायत गवर्नेंस और स्थानीय निकाय गवर्नेंस से जुड़ी आईसीएसआई की पहलों का जिक्र किया और कई भाषाओं में मैनुअल और ट्रेनिंग मटीरियल तैयार करने के संस्थान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संस्थागत प्रक्रियाओं के डिजिटलाइजेशन की दिशा में आईसीएसआई के प्रयासों की भी तारीफ़ की, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग और चुनावों के लिए वरीयता-आधारित वोटिंग सिस्टम को अपनाना शामिल है।

जितेंद्र सिंह ने अच्छे कॉर्पोरेट गवर्नेंस और पेशेवर उत्कृष्टता के महत्व पर प्रकाश डाला और भारत के गवर्नेंस इकोसिस्टम में कंपनी सचिवों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार गवर्नेंस, नैतिक तौर-तरीकों और संस्थागत जवाबदेही को बढ़ावा देने में कॉर्पोरेट सेक्टर के पेशेवरों की अहम भूमिका है। मंत्री ने बदलती जरूरतों के अनुसार अपने मानकों और तौर-तरीकों को लगातार बेहतर बनाने में पेशेवर निकायों की भूमिका की सराहना की। मंत्री ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता दिखाने वाले संगठनों और व्यक्तियों को पहचानने और प्रोत्साहित करने के महत्व पर भी जोर दिया। इस संवाद में आईसीएसआई की पेशेवर मानकों, सेक्रेटेरियल मानकों, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता को हकीकत में बदलने के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से जुड़ी पहलों पर भी चर्चा हुई।

बंगाल बेसिन में ओएनजीसी पहली व्यावसायिक खोज उत्पादन के करीब पहुंची : हरदीप पुरी

विश्व केसरी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के अशोकनगर क्षेत्र में ओएनजीसी की पहली व्यावसायिक हाइड्रोकार्बन खोज अब उत्पादन और व्यावसायिक दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए पोस्ट में केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि 30 मई 2026 को विकास कुएं एएस-1जेड की ड्रिलिंग शुरू होने के तीन महीने से भी कम समय में ओएनजीसी ने इस क्षेत्र से हल्के और उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे तेल के प्रवाह की क्षमता सफलतापूर्वक स्थापित कर दी है।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में चल रही अभूतपूर्व यात्रा के तहत बंगाल बेसिन के अशोकनगर में

ओएनजीसी की पहली व्यावसायिक हाइड्रोकार्बन खोज अब व्यावसायीकरण के एक निर्णायक चरण के करीब पहुंच गई है।' पुरी ने बताया कि अशोकनगर क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल की पहली खेप को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की हल्दिया रिफाइनरी भेजे जाने के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर अशोकनगर के विधायक डॉ. सुमय हीरा और ओएनजीसी के अन्वेषण निदेशक भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, यह उपलब्धि लंबे समय से चल रहे अन्वेषण कार्यों और निरंतर प्रयासों को वास्तविक उत्पादन क्षमता में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। इससे पश्चिम बंगाल का नाम भारत के हाइड्रोकार्बन मानचित्र पर और अधिक मजबूती से दर्ज होगा। उन्होंने कहा कि अशोकनगर की यह खोज न केवल पश्चिम बंगाल के ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे पूरे बंगाल बेसिन में तेल और गैस की खोज तथा उत्पादन गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

भारत वर्तमान में अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल और गैस से पूरा करता है। ऐसे में अशोकनगर जैसी घरेलू खोजें देश की आयात निर्भरता कम करने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

पुरी ने यह भी कहा कि यह उपलब्धि पश्चिम बंगाल में ऊर्जा क्षेत्र की बढ़ती संभावनाओं को दर्शाती है। उन्होंने राज्य में हाइड्रोकार्बन संसाधनों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में और निवेश तथा अन्वेषण गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

सीबीजी कीमत बढ़ोतरी से सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा बड़ा बोझ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को उन आशंकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि गोबरधन योजना के तहत संपीड़ित जैव गैस (सीबीजी) की संशोधित खरीद कीमत से सीएनजी और घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपभोक्ताओं पर बड़ा अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ सकता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस तरह के आकलन असंगत मान्यताओं पर आधारित हैं और वास्तविक प्रभाव काफी सीमित रहेगा।

मंत्रालय ने बताया कि मौजूदा मूल्य निर्धारण व्यवस्था के तहत सीबीजी उत्पादकों को दिया जाने वाला भुगतान सीएनजी के खुदरा बिक्री मूल्य के 85 प्रतिशत से जुड़ा हुआ है। नवीनतम व्यवस्था के अनुसार यह मूल्य लगभग 1,478 रुपए प्रति एमएमबीटीयू बैठता है।

संशोधित गोबरधन ढांचे के तहत सीबीजी की खरीद कीमत 2,110 रुपए प्रति एमएमबीटीयू निर्धारित की गई है। यह मौजूदा कीमत की तुलना में लगभग 43 प्रतिशत अधिक है। हालांकि मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि यह कीमत केवल उत्पादकों को दी जाने वाली खरीद कीमत है और यही राशि सीधे सीएनजी या घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं से नहीं वसूली जाती।

सरकार ने यह भी घोषणा की है कि सीबीजी को बढ़ावा देने के लिए 10 रुपए प्रति किलोग्राम की वहनीयता सहायता प्रदान की जाएगी। 95 प्रतिशत मीथेन युक्त सीबीजी के लिए यह सहायता लगभग 215 रुपए प्रति एमएमबीटीयू के बराबर होगी। यह राशि सरकार खुद वहन करेगी, जिससे उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला अतिरिक्त भार कम हो जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, सरकारी सहायता को समायोजित करने के बाद गैस उपभोक्ताओं के माध्यम से वसूली जाने वाली प्रभावी सीबीजी लागत लगभग 1,895 रुपए प्रति एमएमबीटीयू होगी। यह मौजूदा 1,478 रुपए प्रति एमएमबीटीयू की प्रभावी लागत की तुलना में लगभग 28 प्रतिशत अधिक है। यानी वास्तविक वृद्धि, खरीद मूल्य में दिख रही 43 प्रतिशत बढ़ोतरी से काफी कम है। सरकार ने आगे स्पष्ट किया कि सीबीजी को सीधे उसकी खरीद कीमत पर सिटी गैस वितरण (सीजीडी) कंपनियों को नहीं बेचा जाता। इसके बजाय इसे अन्य घरेलू प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर एक साझा गैस पूल में शामिल किया जाता है और लागत का वितरण पूरे घरेलू गैस पूल में किया जाता है। मंत्रालय ने बताया कि पुरानी व्यवस्था में सीबीजी की लागत केवल प्रशासित मूल्य तंत्र (एपीएम) के तहत आवंटित सीमित गैस मात्रा पर वितरित होती थी।

सरकार ने शुरू की केंद्रीय बजट 2027-28 की तैयारियां पूर्व-बजट बैठकें 12 अक्टूबर 2026 से होंगी शुरू

विश्व केसरी

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2027-28 के केंद्रीय बजट की तैयारियां औपचारिक रूप से शुरू कर दी हैं। वित्त मंत्रालय ने बजट प्रक्रिया के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और समयसीमा तय करते हुए बजट परिपत्र (बजट सर्कुलर) जारी कर दिया है। इसके साथ ही विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अपने व्यय अनुमान और योजनागत आवश्यकताओं का विस्तृत ब्यौरा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि पूर्व-बजट परामर्श बैठकें 12 अक्टूबर 2026 से शुरू होंगी। इसके लिए मंत्रालयों और विभागों को आवश्यक आंकड़े और प्रस्ताव 6 अक्टूबर 2026 तक जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बजट परिपत्र के अनुसार, मंत्रालयों और विभागों को वित्त वर्ष 2026-27 के संशोधित अनुमान और

वित्त वर्ष 2027-28 के बजट अनुमान तैयार करने होंगे। इसके लिए सभी विभागों से विस्तृत व्यय प्रस्ताव और वित्तीय जरूरतों का आकलन मांगा गया है, ताकि आगामी बजट को लेकर होने वाली पूर्व-बजट चर्चाओं में इनका उपयोग किया जा सके। इन बैठकों में विभिन्न मंत्रालयों की वित्तीय जरूरतों, चल रही परियोजनाओं और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विचार किया जाएगा, जिसके आधार पर आगामी बजट का ढांचा तैयार किया जाएगा। सरकार का आगामी बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' विजन के अनुरूप तैयार होने की संभावना है। बजट परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि मंत्रालयों द्वारा भेजे जाने वाले व्यय प्रस्ताव सरकार की स्वीकृत प्राथमिकताओं और वास्तविक वित्तीय आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए। सरकार का लक्ष्य ऐसे व्यय प्रस्तावों को प्राथमिकता देना है जो देश के दीर्घकालिक आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार, रोजगार सृजन, डिजिटल परिवर्तन और सामाजिक विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हों।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने मंत्रालयों और विभागों को निर्देश दिया है कि वे बजट अनुमान तैयार करते समय यथासंभव सटीक और यथार्थवादी वित्तीय आकलन प्रस्तुत करें। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि वित्तीय वर्ष के दौरान अतिरिक्त संसाधनों की मांग को न्यूनतम रखने का प्रयास किया जाना चाहिए। इससे सार्वजनिक वित्त प्रबंधन को अधिक प्रभावी और अनुशासित बनाए रखने में मदद मिलेगी। बजट परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केवल उन्हीं योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए बजटीय प्रावधान प्रस्तावित किए जाएं, जिन्हें सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी प्राप्त हो।

बाजार की पाठशाला: इन लोगों के लिए 31 अगस्त है आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन, जानिए किसके लिए कौन-सा फॉर्म होगा सही

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अगर आप नौकरी के साथ कारोबार, पेशे या स्वतंत्र रूप से काम करके कमाई करते हैं, तो आपके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख नजदीक आ गई है। बिना कर ऑडिट वाली कारोबारी या पेशेवर आय रखने वाले करदाताओं को 31 अगस्त 2026 तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल करना होगा। वहीं, जिन कारोबारियों और पेशेवरों के खातों का कर ऑडिट जरूरी है, उनके लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2026 है। ऐसे करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले यह समझना जरूरी है कि उनकी आय और वित्तीय स्थिति के आधार पर कौन-सा रिटर्न फॉर्म लागू होगा।

आयकर विभाग के अनुसार, 31 जुलाई की अंतिम तारीख तक 6.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके थे, जिनमें वेतनभोगी लोगों, पेंशनभोगियों, छात्रों की आय वाले करदाताओं और अलग-अलग स्रोतों से आय प्राप्त करने वाले लोगों के रिटर्न शामिल हैं। इनमें कारोबार (बिजनेस) और पेशे (प्रोफेशन) से आय वाले बड़ी संख्या में करदाता भी शामिल रहे। अब बिना कर ऑडिट वाले कारोबार या पेशे से आय रखने वाले बाकी करदाताओं के लिए 31 अगस्त की तारीख महत्वपूर्ण है। बिजनेस या प्रोफेशन से आय होने पर आम तौर पर आईटीआर-

3 या आईटीआर-4 में से किसी एक फॉर्म का इस्तेमाल किया जाता है। सही फॉर्म का चुनाव करदाता की आय, कारोबार की प्रकृति और कर व्यवस्था पर निर्भर करता है। गलत फॉर्म में रिटर्न दाखिल करने से बाद में कर विभाग की ओर से परेशानी या स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है।

आईटीआर-3 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) के लिए होता है, जिनकी आय बिजनेस या प्रोफेशन से होती है और जो प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन यानी अनुमानित कर व्यवस्था का विकल्प नहीं चुनते हैं। अगर टैक्सपेयर नियमित रूप से अकाउंट बुक्स मेंटेन करता है, उसकी कुल आय 50 लाख रुपये से अधिक है या वह फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस यानी एफएंडओ ट्रेडिंग करता है, तो कई मामलों में आईटीआर-3 लागू हो सकता है।

आईटीआर-3 के जरिए वे टैक्सपेयर्स वेतन या पेंशन, हाउस प्रॉपर्टी, बिजनेस या प्रोफेशन, कैपिटल गेन्स और अन्य स्रोतों से होने वाली आय की जानकारी दे सकते हैं। आम तौर पर यह फॉर्म उन व्यक्तियों या एचयूएफ के लिए इस्तेमाल होता है, जो आईटीआर-1, आईटीआर-2 या आईटीआर-4 के तहत रिटर्न दाखिल करने के योग्य नहीं हैं। वहीं, आईटीआर-4 यानी सुगम उन व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म के लिए है, जो प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन स्कीम के तहत बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम घोषित करते हैं और जिनकी कुल आय निर्धारित सीमा के भीतर है। सामान्य तौर पर इसमें 50 लाख रूपये तक की कुल आय वाले पात्र टैक्सपेयर्स शामिल हो सकते हैं। इसमें बिजनेस या प्रोफेशन से होने वाली आय के अलावा वेतन या पेंशन, अधिकतम दो हाउस प्रॉपर्टी से आय और ब्याज, फैमिली पेंशन तथा डिविडेंड जैसी अन्य स्त्रोतों से आय भी शामिल की जा सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी, नई दरें आज से लागू

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है। संशोधित दरें शनिवार सुबह 6 बजे से प्रभावी हो गई हैं। यह वृद्धि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रमुख शहरी गैस वितरक इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा घोषित की गई है।

हालिया बढ़ोतरी के बाद, दिल्ली में सीएनजी की कीमत 83.09 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86.98 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। संशोधित दरें नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम सहित कई पड़ोसी शहरों में भी लागू होंगी।

नोएडा और गाजियाबाद में अब सीएनजी की कीमत 95.59 रुपये प्रति किलोग्राम होगी, जबकि गुरुग्राम में नई कीमत 92.01 रुपये

प्रति किलोग्राम तय की गई है।

इस नवीनतम वृद्धि से सीएनजी पर अत्यधिक निर्भर वाहन चालकों और वाणिज्यिक वाहन संचालकों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका है। ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, ऐप-आधारित कैब सेवाएं और अन्य वाणिज्यिक परिवहन संचालकों को इस संशोधन के बाद ईंधन पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। सीएनजी का उपयोग करने वाले निजी कार मालिकों को भी ईंधन पर अधिक खर्च करना पड़ेगा। हाल के महीनों में सीएनजी की कीमतों में लगातार वृद्धि के बाद यह ताजा बढ़ोतरी हुई है। मई 2026 में, आईजीएल ने दिल्ली में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की एक और वृद्धि की घोषणा की थी। यह संशोधन 26 मई से लागू होने वाली 1 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि के कुछ ही दिनों बाद किया गया था, क्योंकि सीएनजी की कीमतें लगातार बढ़ रही थीं। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस वितरण कंपनी आईजीएल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतें 'काफी अधिक' बनी हुई हैं और बढ़ती लागत का असर तेजी से महसूस किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि आवश्यक थी ताकि इनपुट गैस की लागत में वृद्धि की आंशिक रूप से भरपाई की जा सके और उपभोक्ताओं को सीएनजी की निरंतर और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

महाराष्ट्र में दूध हुआ महंगा, 9 रुपये प्रति लीटर बढ़े दाम

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है। 1 सितंबर से लेकर 28 फरवरी तक बढ़े हुए रेट पर दूध बेचा जाएगा। राज्य में पहले 93 रुपये लीटर दूध बिक रहा था अब यह बढ़कर 102 रुपये पर पहुंच गया है।

महाराष्ट्र में दूध की कीमत में भारी बढ़ोतरी की गई है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमत 93 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 102 रुपये प्रति लीटर कर दी है। यह नई दर 1 सितंबर, 2026 से 28 फरवरी, 2027 तक प्रभावी रहेगी। दूध के दामों में लगभग 9 रुपये लीटर की बढ़ोतरी की गई है।

बढ़े हुए दामों से आम आदमी की जेब पर भारी खर्च बढ़ने जा रहा है। मुंबई मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने जानवरों के चारे और जानवरों की बढ़ती कीमतों की वजह से यह फैसला लिया है। दूध की बढ़ती प्रोडक्शन कॉस्ट को देखते हुए कीमतों में यह बढ़ोतरी

कर दी गई है। मुंबई मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नई कीमतें 1 सितंबर 2026 से लागू कर दी जाएंगी। वहीं यह रेट 28 फरवरी 2027 तक रहेंगे। मुंबई मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने इस फैसले को जोगेश्वरी में हुई मीटिंग के बाद लिया है।

मीटिंग में बताया गया कि डेयरी जानवरों की बढ़ती कीमत, उनका चारा चन्ना चुन्नी, अनाज की कीमतों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है। दूध प्रोड्यूसर्स को चारे और खली की कीमत बढ़ने से भारी बोझ झेलना पड़ रहा है। मुंबई मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने दूध के दामों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। पहले दूध की कीमत 93 रुपये प्रति लीटर थी जो 9 रुपये बढ़कर अब 102 रुपये पर पहुंच गई है। मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन का कहना है कि यह फैसला दूध प्रोड्यूस करने वाले प्रोड्यूसर्स को बढ़ती कॉस्ट से राहत देने के लिए लिया गया है।

बता दें कि मई 2026 से लेकर अगस्त 2026 तक दूध के दाम कई बार बढ़ चुके हैं। फिलहाल आम आदमी की जेब पर भारी खर्च पड़ेगा और इससे अभी कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दूध के दाम बढ़ाने का फैसला सिर्फ दूध प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन का है।

फियाज उल मुस्तफा उत्तर प्रदेश के रामपुर से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली से पीजी टीवी जर्नलिज्म किया है, जबकि रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली से राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। फियाज उल मुस्तफा को राजनीतिक और एंटरटेनमेंट बीट्स पर काम करने का अनुभव है। वर्तमान में वे एबीपी न्यूज की डिजिटल टीम का हिस्सा हैं, जहां वे देश के विभिन्न राज्यों से जुड़ी अपराध और राजनीतिक खबरें लिखते और एडिट करते हैं। इस दौरान उन्हें रिपोर्टिंग, कॉपी एडिटिंग और न्यूजरूम ऑपरेशन्स का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो रहा है।

क्या पपीते के पत्ते से सच में बढ़ते हैं प्लेटलेट्स? जानें डेंगू डाइट से जुड़े मिथ और सही न्यूट्रिशन गाइड

डेंगू सीजन में प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए पपीते के पत्ते का रस, कीवी और बकरी के दूध जैसे नुस्खों की सच्चाई जानें। असल में कोई भी खाना रातों-रात प्लेटलेट्स नहीं बढ़ा सकता; प्लेटलेट्स संक्रमण ठीक होने के साथ अपने आप बढ़ते हैं. सही डाइट का काम शरीर को हाइड्रेटेड रखना और ताकत देना है. जानें डेंगू रिकवरी के लिए जरूरी न्यूट्रिशन, क्या खाएं, किन चीजों से बचें और कब तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

डेंगू सीजन आते ही हर घर और इंटरनेट पर एक ही सवाल सबसे ज्यादा गूंजने लगता है 'ऐसा क्या खाएं जिससे प्लेटलेट्स रातों-रात बढ़ जाएं?' कोई पपीते के पत्तों का रस पीने की सलाह देता है, तो कोई कीवी और बकरी का दूध ढूंढने में लग जाता है. लेकिन क्या सच में कोई सुपरफूड प्लेटलेट्स को जादू की तरह बढ़ा सकता है? आइए आसान भाषा में समझते हैं डेंगू डाइट से जुड़ी 5 सबसे बड़ी सच्चाइयां और घरेलू नुस्खों का साइंटिफिक सच.

सबसे बड़ा सच: कोई भी खाना रातों-रात प्लेटलेट्स नहीं बढ़ा सकता

दुनिया में ऐसा कोई भी फल या जूस नहीं है जो रातों-रात प्लेटलेट्स को नाटकीय रूप से बढ़ा दे. डेंगू में प्लेटलेट्स का गिरना वायरस के प्रभाव के कारण होता है. जैसे-जैसे संक्रमण खत्म होता है और शरीर की बोन मैरो (अस्थि मज्जा) सामान्य स्थिति में लौटती है, प्लेटलेट्स अपने आप ठीक होने लगते हैं. सही खान-पान का असली काम शरीर को हाइड्रेटेड और पोषित रखना है ताकि रिकवरी तेजी से हो सके.

तरल पदार्थ (Fluids): पानी और ORS घोल सबसे जरूरी हैं. नारियल पानी, छाछ, साफ़ सूप और ताज़ा फलों के रस (जैसे अनार व आंवला) शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी नहीं होने देते.

विटामिन ष्ट और आयरन: नींबू, आंवला, अमरूद, पालक और चुकंदर इम्युनिटी मजबूत करने और खून में पोषक तत्व बढ़ाने में मदद करते हैं.

प्रोटीन और हल्के कार्ब्स: दालें, उबला अंडा, खिचड़ी, दलिया और चावल पचने में आसान होते हैं और शरीर की खोई हुई ताकत वापस लाते हैं.

पपीते के पत्ते, कीवी और बकरी के दूध के दावों में कितनी सच्चाई है?

पपीते के पत्ते का रस: विवेकानंद अस्पताल, हैदराबाद के डॉक्टर के अनुसार भारत में यह सबसे पॉपुलर नुस्खा है. कुछ छोटे अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्लेटलेट्स की रिकवरी की गति को थोड़ा सहारा दे सकता है, लेकिन यह डेंगू का इलाज या कोई जादुई दवाई बिल्कुल नहीं है. इसे केवल एक सपोर्टिव विकल्प की तरह देखें.

कीवी और बकरी का दूध: ये फल व दूध शरीर को न्यूट्रिशन और एनर्जी तो देते हैं, लेकिन इनमें सीधे तौर पर प्लेटलेट्स बढ़ाने का कोई चमत्कारी मेडिकल प्रमाण नहीं है.

डेंगू के मरीज भूलकर भी न खाएं ये चीजें-

-बीमारी के दौरान पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है. ऐसे में कुछ चीजें स्थिति को और बिगाड़ सकती हैं:

-अधिक तेल-मसाले वाला और तला-भुना खाना.

-कैफीन वाले पेय जैसे चाय, कॉफी और कोला ये शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन बढ़ाते हैं।

बारिश में पकौड़े छोड़ बनाएं क्रिस्पी कॉर्न कचौड़ी, भुट्टे की मसालेदार फिलिंग से मिलेगा चटपटा स्वाद, जानिए आसान रेसिपी

बारिश की शाम में चाय के साथ कुछ नया खाना चाहते हैं तो क्रिस्पी कॉर्न कचौड़ी बना सकते हैं. इसकी बाहरी परत मैदा और घी से तैयार होती है, जबकि अंदर मसालेदार भुट्टे की फिलिंग भरी जाती है. कॉर्न को दरदरा पीसकर बेसन, हरी मिर्च, अदरक और रोजमर्रा के मसालों के साथ भूनने से स्वाद बढ़ जाता है. कचौड़ी को फटने से बचाने के लिए फिलिंग की नमी अच्छी तरह सुखाना जरूरी है. इसे धीमी से मध्यम आंच पर तलने से बाहरी परत सुनहरी और कुरकुरी बनती है. गरमागरम कॉर्न कचौड़ी को हरी चटनी, इमली की चटनी और अदरक वाली चाय के साथ सर्व कर सकते हैं.

बारिश शुरू होते ही शाम की चाय के साथ कुछ गरमागरम और कुरकुरा खाने का मन अपने आप होने लगता है. ऐसे में अगर पकौड़े और आलू की कचौड़ी से हटकर कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो इस बार भुट्टे से बनने वाली क्रिस्पी कॉर्न कचौड़ी जरूर बनाकर देखें. बाहर से सुनहरी और कुरकुरी, जबकि अंदर से मसालेदार कॉर्न की भरावन इसका स्वाद खास बना देती है. भुट्टा बारिश के मौसम में लगभग हर जगह आसानी से मिल जाता है. आमतौर पर इसे भूनकर, उबालकर या मसाला लगाकर खाया जाता है, लेकिन इससे बनी कचौड़ी शाम के नाश्ते का मजा बदल सकती है.

खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए किसी खास सामग्री की जरूरत नहीं पड़ती. घर में रखे मैदा, बेसन और रोजमर्रा के मसालों से इसकी स्वादिष्ट फिलिंग तैयार हो जाती है. बस थोड़ी सी सावधानी रखें कि भरावन में नमी न रहे, वरना कचौड़ी तलते समय फट सकती है.

भुट्टे की कचौड़ी के लिए सामग्री

बाहरी परत के लिए

कचौड़ी की बाहरी परत बनाने के लिए 2 कप मैदा, 2 से 3 बड़े चम्मच देसी घी और स्वादानुसार नमक लें. आटा गूंथने के लिए जरूरत के हिसाब से पानी रखें. घी का सही मोयन कचौड़ी को कुरकुरा बनाने में अहम भूमिका निभाता है.

कॉर्न की मसालेदार फिलिंग

भरावन के लिए करीब डेढ़ कप भुट्टे के दाने, 2 बड़े चम्मच बेसन, 1 से 2 हरी मिर्च, अदरक का छोटा टुकड़ा, 1 छोटा चम्मच जीरा, एक चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चौथाई छोटा चम्मच हल्दी, आधा छोटा चम्मच अमचूर और स्वादानुसार नमक लें. कचौड़ी तलने के लिए तेल भी तैयार रखें.

कैसे बनाएं क्रिस्पी कॉर्न कचौड़ी?

सबसे पहले भुट्टे के दाने अलग कर लें. इन्हें हरी मिर्च और अदरक के साथ मिक्सर में दरदरा पीसें. यहां एक छोटी सी गलती स्वाद बिगाड़ सकती है, इसलिए कॉर्न को बिल्कुल पेस्ट जैसा न पीसें. हल्के दरदरे दाने कचौड़ी की फिलिंग को अच्छा टेक्सचर देते हैं. अब कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें. इसमें जीरा और हींग डालकर तड़का लगाएं. इसके बाद पिसा हुआ कॉर्न डालकर मध्यम आंच पर भूनें।

रोटी बेलने में तो हैं माहिर, लेकिन तवे पर जाते ही नहीं फूलती? इन आसान टिप्स से बनेगी फूली रोटी

रोटी भारतीय थाली का अहम हिस्सा है, लेकिन कई बार सही तरीके से बेलने के बावजूद रोटी तवे पर फूल नहीं पाती और सख्त हो जाती है. अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. आटा गूंथने से लेकर उसे सेट करने, रोटी बेलने और तवा गर्म करने तक कुछ आसान बातों का ध्यान रखकर आप हर बार नरम, मुलायम और फूली-फूली रोटी बना सकते हैं.

भारतीय रसोई में रोटी का खास महत्व है, सुबह का नाश्ता हो या रात का खाना, ज्यादातर घरों में रोटी खाने की थाली का जरूरी हिस्सा होती है. कई बार लोग रोटी तो अच्छी तरह बेल लेते हैं, लेकिन सेंकने के बाद वह फूल नहीं पाती. इससे रोटी थोड़ी सख्त भी हो जाती है, अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो कुछ आसान बातों का ध्यान रखकर आप हर बार नरम और फूली हुई रोटी बना सकते हैं.

भारतीय रसोई में रोटी का खास महत्व है, सुबह का नाश्ता हो या रात का खाना, ज्यादातर घरों में रोटी खाने की थाली का जरूरी हिस्सा होती है. कई बार लोग रोटी तो अच्छी तरह बेल लेते हैं, लेकिन सेंकने के बाद वह फूल नहीं पाती. इससे रोटी थोड़ी सख्त भी हो जाती है, अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो कुछ आसान बातों का ध्यान रखकर आप हर बार नरम और फूली हुई रोटी बना सकते हैं.

आटा गूंथने के बाद तुरंत रोटी बनाने के बजाय उसे करीब 20 से 30 मिनट तक ढककर रख दें. इससे आटा अच्छी तरह सेट हो जाता है और रोटी बेलने में आसानी होती है, इससे रोटी भी नरम बनती है।

दवाओं के अलावा भी है उपाय, खांसी में राहत दे सकता है यह योगाभ्यास

खांसी मौसम बदलने पर होने वाली बहुत ही कॉमन हेल्थ प्रॉब्लम है. हालांकि कुछ दिनों में अपने आप खांसी ठीक हो जाती है, लेकिन यदि आप इससे लंबे समय से परेशान हैं, और सभी घरेलू उपायों को करके थक गए हैं, तो अलोम-विलोम करना काफी मददगार साबित हो सकते हैं.

मौसम में बदलाव के साथ सर्दी, खांसी और वायरल इंफेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ना आम बात है. ऐसे समय में लोग अक्सर दवाओं और घरेलू नुस्खों का सहारा लेते हैं. हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ सरल योग और प्राणायाम तकनीकें भी शरीर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभा सकती हैं. इन्हीं में से एक है अनुलोम-विलोम प्राणायाम. यह केवल श्वसन तंत्र को बेहतर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है.

आज की व्यस्त जीवनशैली में तनाव, चिंता और एकाग्रता की कमी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं. ऐसे में नियमित रूप से कुछ मिनट अनुलोम-विलोम का अभ्यास करने से शरीर और मन दोनों को लाभ मिल सकता है. आयुष मंत्रालय भी समय-समय पर लोगों को योग और प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देता है. खासकर बदलते मौसम में यह अभ्यास स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का एक आसान और प्राकृतिक तरीका हो सकता है.

अनुलोम-विलोम प्राणायाम के फायदे

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अनुलोम-विलोम प्राणायाम श्वसन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है. नियमित अभ्यास से सांस लेने की प्रक्रिया संतुलित होती है, जिससे खांसी और सांस से जुड़ी कुछ सामान्य परेशानियों में राहत मिल सकती है. इस दौरान धीरे-धीरे और गहरी सांस लेना महत्वपूर्ण माना जाता है.

अनुलोम-विलोम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह मन को शांत करने में मदद कर सकता है. नियमित अभ्यास से मानसिक तनाव कम हो सकता है और चिंता की भावना पर नियंत्रण पाने में सहायता मिल सकती है. इसके साथ ही यह एकाग्रता बढ़ाने और मानसिक ऊर्जा को बेहतर बनाने में भी उपयोगी माना जाता है.

कैसे करें अनुलोम-विलोम?

इस प्राणायाम को करने के लिए आरामदायक स्थिति में बैठें. एक नथुने को बंद करके दूसरे नथुने से धीरे-धीरे सांस लें. फिर दूसरे नथुने से सांस छोड़ें और यही प्रक्रिया बारी-बारी से दोहराएं. अभ्यास के दौरान सांसों की गति धीमी और नियंत्रित रखने की कोशिश करें.

इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

आयुष मंत्रालय ने यह भी सलाह दी है कि मौसम बदलने पर स्वास्थ्य संबंधी गंभीर संकेतों को हल्के में नहीं लेना चाहिए. यदि तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई, लगातार उल्टी, अत्यधिक कमजोरी या शरीर में पानी की कमी जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

स्वस्थ जीवनशैली भी है जरूरी

मंत्रालय के अनुसार, केवल योग ही नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

अपनी वैल्यूज़ के साथ रिश्ता चुनने का नया दौर, क्यों पॉपुलर हो रहा है यह माइंडसेट?

डेटिंग ऐप्स पर लगातार नए लोगों की प्रोफाइल देखना और स्वाइप करना अब कई लोगों को थका रहा है. ऐसे में रिश्तों को लेकर एक नई सोच सामने आ रही है, जिसमें सिर्फ आकर्षण या ज्यादा विकल्पों के बजाय सोच, पसंद, जीवन-मूल्य और भविष्य की प्राथमिकताओं को महत्व दिया जा रहा है. इसी सोच को Intentional Love कहा जा रहा है. जानिए क्या है यह नया रिलेशनशिप ट्रेंड, क्यों युवा अब साफ इरादे और बेहतर जुड़ाव को प्राथमिकता दे रहे हैं और क्या यह सोच सिर्फ डेटिंग ऐप्स तक सीमित है या आम रिश्तों में भी इसकी जगह बन रही है.

एक समय था जब प्यार में सामने वाले को पसंद करना, अच्छी बातचीत और थोड़ी-सी केमिस्ट्री ही काफी मानी जाती थी. लेकिन आज रिश्तों को लेकर लोगों की सोच बदल रही है. खासकर युवा अब सिर्फ इस आधार पर रिश्ता आगे नहीं बढ़ाना चाहते कि सामने वाला उन्हें पसंद है. वे यह भी समझना चाहते हैं कि क्या दोनों की सोच, प्राथमिकताएं और भविष्य को लेकर नजरिया एक-दूसरे से मेल खाता है. इसी बदलती सोच को इंटेंशनल लव कहा जा रहा है. आसान भाषा में इसका मतलब है- सोच-समझकर, अपनी जरूरतों और मूल्यों को ध्यान में रखकर रिश्ता चुनना और उसे ईमानदारी से आगे बढ़ाना.

क्या है इंटेंशनल लव ?

इंटेंशनल लव सिर्फ डेटिंग ऐप पर किसी प्रोफाइल को सोच-समझकर चुनने तक सीमित नहीं है. इसका मतलब है कि व्यक्ति रिश्ते में अपनी प्राथमिकताओं को समझे और सामने वाले से भी अपनी उम्मीदों को लेकर साफ रहे. मसलन, कोई गंभीर रिश्ता चाहता है ।

सहारनपुर के बादशाही बाग में घूमने की वो 5 जगहें, जहां मुफ्त में कर सकते हैं सैर, दूर-दूर से आते हैं पर्यटक

सहारनपुर के कई क्षेत्र घूमने, पिकनिक मनाने के लिए काफी फेमस हैं. लेकिन आज हम जिस क्षेत्र की बात करने जा रहे हैं वह सहारनपुर का सबसे खूबसूरत कहा जाने वाला क्षेत्र है, जिसका नाम है बादशाह बाग. यहां पर घूमने, पिकनिक बनाने और प्रकृति का आनंद उठाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं.

सहारनपुर के कई क्षेत्र घूमने, पिकनिक मनाने के लिए काफी फेमस हैं. लेकिन आज हम जिस क्षेत्र की बात करने जा रहे हैं वह सहारनपुर का सबसे खूबसूरत कहा जाने वाला क्षेत्र है, जिसका नाम है बादशाह बाग. यहां पर घूमने, पिकनिक बनाने और प्रकृति का आनंद उठाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं. चलिए आज हम आपको दिखाते हैं यहां पर आपको क्या कुछ मिलने वाला है वह भी पूरे तरीके से निशुल्क.

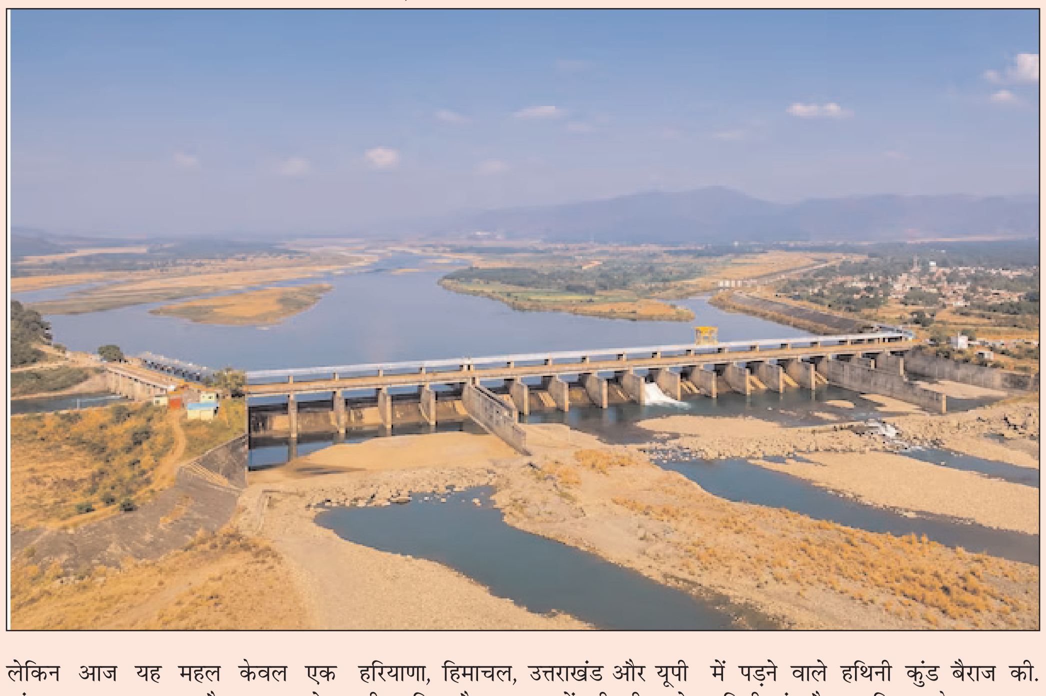

सबसे पहले बात आती है बादशाही बाग क्षेत्र में बादशाही महल की, जिसके नाम पर इस क्षेत्र का नाम पड़ा है. बताया जाता है कि इस महल को शाहजहां ने अपनी बेगम के लिए बनवाया था और साथ ही वह यहां पर शिकार करने के बाद आराम भी फरमाया करते थे, इसलिए इसको शिकार गाह भी कहा जाता है. लेकिन आज यह महल केवल एक खंडहर बनकर रह गया है. अक्सर लोग यहां पर पिकनिक मनाने जरूर आते हैं.

बादशाही बाग क्षेत्र में बना यह सैकड़ो साल पुराना महल जो खंडहर में तब्दील हो चुका है और इसके चारों ओर चार राज्यों की सीमा लगती है. इसमें हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड और यूपी भी शामिल है. चार राज्यों की सीमा से घिरा यह खूबसूरत स्थान अक्षर पर्यटकों के लिए बेहतर स्थान में से एक है. यहां पर आपको पहाड़ों की खूबसूरती, नदी की ठंडक और शांति का एहसास होता है.

अब बात आती है बादशाही बाग क्षेत्र में पड़ने वाले हथिनी कुंड बैराज की. हथिनी कुंड बैराज हरियाणा के यमुनानगर और यूपी के सहारनपुर जिले में यमुना नदी पर स्थित एक बेहद महत्वपूर्ण कंक्रीट का ढांचा (बैराज) है, जो सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और पेयजल आपूर्ति में अहम भूमिका निभाता है. यह बैराज 5 राज्यों (हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश) की एक संयुक्त परियोजना है.

अक्सर बरसात के मौसम में लोग यहां पर ज्यादा घूमने आते हैं, क्योंकि हथिनी कुंड बैराज में पानी का जल स्रोत काफी बढ़ जाता है, जो बेहद खूबसूरत दृश्य में तब्दील हो जाता है. यहां से यमुना नदी में पानी छोड़ा जाता है और यमुना नदी से छोटी-छोटी नदियों में उस पानी को बांट दिया जाता है. अक्सर लोग यहां पर खूबसूरत झरनों का आनंद उठाने और फोटोशूट करने के लिए ज्यादा आते हैं. जबकि इन दिनों यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए काफी फेमस भी हो रहा है.

बादशाही के जंगलों में बनी 9 गजापीर की मजार भी लोगों को तेजी से अपनी ओर आकर्षित करती है, क्योंकि यह घने जंगलों के बीच एक नदी के तट पर बनी है. अक्षर लोग यहां पर अपनी मन्नतों को लेकर आते हैं और प्रकृति और खूबसूरती का आनंद भी उठाते हैं. बरसाती नदी के बीच बना यह खूबसूरत स्थान जहां से पहाड़ों के बीच आनंद लेने के लिए लोग अक्सर आते हैं. यहां पर छोटे-छोटे वन गुर्जरों के आवास भी बने हुए हैं. यहां पर उनके साथ पुरानी यादों को याद करने और खूबसूरत पलों को बिताने का भी मौका मिलता है.

वही इन जंगलों के बीच में बना पातालेश्वर महादेव मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, जो घने जंगलों के बीच सैकड़ो साल पुराना है. यहां पर मान्यता है कि जो लोग अपनी मनोकामनाओं को लेकर आते हैं, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है. खासकर जिन लोगों के संतान नहीं होती, वह लोग यहां पर ज्यादा आते हैं. यहां इस मंदिर में दर्शन करने के साथ श्रद्धालुओं को प्रकृति का आनंद उठाने का मौका भी मिलता है और पास ही से गुजर रही खूबसूरत नदी और छोटे-छोटे झरनों की खूबसूरती देखने का अवसर प्राप्त होता है।

मानसी पारेख ने पूरी की कैलाश यात्रा, बोलीं- जिंदगी भर याद रहेगा ये सफर

20 किमी पैदल चलने, बारिश का सामना करने और आखिरी हिस्से तक घोड़े पर सवार होकर पहुंचीं मानसी

मुंबई | अभिनेत्री मानसी पारेख ने हाल ही में कैलाश की आध्यात्मिक यात्रा पूरी की है। शनिवार को उन्होंने अपनी इसी यात्रा की झलक शेयर की। साथ ही, उन्होंने बताया कि यह उनके अब तक के सबसे खास अनुभवों में से फर है।

- अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी चात्रा की झलक शेयर की, जिसमें उन्होंने ऊंचाई पर 20 किमी पैदल चलने, बारिश का सामना करने और आखिर में घोड़े पर सवार होकर आखिरी हिस्से तक जाने को याद किया।

- मानसी पारेख कहती हैं, 'इस ठंड के मौसम में, बिना अलरर्म के, मैं सुबह 5 बजे उठी क्योंकि मैं बहुत उत्साहित थी। हाई एल्टीटयूड पर नाक में कैस्टर ऑयल लगाना बहुत जरूरी है, नहीं तो नाक से खून निकलने लगता है। पहाड़ों में कोई मेकअप काम नहीं करता; सिर्फ एक चीज मायने रखती है, वो है ढ़ेर सारा सनब्लोंक।'

- उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना नाश्ता हैवी किया है, क्योंकि पहाड़ों में चढ़ने के साथ-साथ अपना बैकपैक भी उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'नाश्ते के बाद हम बस की तरफ निकल पड़े और अचानक, हमने देखा कि मौसम बहुत खराब है। ऐसा लग रहा है कि बारिश होने वाली हैं।'

" हम यमद्वारा से अपनी यात्रा शुरू करते हैं। इसका सांकेतिक मतलब है कि आप अपनी सारी शिकायतों और परेशानियों को, सब कुछ भूल जाते हैं और अपने नए आध्यात्मिक स्वरूप की ओर चलते हैं। इस साल तिब्बती कैलेंडर के अनुसार घोड़े का वर्ष है, जिसका मतलब है कि इस साल कैलाश यात्रा करना 13 बार यात्रा करने के बराबर है।

– मानसी पारेख

उन्होंने आगे कहा, 'घोड़े का वर्ष समर्पण, परिवर्तन और विलय के बारे में है और मुझे लगता है कि ये यात्रा निशिंह्त रूप से मेरे लिए यही है और इससे भी कहीं ज्यादा। जैसा कि आप देख सकते हैं, जैसे-जैसे हम ऊंचाई की ओर बढ़ रहे हैं, खूबसूरत नजारे भी बढ़ते जा रहे हैं।'

अभिनेत्री ने बताया कि वे घर से अपनी मम्मी के पैक किए हुए ड्राई फ्रूट्स जैसे क्विक स्नैक भी ले गई थी। उन्होंने कहा, 'पहाड़ों के खूबसूरत नजारों को देखकर मैं बहुत खुश हूं और अचानक से उस दौरान कैलाश का पूर्वी छोर दिखा, जो और भी खूबसूरत था। पूर्वी छोर को देखने के बाद मुझे शांति महसूसू हुई सब कुछ सार्थक लगा। इसीलिए मैंने घोड़े पर बैठकर आखिरी 1 किमी अपने शेरपा के साथ पूरा करने का फैसला किया।'

" कैलाश यात्रा मेरे लिए सबसे खास अनुभवों में से एक है।

तिब्बती संस्कृति के अनुसार 'घोड़े के साल' में कैलाश की यात्रा करना 13 बार यात्रा करने के बराबर है! क्या खास साल है और क्या खास सफर है जो हमेशा के लिए मेरे दिल में बस गया है। " – मानसी पारेख

'ऑपरेशन सफेद सागर' के लिए मिहिर आहूजा ने मेकर्स की तारीफ में बांधे पुल, कहा- आप हीरा

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में फ्लाइंग ऑफिसर सी.एच. बाल रेड्डी (बाल्डी) के किरदार में नजर आ रहे हैं। शनिवार को अभिनेता ने सीरीज के सह-निर्माताओं अभिजीत सिंह परमार और महबूब पाल सिंह बराड़ की सराहना की।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर दोनों के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने दोनों सह-निर्माताओं की सराहना की। इस पोस्ट के जरिए अभिनेता ने बताया कि यह सीरीज इन दोनों सह-निर्माताओं की मेहनत के कारण ही दर्शकों से सराहना बटोर रही है।

उन्होंने लिखा, 'इन तस्वीरों में मेरे साथ वे लोग हैं, जिन्होंने इस शो को मुमकिन बनाया। अभिजीत सर, मुझे बाल्डी (फ्लाइंग ऑफिसर सी.एच. बाल रेड्डी) का किरदार निभाने के लिए शुक्रिया। सेट पर आप जिस तरह से समझाते हैं, उन्हीं निर्देशों ने मुझे बाल्डी बनाया। आपके शांत और प्यारे व्यवहार ने शो को इतना अच्छा बना दिया है।'

अभिनेता ने सह-निर्माता अभिजीत सिंह परमार के व्यवहार की तारीफ करते हुए कहा कि दर्शक इसलिए शो से जुड़ पा रहे हैं। क्योंकि अभिजीत सर ने सभी किरदारों में गर्मजोशी डाली है। उन्होंने लिखा, 'इस शो को बनाते वक्त आपने बहुत कुछ झेला है, जिसे सिर्फ हम लोग ही जानते हैं। मुझे बहुत अच्छा लगता था जब आप कुछ सीन्स के बाद खुश होते थे और मुझे गले लगाकर कहते थे 'बाल्डी यार... रुला दिया' लव यू अभिजीत सर।'

अभिनेता ने सीरीज के सह-निर्माता महबूब पाल सिंह बराड़ को हीरो कहते हुए लिखा, 'आप हर एक्टर के सपनों वाले प्रोड्यूसर हैं। आप सबसे मुश्किल शेड्यूल में इतने शांत रहते हैं। मुझे याद है वह किस्सा जब आपने मुझे बताया था कि एम्स्टर्डम एयरपोर्ट पर हमारा हाइड्रोलिक्स खो गया था, लेकिन फिर भी आपने कहा था 'हो जाएगा कोई बात नहीं'। जहां दूसरे ऐसे हालात में अपना आपा खो देते, वहां उसी स्थिति में आप हमेशा गिलास को आधा भरा हुआ देखते थे। आपकी इसी सकारात्मक सोच ने इस शो को वहां पहुंचाया, जिसका यह हकदार है। हर चीज के लिए शुक्रिया।'

उन्होंने आखिरी में लिखा, 'अपने एक्टर्स और क्रू को परिवार की तरह रखने के लिए शुक्रिया। शुक्रिया कैप्टन। आप दोनों से बहुत जल्द बैडमिंटन कोर्ट पर मिलते हैं।

बर्थडे स्पेशलः 'सूट सूट' वाले गुरु रंधावा कैसे बने पंजाबी पॉप के ग्लोबल आइकन?

मुंबई। 'लाहौर' और 'हाई रेटेड गबरू' जैसे चार्टबस्टर के लिए मशहूर गुरु रंधावा की खास पहचान है कि उन्होंने 'सूट सूट' और 'मेड इन इंडिया' जैसे हिट गानों से पंजाबी पॉप, इंडी-पॉप और बॉलीवुड म्यूजिक को जेन-जी के बीच बेहद लोकप्रिय बनाया है।

30 अगस्त 1991 को पंजाब के गुरदासपुर जिले के नूरपुर गांव में जन्मे गुरशरणजोत सिंह रंधावा एक मध्यमवर्गीय सिख परिवार से ताल्लुक रखते थे। गुरु रंधावा का झुकाव 7 साल की उम्र से ही गायन की ओर था। बचपन में गुरदास मान, बब्बू मान और सीमा पार के दिग्गज कलाकार सज्जाद अली को सुनते हुए उनके भीतर संगीत की गहरी समझ विकसित हुई।

अपनी शिक्षा को लेकर सजग रहने वाले गुरु रंधावा ने दिल्ली जाकर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लानिंग एंड मैनेजमेंट (आईआईपीएम) से एमबीए (एमबीए) की डिग्री हासिल की। इसी दौरान उन्होंने दिल्ली और गुरदासपुर में छोटी पार्टियों और समारोहों में गाना शुरू किया, जहां एक स्टेज शो के लिए उन्हें मात्र 500 रुपए पारिश्रमिक मिलता था। उनके जीवन में एक वक्त ऐसा भी था, जब उनके पास सफलता या पैसा नहीं था, तब एक लड़की ने उन्हें यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि 'तेरे पास है क्या।' इसी दिल टूटने की घटना ने उन्हें 'बन जा तू मेरी रानी' जैसा हिट गीत लिखने के लिए प्रेरित किया।गुरु रंधावा की संगीत यात्रा की शुरुआत असफलताओं से भरी रही। साल 2012 में उन्होंने ब्रिटिश-श्रीलंकाई गायक अर्जुन के साथ मिलकर अपना पहला गाना 'सेम गर्ल' रिलीज किया, जो बुरी तरह नाकाम रहा। इसके बाद 2013 में उन्होंने अपने भाई रमणीक की आर्थिक मदद से 'पेज वन' नाम की एल्बम निकाली, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

बिग बॉस में एंट्री पर बोलीं रिया अहीर, शो में जाने के बाद लोगों को पता चलेगा मैं कैसी हूं

विश्व केसरी ■

मुंबई। सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और मॉडल रिया अहीर 'बिग बॉस-20' में नजर आ सकती हैं। शो में उनकी एंट्री पूरी तरह से दर्शकों के वोट पर आधारित है, जिसे लेकर रिया का कहना है कि वे उनके लिए एक तरह से इम्तिहान की तरह है।

रिया अहीर का मानना है कि बिग बॉस जाने के बाद लोग अच्छी तरह से समझ सकेंगे कि वे किस तरह के इंसान हैं।

उन्होंने कहा, 'जब मेरे पास बिग बॉस की खबर आई थी, तो बहुत लोगों ने मुझे ट्रोल करना शुरू कर दिया था। वे कहने लगे थे कि मुझ पर फेम का असर चढ़ गया है, जिस वजह से मैंने वोटिंग का सहारा लेने का फैसला लिया।

उन्होंने बताया कि काफी लोगों ने मुझसे पूछा था कि बिग बॉस क्यों? मेरे बारे में अलग-अलग बातें हो रही थीं। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मैं भी सोचती थी कि बिग बॉस क्यों जाना है। फिर घर में पापा से बात हुई और उन्होंने मुझसे जो कहा वह बात मेरे दिल में गई थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम इस बात पर कैसे रिएक्ट करती हो ये पूरा तुम पर निर्भर करता है। मैं तुम्हे खुद को फिर से लॉन्च करने या फिर कुछ भी करने के लिए कोई मजबूर नहीं कर रहा हूं। यह बात मेरे मन में बैठ गई थी। मुझे लगा कि लोगों को यह जानने का अच्छा मौका होगा कि मैं किस तरह की इंसान हूं। लोग कह रहे थे कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है, तो मैं चाहती हूं कि वे मुझे वैसे देखें जैसी मैं सच में हूं। मेरी या किसी और की मत सुनो, खुद फैसला करो।'

दरअसल, रिया अहीर नीट पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ हुए छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान मुंबई पुलिस की वैन के सामने अकेले खड़े होने के कारण सोशल मीडिया पर चर्चा में आई और रातों-रात वायरल हो गई थी।

मीडिया ने रिया से इस वायरल वीडियो के रिएक्शन के बारे में पूछा। साथ ही यह भी कहा कि क्या आपको उम्मीद थी कि लोगों की तरफ से इस तरह का प्यार मिलेगा।

इस पर रिया ने कहा, 'नहीं, मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि लोगों को इस तरह से प्यार मिलेगा। उस समय मेरा एक्शन बिल्कुल नेचुरल और नॉर्मल था। एक महीने बाद भी, जब मैं उसे देखती हं, तो मुझे वैसा ही लगता है।'

रिया अहीर ने स्पष्ट किया कि वे बिग बॉस उस एक्शन की वजह से नहीं बल्कि, लोगों की तरफ से मिले प्यार और सपोर्ट की वजह से जा रही हूं।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई, कहा- उनके जैसा कोई नहीं

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं।

उन्होंने बताया, 'संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है।

अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं।

अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल पूछा, 'आपने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं? अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, 'इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है। वैज्ञानिक सोच होने से एक एक्टर को बहुत मदद मिलती है।'

अभिनेत्री भावना पानी हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने 'नौकरानी रागिनी' का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने इस फिल्म के लोकप्रिय गाने 'ओ सुंदरी' में अपने डांस से वह काफी चर्चा में आई थीं।

'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' की मासूम गीता से 'खाकी' की दबंग नेता तक, हर रंग में माहिर हैं चित्रांगदा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से लोगों के दिलों में जगह बना ली। चित्रांगदा सिंह भी ऐसी ही अभिनेत्री हैं। पर्दे पर उनकी मौजूदगी जितनी खूबसूरत लगती है, उनके किरदारों में उतनी ही गहराई भी दिखाई देती है। कभी उन्होंने 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' में संवेदनशील और मासूम गीता बनकर दर्शकों का दिल जीता, तो कभी 'बाजार', 'बॉब बिस्वास' और 'गैसलाइट' जैसे प्रोजेक्ट्स में अलग-अलग रंग दिखाए। हाल के वर्षों में 'खाकी: द बंगाल चैप्टर' में एक प्रभावशाली राजनीतिक किरदार निभाकर उन्होंने फिर साबित किया कि वह सिर्फ ग्लैमर तक सीमित अभिनेत्री नहीं हैं।

चित्रांगदा सिंह का जन्म 30 अगस्त 1976 को हुआ था। उनका बचपन मेरठ, कोटा और बरेली जैसे शहरों में बीता। उनके पिता सेना में अधिकारी थे, इसलिए परिवार को अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। धीरे-धीरे उन्हें विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम मिलने लगा। गुलजार के म्यूजिक वीडियो 'सनसेट प्वाइंट' में नजर आने के बाद उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनके लिए फिल्मों का रास्ता खुला।

साल 2005 में निर्देशक सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' से चित्रांगदा ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उन्होंने गीता का किरदार निभाया था। कॉलेज की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनका किरदार बेहद संवेदनशील था। चित्रांगदा ने इसे इतनी सहजता से निभाया कि दर्शकों और आलोचकों दोनों ने उनकी तारीफ की। पहली ही फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिला। लेकिन बॉलीवुड में पहली फिल्म की सफलता के बाद सब कुछ आसान नहीं रहा। उनकी अगली फिल्म 'कल: यस्टरडे एंड टुमारो' उम्मीद के मुताबिक नहीं चली।

अफगानिस्तान पर पकड़ कमजोर पड़ने पर पाकिस्तान ने आतंकी नेटवर्क का सहारा लिया

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अफगानिस्तान पर कूटनीतिक पकड़ कम होते देख पाकिस्तान पुराने ढर्रे पर लौटने की कोशिशों में जुट गया है। मुल्क ने चुनिंदा आतंकवादी समूहों को बर्दाश्त करने की रणनीति तैयार कर ली है। एक रिपोर्ट इसका संकेत देती है। रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी समूह 'इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस' (आईएसकेपी) का नेटवर्क खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में अभी भी सक्रिय है। इनमें से कुछ समूह कथित तौर पर पाकिस्तानी सुरक्षा तंत्र के भीतर मौजूद कुछ लोगों के समर्थन या उन्हें 'बर्दाश्त' करने की वजह से बचे हुए हैं।

तालिबान ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि वह अपनी जमीन से आईएसकेपी को फलने-फूलने की इजाजत दे रहा है। आईएसकेपी नेता सनाउल्लाह गफारी की पाकिस्तान के अंदर कथित आतंकी कैंपों में आने जाने का हवाला दिया है। ऑनलाइन मैगजीन 'अमेरिकन थिंकर' की एक रिपोर्ट के अनुसार, जून में तालिबान ने दावा किया कि उन्होंने बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में उन जगहों पर हमले किए जो उनके आईएसकेपी से जुड़े थे।

रिपोर्ट में बताया गया है, 'पाकिस्तान की लंबे समय से चली आ रही यह रणनीति कि अफगानिस्तान को उसके अपने सुरक्षा सिस्टम का ही एक हिस्सा माना जाए, अब फेल हो चुकी है। दशकों तक, पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी के नेताओं ने 'स्ट्रैटेजिक डेप्थ' (रणनीतिक गहराई) की नीति अपनाई। उनका मानना था कि काबुल में अपनी सोच के अनुकूल सरकार होने से भारत के खिलाफ पाकिस्तान को अतिरिक्त जगह मिलेगी और पश्चिमी सीमा पर दुश्मनी का खतरा नहीं रहेगा। अब यह सोच गलत साबित हो चुकी है।'

रिपोर्ट में कहा गया, 'जब अगस्त 2021 में तालिबान सत्ता में लौटा, तो पाकिस्तानी नेताओं को उम्मीद थी कि वे उनकी बात मानेंगे। वे चाहते थे कि तालिबान डूरंड लाइन को स्वीकार करे, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को दबाए और पाकिस्तानी व्यापार मार्गों और उनकी मदद पर निर्भर रहे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इसके बजाय, तालिबान ने अपनी आजादी को महत्व दिया। इस्लामाबाद और काबुल के बीच रिश्ते बिगड़ गए हैं और अब सीमा पर झड़पें, हवाई हमले, आर्थिक दबाव और आतंकवाद को समर्थन देने के आपसी आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं।'

नेपाल त्रासदी : राष्ट्रपति पौडेल ने भारत का मदद के लिए जताया आभार

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने आपदा काल में भारत की मदद और पहुंचाई जा रही राहत सामग्री लिए दिल से धन्यवाद किया है।

पौडेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। आभार जताते हुए लिखा, नेपाल की सरकार और जनता की ओर से मैं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आभार व्यक्त करता हूं। भारत सरकार की ओर से दिखाई गई चिंता, सहयोग और एकजुटता के लिए नेपाल सरकार और जनता की ओर से दिल से धन्यवाद।

दूसरे पोस्ट में उन्होंने आपदा में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के प्रति भी संवेदना जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'हम 26 अगस्त, 2026 की आपदा में भारतीय नागरिकों की मौत पर भारत सरकार और वहां के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करते हैं।' नेपाल बाढ़ में मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (शनिवार सुबह 10 बजे तक का अपडेट) के मुताबिक 626 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 2500 के करीब लापता हैं। बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। रसुवा, चितवन, धाडिंग, तनहुं, गोरखा, नुवाकोट और नवलपरासी ईस्ट (पूर्वी नवलपरासी) जैसी जगहों पर शव बरामद किए गए हैं।

मौसम वैज्ञानिक, पहाड़ और ग्लेशियर विशेषज्ञ अचानक आई बाढ़ के कारणों की जांच कर रहे हैं। नेपाल सेना समेत कई स्वयंसेवक बाढ़ पीड़ितों को बचाने और घायलों की तलाश करने के काम में लगे हैं। ज्यादातर बचाव उड़ानें रसुवा, तिमुरे, त्रिशूली और धुंचे इलाकों पर केंद्रित हैं।

आपदा काल में भारत अपने पड़ोसी देश की हरसंभव मदद कर रहा है। बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए अब तक 57.5 टन आपातकालीन राहत सामग्री भेजी जा चुकी है। शुक्रवार रात 10 टन राहत सामग्री की एक और खेप काठमांडू पहुंची। राहत सामग्री के साथ 11 सदस्यीय चिकित्सकों और पैरामेडिक्स टीम भी नेपाल भेजी गई है।

संक्षिप्त खबर

भारत और अर्जेंटीना ने आर्थिक संबंधों को दी नई मजबूती

विश्व केसरी

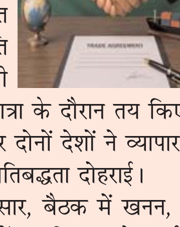

नई दिल्ली। भारत और अर्जेंटीना ने अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। ब्यूनस आयर्स में आयोजित भारत-अर्जेंटीना संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की चौथी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2025 की अर्जेंटीना यात्रा के दौरान तय किए गए रोडमैप की प्रगति की समीक्षा की गई और दोनों देशों ने व्यापार तथा निवेश सहयोग को और विस्तार देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, बैठक में खनन, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से भारत की सरकारी कंपनी खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) द्वारा अर्जेंटीना के लिथियम क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया गया। अर्जेंटीना के कैटामार्का प्रांत में काबिल की लिथियम खनन परियोजना, जो अर्जेंटीना में किसी भारतीय कंपनी की पहली लिथियम खनन पहल है, ने दूसरे चरण की ड्रिलिंग पूरी कर ली है। इसके अलावा साल्टा और जुजुय प्रांतों में भी सहयोग के नए अवसर तलाशे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि लिथियम क्षेत्र में यह साझेदारी भारत की इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी विनिर्माण रणनीति को महत्वपूर्ण समर्थन दे सकती है।

एच-1बी ग्रेस पीरियड खत्म करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

विश्व केसरी

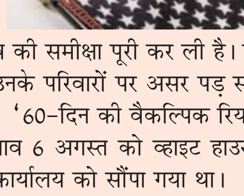

वॉशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और दूसरे विदेशी प्रोफेशनल्स के लिए नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाले 60 दिन के 'ग्रेस पीरियड' (छूट की अवधि) को खत्म करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के '60-दिन की वैकल्पिक रियायती अवधि को खत्म करना' का प्रस्ताव 6 अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को सौंपा गया था।

आधिकारिक रेगुलेटरी रिकॉर्ड के अनुसार, 27 अगस्त को समीक्षा पूरी हुई और इसे 'बदलाव के साथ सहमत के तौर पर दर्ज किया गया। इसका मतलब है कि प्रस्ताव में कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया पूरी हो गई है। यह प्रस्ताव अभी पब्लिश नहीं किया गया है और इसकी पूरी शर्तें अभी उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए, अभी 60 दिन की सुरक्षा वाली मौजूदा व्यवस्था लागू रहेगी। अगला कदम आम तौर पर प्रस्तावित नियम को 'फेडरल रजिस्टर' में पब्लिश करना होगा, जिसके बाद लोगों की राय जानने के लिए एक समय-सीमा तय की जाएगी। इसके बाद, किसी भी बदलाव को लागू करने से पहले डीएचएस को लोगों की राय पर विचार करना होगा और अंतिम नियम जारी करना होगा। इस प्रस्ताव का रेगुलेटरी इंफॉर्मेशन नंबर 1615-एडी 22 है और इसे अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज तैयार कर रहा है। रेगुलेटरी रिकॉर्ड में इसे एक ऐसे प्रस्तावित नियम के तौर पर बताया गया है जो आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण नहीं है और जिसके लिए कोई कानूनी समय-सीमा तय नहीं है।

बलूचिस्तान के सीएम की बागानों को जलाने की धमकी पर मानवाधिकार संगठन ने जताई चिंता

विश्व केसरी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार की अनदेखी को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं। एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने शनिवार को प्रांतीय मुख्यमंत्री सरफराज बुगती के उस बयान की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने मस्तुंग जिले में स्थानीय लोगों के बागानों को 'जलाने और ध्वस्त करने' तथा उनके मालिकों को गिरफ्तार करने की चेतावनी दी थी।

मानवाधिकार संगठन बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने बुगती की टिप्पणियों को 'बेहद चिंताजनक और निंदनीय' बताते हुए कहा कि नागरिकों की संपत्ति और आजीविका के साधनों को निशाना बनाने की धमकी मौलिक मानवाधिकारों, संपत्ति के अधिकार और आजीविका के अधिकार को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है। पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट डेली दुनिया की रिपोर्ट के अनुसार, बुगती ने शुक्रवार को क्वेटा स्थित सेंट्रल पुलिस ऑफिस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि यदि मस्तुंग के बागानों से प्रांतीय गृह मंत्री या सुरक्षा बलों पर हमले होते हैं, तो संबंधित बागान मालिकों को भी हमलावरों का मददगार माना जाएगा।

उन्होंने कहा कि यदि निजी संपत्तियों का इस्तेमाल कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों के लिए जारी रहा तो सरकार के पास दो विकल्प होंगे: पहला, बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को वहां से हटाकर दूसरी जगह बसाना, और दूसरा कथित तौर पर ऐसी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बागानों को 'खत्म' कर देना।

बीवीजे ने कहा कि बलूचिस्तान में मानवाधिकारों की स्थिति पहले से ही गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे में स्थानीय लोगों के बागानों को जलाने की धमकी उनकी आजीविका और आय के स्रोतों को खतरे में डाल सकती है तथा इसे स्थानीय आबादी पर सामूहिक दबाव या सामूहिक दंड के रूप में देखा जा सकता है।

संगठन ने कहा कि बागानों को जलाने या ध्वस्त करने और उनके मालिकों को गिरफ्तार करने की धमकी नागरिकों के आर्थिक और मौलिक मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन होगी। बीवीजे ने पाकिस्तानी अधिकारियों से नागरिकों को डराने-धमकाने, उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या उन्हें सामूहिक दंड देने वाली किसी भी कार्रवाई से बचने की अपील की। संगठन ने मस्तुंग के स्थानीय लोगों के मानवाधिकारों, आर्थिक अधिकारों और संपत्ति के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की।

एनएएम शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ पर बेलग्रेड में उच्चस्तरीय बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाली एक उच्चस्तरीय कमेमोरेटिव (स्मृति) बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को बताया कि यह बैठक गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की जा रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक एनएएम के पहले राष्ट्राध्यक्ष/सरकार प्रमुखों के सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है।

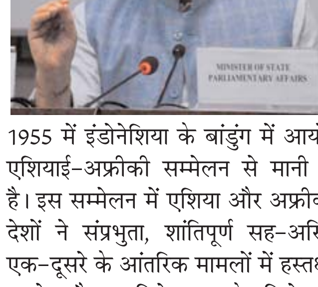

बैठक की थीम 'द लिगेसी ऑफ नॉन अलाइनमेंट: लेसंस फॉर टुडेस वर्ल्ड' यानी 'गुटनिरपेक्षता की विरासत: आज की दुनिया के लिए सबक' रखी गई है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'भारत इस आंदोलन का संस्थापक सदस्य है। एनएएम, ऐतिहासिक महत्व के इस मंच पर 121 विकासशील देशों को एक साथ लाता है और भारत आंदोलन के सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है।' एनएएम की शुरुआत 1955 में इंडोनेशिया के बांडुंग में आयोजित एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन से मानी जाती है। इस सम्मेलन में एशिया और अफ्रीका के देशों ने संप्रभुता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और उपनिवेशवाद के विरोध जैसे सिद्धांतों को आगे बढ़ाया था।

इसके छह वर्ष बाद 1961 में बेलग्रेड में आयोजित पहले शिखर सम्मेलन में गुटनिरपेक्ष आंदोलन औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया। आज भी एनएएम बहुपक्षवाद और विकासशील देशों के हितों, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में उनकी आवाज को मजबूत करने की दिशा में काम करता है।

दक्षिण कोरिया-फ्रांस रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमत, उत्तर कोरिया-रूस सैन्य गठजोड़ पर चिंता

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया और रूस के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग पर दक्षिण कोरिया और फ्रांस ने चिंता जाहिर की। इसके साथ ही दोनों देशों ने रणनीतिक और रक्षा समन्वय मजबूत करने पर सहमति जताई। दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों ने कोरियाई प्रायद्वीप और यूरोप की सुरक्षा चुनौतियों के बीच बढ़ते आपसी संबंधों पर चर्चा की।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह चर्चा शुक्रवार को पेरिस में आयोजित रणनीतिक संवाद के दौरान हुई। दक्षिण कोरिया के नीति मामलों के उप रक्षा मंत्री किम होंग-चोल और फ्रांस के सशस्त्र बल एवं पूर्व सैनिक मामलों के मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं रणनीति के महानिदेशक गिलॉम ओलानिए ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में दोनों पक्षों ने उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों का आकलन साझा किया। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि यूरोप और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आपस में जुड़ गई है। ऐसे में दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक समन्वय को और मजबूत करने की जरूरत है।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की अपनी नीति से फ्रांस को अवगत कराया और इस दिशा में पेरिस से लगातार समर्थन और ध्यान बनाए रखने का आग्रह किया।

दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के संस्थागत ढांचे को मजबूत करने पर भी सहमति जताई। इसके तहत गोपनीय सैन्य सूचनाओं के आदान-प्रदान से जुड़े द्विपक्षीय समझौते में संशोधन की संभावना पर चर्चा हुई। साथ ही, संयुक्त सैन्य अभ्यास और विभिन्न सैन्य आदान-प्रदान के जरिये दोनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने पर सहमति बनी।

मक्का समझौते में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव, त्रिपक्षीय संधि विरोधाभास से भरी : रिपोर्ट

विश्व केसरी

ओटावा। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए मक्का समझौते में कई विरोधाभास हैं। इसमें राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी दिखती है तो मूल्यों में भी समानता नहीं है। एक रिपोर्ट समझौते में मौजूद खामियों को उजागर करती है।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कोई साझा मूल्य, समान हित या खतरे को लेकर एक जैसी सोच न होने और किसी साझा दुश्मन के न होने के कारण, इस त्रिपक्षीय समझौते के सामने यह बुनियादी सवाल है कि आखिर ये एकजुट कैसे रहेंगे। कनाडा स्थित 'जियोपॉलिटिकल मॉनिटर' की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'ईरान युद्ध मध्य पूर्व की भू-राजनीति को बदल रहा है। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को बार-बार निशाना बनाया गया है और अमेरिका समुद्री यातायात और ऊर्जा की आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने में असमर्थ रहा है। इसने मध्य पूर्व के देशों को वाशिंगटन से हटकर अपने रक्षा साझेदारों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है। इस बदलती रणनीति का सबसे स्पष्ट उदाहरण अगस्त की शुरुआत में देखने को मिला, जब सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।' मक्का समझौते को नाटो जैसे सुरक्षा समझौते के तौर पर पेश किया जा रहा है, जिसमें नाटो के अनुच्छेद 5 जैसा ही प्रावधान है; इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमले को उन सभी पर हमला माना जाएगा।

मक्का समझौते में मौजूद विरोधाभास को उजागर करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समूह के कुछ सदस्यों के संबंध एक-दूसरे के दुश्मनों के साथ गहरे हैं। इसमें सवाल उठाया गया है कि क्या सऊदी अरब, जिसने पिछले दशक में भारत के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है, नई दिल्ली के साथ भविष्य के किसी संघर्ष में पाकिस्तान का समर्थन करेगा?

संयुक्त राष्ट्र ने अमेरिका और ईरान से बातचीत फिर शुरू करने का आग्रह किया

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की ओर से अमेरिका और ईरान से बातचीत को फिर से शुरू करने का आग्रह किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता की ओर से बताया गया कि महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अमेरिका और ईरान से कूटनीति के जरिए विवाद को खत्म करने के लिए बातचीत फिर से शुरू करने का आग्रह किया है।

युद्ध के छह महीने बाद अमेरिका और ईरान के बीच रुकी हुई बातचीत पर महासचिव की राय पूछे जाने पर, प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, 'यह चल रहे संघर्ष के छह महीने पूरे होने का एक दुखद पड़ाव है। हम फिर से जोर देते हैं कि इसका एकमात्र समाधान कूटनीतिक समाधान है। और हम अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान दोनों से सार्थक बातचीत करने का आग्रह करते हैं।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र कतर, पाकिस्तान, मिस्र, सऊदी अरब और कुवैत की मध्यस्थता कोशिशों का पूरा समर्थन करता है और महासचिव उनके संपर्क में बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो बात स्पष्ट है और महासचिव के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, वह है इस संघर्ष के विनाशकारी मानवीय और आर्थिक परिणाम, जिसमें खाद्य आपूर्ति पर वैश्विक आर्थिक प्रभाव, मानवीय सामान का न पहुंच पाना, उर्वरकों की सीमित उपलब्धता और ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि शामिल है।

प्रवक्ता ने कहा कि इस संघर्ष के लिए महासचिव के व्यक्तिगत दूत, जीन अर्नॉल्ट, पक्षों और मध्यस्थों की मदद करने और एक स्थायी समाधान तक पहुंचने के लिए उपलब्ध हैं और संपर्क में हैं।

मैडिसन स्क्वायर में आरएसएस प्रमुख देंगे भाषण, जहां पीएम मोदी से लेकर ट्रंप तक कई बड़ी हस्तियां कर चुकी हैं कार्यक्रम

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। मैडिसन स्क्वायर गार्डन (एमएसजी), जहां शनिवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भाषण देंगे, एक बहुत बड़ा एरिना है। राजनीति, मनोरंजन, खेल और धर्म के नजरिए से इसकी खास अहमियत है।

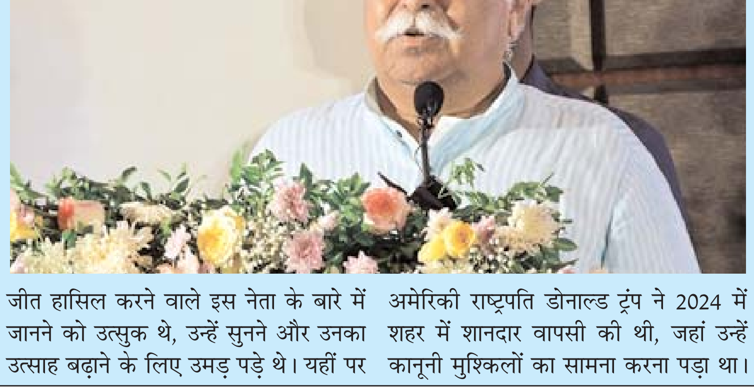

भागवत उसी जगह मंच संभालेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में चुनाव जीतने के बाद दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता के तौर पर अमेरिका में अपना पहला सार्वजनिक कार्यक्रम किया था। वे संयुक्त राष्ट्र की हाई-लेवल मीटिंग के लिए शहर आए थे। 22,000 लोगों की क्षमता वाला यह एरिना खचाखच भर गया था क्योंकि उनके समर्थक और वे लोग जो भारत में जबरदस्त जीत हासिल करने वाले इस नेता के बारे में जानने को उत्सुक थे, उन्हें सुनने और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए उमड़ पड़े थे। यहीं पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2024 में शहर में शानदार वापसी की थी, जहां उन्हें कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। राष्ट्रपति जिमी कार्टर, बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू बुश को यहीं उनकी पार्टियों के सम्मेलनों में उम्मीदवार के तौर पर चुना गया था। रिपब्लिकन पार्टी ने 2004 में और डेमोक्रेटिक पार्टी ने 1976, 1980 और 1992 में अपना राष्ट्रीय सम्मेलन यहीं आयोजित किया था।

न्यूयॉर्क शहर के बीचों-बीच, टाइम्स स्क्वायर से दस ब्लॉक दक्षिण में स्थित 76,000 वर्ग मीटर का यह एरिना एक अनोखी आर्किटेक्चरल संरचना है। इसे न्यूयॉर्क के पेन्सिलवेनिया स्टेशन – जिसे संक्षेप में 'पेन' कहा जाता है – के ऊपर बनाया गया है। यह अमेरिका का सबसे व्यस्त ट्रांजिट हब है, जहां लंबी दूरी की ट्रेनें, कम्यूटर रेल और मेट्रो एक साथ मिलती हैं।

पुल पर फिर लौटी रोशनी, सप्ताहभर से बंद स्ट्रीट लाइटें हुईं चालू

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। जनहित की समस्या को प्रमुखता से उठाने का असर आखिरकार दिखाई दिया। राजिम के महानदी पुल पर पिछले सप्ताहभर से अधिक समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें अब दोबारा रोशन हो गई हैं। खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की और पुल की स्ट्रीट लाइटों को चालू करा दिया। रात के समय पुल पर पसरा अंधेरा दूर होने से वाहन चालकों और राहगीरों ने राहत की सांस ली है।

गौरतलब है कि महानदी उच्चस्तरीय पुल की स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद थीं। रात के अंधेरे में वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पुल की खराब सड़क, जगह-जगह बने गड्ढों और कई बार सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण अंधेरे में दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती थी। इस गंभीर जनसमस्या को प्रमुखता से उठाते हुए संबंधित जिम्मेदार विभागों का ध्यान आकृष्ट कराया गया था।

खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की और बिजली बिल से संबंधित प्रक्रिया में आ रही समस्या का निराकरण करते हुए विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी। इसके साथ ही पुल की स्ट्रीट लाइटें एक बार फिर जगमगा उठीं। स्ट्रीट लाइटें चालू होने से स्थानीय नागरिकों, राहगीरों और प्रतिदिन पुल से गुजरने वाले वाहन चालकों में खुशी देखी जा रही है। लोगों ने समस्या का संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई करने वाले ब्रिज विभाग, विद्युत विभाग के अधिकारियों तथा संबंधित जिम्मेदारों के प्रति आभार व्यक्त किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जनहित से जुड़ी समस्याओं पर यदि इसी तरह संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई होती रहे, तो क्षेत्र की अनेक समस्याओं का समय रहते समाधान संभव है।

जिला कांकेर थाना छोटेबेठिया ग्राम मोरखण्ड़ी जंगल-पहाड़ी क्षेत्र से नक्सल डम्प से बरामद

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। बद्री नारायण मीणा(भा.पु.से.) पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज के निर्देशन में, दीपक तिवारी डीआईजी बीएसएफ भानुप्रतापपुर, निखिल राखेचा पुलिस अधीक्षक कांकेर एवं सुभाष चंद्र प्रभारी सेनानी 94 वीं वाहिनी बीएसएफ बांदे , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुर्रे के मार्गदर्शन में जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार नक्सल उन्मूलन अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला बल, बीएसएफ एवं बीडीएस टीम के संयुक्त बल द्वारा संचालित अभियान के दौरान नक्सल डम्प से- स्टील टिफिन-01नग (वन्य जीव पेंगोलिन का शल्क लगभग 3.5 कि.ग्रा. भरा हुआ) व अन्य नक्सल सामग्री बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

24 अगस्त को जिला कांकेर थाना छोटेबेठिया के ग्राम मोरखण्ड़ी जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग अभियान के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा नक्सल डम्प से वन्य जीव पेंगोलिन का शल्क सहित अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया। मौके से बरामद नक्सली सामग्री एवं

पैंगोलिन छाल को सुरक्षित रूप से थाना लाकर विधिवत जप्त किया गया है। पैंगोलिन छाल के संबंध में वन विभाग को सूचना दी गई है तथा मामले में आवश्यक जांच जारी है।

टीम कंमाडरः- हनुमान मीणा इंस्पेक्टर बीएसएफ 94 वीं वाहिनी। मोहित बंसल उप निरीक्षक बीएसएफ 94 वीं वाहिनी। रोशन लाल मीणा उप निरीक्षक बीएसएफ बीडीएस टीमट कमांडर ।

थाना प्रभारी उप निरीक्षक लतेश कुमार शोरी । कांकेर पुलिस द्वारा नक्सल प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सघन सर्चिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ सरकार की नियत में खोट

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। छत्तीसगढ़ में कर्मचारी और पेन्शनर सरकार से बहुत असंतुष्ट हैं । और पूरे प्रदेश के कर्मचारी और पेन्शनर आन्दोलन के लिए मजबूर हो गये हैं।

पेन्शनर समाज जिला कांकेर के सचिव शिवसिंह भदौरिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि प्रदेश की सरकार की नियत सही नहीं है कर्मचारियों और पेन्शनरों ने दो प्रतिशत मंहगाई भत्ता और मंहगाई राहत को लेकर कई बार ज्ञापन दिया है और विधायक, मंत्रियों से भी मिलकर इस मांग की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है । परन्तु सरकार की नियत देने की नहीं है । जबकि केन्द्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को दो प्रतिशत मंहगाई भत्ता और मंहगाई राहत जनवरी 2026 से दे दिया है और उनकी मंहगाई भत्ता और मंहगाई राहत साठ प्रतिशत हो गई है । जबकि छत्तीसगढ़ के कर्मचारी और पेन्शनरों को अभी भी 58 प्रतिशत मिल रहा है । प्रदेश सरकार जानती है कि एक महीने में करोड़ों रु. की बचत होती है क्योंकि एक परम्परा बनाकर रखे हैं जिस माह में घोषणा होगी उसी माह से देय होगा । जनवरी और जुलाई देयतिथि का प्रावधान है लेकिन नहीं देते हैं । इससे कर्मचारियों और पेन्शनरों का लाखों रु. नुकसान होता है । राज्य पेन्शनर संघ के प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि जिला एवं संभाग स्तर से दो प्रतिशत मंहगाई राहत को लेकर ज्ञापन दिया जा चुका है यदि सरकार त्वरित पहल नहीं करती है तो छै सितम्बर को बिलासपुर में राज्य कार्यकारिणी की बैठक में अनिश्चित कालीन आन्दोलन का निर्णय लिया जायेगा ।

चारामा के पास भीषण सड़क हादसा बाइक सवार युवक की मौत, दो गंभीर

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। कांकेर जिले के चारामा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 पर शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ग्राम बाबूकोहका के पास दोपहर करीब पौने दो बजे हुआ। बाइक सवार तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही टाटा सफारी वाहन से उनकी जोरदार आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर जा गिरे। हादसे में एक युवक ने

घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर जुटी लोगों की भीड़

हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद की। सूचना मिलने के बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को चारामा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। दोनों घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

खैरखेड़ा गांव के रहने वाले थे तीनों युवक

हादसे में मृतक और दोनों घायल युवक कांकेर जिले के खैरखेड़ा निवासी बताए जा रहे हैं। मृतक की पहचान बिकेश जुर्री, पिता रामसिंग जुर्री के रूप में हुई है। वहीं हादसे में घायल युवकों की पहचान लक्की मंडावी, पिता महावीर मंडावी और कौशल दर्रो, पिता मन्नू राम दर्रो के रूप में बताई गई है।

आमने-सामने की टक्कर से हुआ हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाइक सवार तीनों युवक शनिवार दोपहर नेशनल हाईवे-30 से गुजर रहे थे। ग्राम बाबूकोहका के पास विपरीत दिशा से आ रही टाटा सफारी से उनकी बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे के कारणों को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है और हादसे से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। दिनांक नाबालिग बालिका के पिता द्वारा थाना सिटी कोतवाली कांकेर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 279/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान सायबर सेल कांकेर की तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस टीम द्वारा मोरबी, गुजरात में पतासाजी की गई। पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से सेक ग्रेनाइट फैक्ट्री, मोरबी से नाबालिग बालिका एवं संदेही राधेश्याम अम्बदास वसुनिया को बरामद किया। नाबालिग बालिका के कथन एवं विवेचना में प्राप्त तथ्यों के आधार पर प्रकरण में धारा 64(1), 64(2)(उ) बीएनएस एवं धारा 4, 6 पॉक्सो एक्ट जोड़ी गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किए जाने पर उसे 29 अगस्त को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय कांकेर में पेश किया गया।

'कृषक-विमर्श : दशा और दिशा' ग्रंथ का विमोचन हुआ

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. हरिहरानन्द सरस्वती जी महाराज, परमाध्यक्ष दैवी सम्पद मण्डल, अमरकंटक (म.प्र.) ने डॉ. विनय कुमार पाठक, पूर्व अध्यक्ष,छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग एवं कुलपति थावे विद्यापीठ गोपालगंज (बिहार) के 'कृषक-विमर्श : दशा और दिशा' ग्रन्थ का लोकार्पण करते हुए अस्मितामूलक विमर्श के एक नए विमर्श का प्रामाणिक दस्तावेज़ प्रस्तुत करने हेतु बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर न्यायमूर्ति डॉ. चन्द्र भूषण बाजपेयी ने कहा कि विकलांग-विमर्श को विश्व क्षितिज पर पहुँचाने वाले डॉ. पाठक ने किन्नर-आलोचना के बाद कृषक-विमर्श पर मौलिक स्थापना देकर यशस्वी रहे हैं। धर्मभूषण डॉ. श्रीधर गौरहा ने ग्रन्थ की समीक्षा करते हुए इस अत्यंत महत्वपूर्ण और अब तक के अस्पर्शित विमर्श को समग्रता के साथ सम्पन्न करने वाले डॉ.

पाठक के कार्यों को उल्लेखनीय निरुपित किया। मानस मर्मज्ञ विष्णु कुमार तिवारी ने कहा कि स्त्री, दलित,? आदिवासी-विमर्श के क्षेत्र में पृथक पहचान प्रदर्शित करने वाले डॉ. पाठक ने जहाँ विकलांग विमर्श का प्रवर्तन किया, वहीं किन्नर आलोचना के दो ग्रन्थों के लेखन के बाद अब कृषक-विमर्श के प्रथम समीक्षक के रुप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। इस ग्रंथ के लेखक डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि 'कृषक-विमर्श : दशा और दिशा' भाग एक का प्रकाशन अभी हुआ है जो काव्य पर केंद्रित है जबकि इसका दूसरा भाग शीघ्र ही आपके हाथों होगा जिसमें गद्य की प्रमुख विधाओं में कृषक-विमर्श का समावेश किया गया है । इस विमोचन के अवसर पर भागवताचार्य पं. संकल्प शुक्ला, पं. लव चौबे, पं. योगेश तिवारी इत्यादि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल महोत्सव का आगाज, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

विश्व केसरी

दुर्गकोंदल। हॉकी के जादूगर एवं महान भारतीय खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के पावन अवसर पर शुक्रवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भड़ारडिगी, दुर्गूकोंदल में राष्ट्रीय खेल दिवस हर्ष, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 28 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल महोत्सव का शुभारंभ किया गया। महोत्सव के दूसरे दिन विद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ हिस्सा लिया।

खेल महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने 1100 मीटर दौड़, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबाल सहित विभिन्न खेल

प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और शारीरिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों में जीत के लिए उत्साह और एक-दूसरे को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने की भावना देखने को मिली। मैदान में खिलाड़ियों ने अनुशासन के साथ खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए पूरा जोर लगाया।

प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के बाद विजेता टीमों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को खेलों में निरंतर भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बैजनाथ नरेटी ने कहा कि खेलकूद हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। खेल प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इससे विद्यार्थियों में आपसी मेल-मिलाप, सहयोग और टीम भावना भी विकसित होती है। प्राचार्य ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे खेल को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं तथा स्वस्थ, अनुशासित और सशक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में चक्रवर्ती यादव, सुमित कुमार, सुनील कुमार, राजेश कुमार, नेहा मेम, सुप्रिया विश्वास, मधु ठाकुर, सलाउद्दीन, कचन यादव, मीनू रानी एवं अभिजीत राय सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित हुआ खेल दिवस एवं खेल अलंकरण समारोह

विश्व केसरी

सक्ती। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला-सक्ती के संयुक्त तत्वावधान में खेल दिवस एवं खेल अलंकरण समारोह का आयोजन खेलो इंडिया लघु केंद्र (फुटबॉल), रगजा (सक्ती) में किया गया। इस अवसर पर शामिल जनप्रतिनिधियों ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। युवाओं को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करते हैं। जिले के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारकर राज्य एवं

राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बीरेंद्र लकड़ा ने कहा कि जिले के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें बेहतर अवसर और मार्गदर्शन प्रदान कर उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्रम के दौरान अकलसरा एवं सक्ती के खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले में सक्ती के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जीत अपने नाम की। इस अवसर पर जिले में विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी खिलाड़ियों एवं खेल प्रशिक्षकों का सम्मान भी किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उन्हें निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खेलों को स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन एवं व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वे जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इस दौरान एसडीएम सक्ती कावेरी मरकाम, खेल अधिकारी हरि पटेल, अभिषेक शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, खेल प्रशिक्षक, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

'साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान का आयोजन

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। साइबर अपराधों से बचाव एवं आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान के अंतर्गत थाना भानुप्रतापपुर पुलिस द्वारा कैंप मुला, भानुप्रतापपुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुनः पर्यान नई उड़ान के तहत पुलिस फोर्स में चयन हेतु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान अंबर सिंह भारद्वाज, थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर द्वारा साइबर जागृति अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, फर्जी लिंक, संदिग्ध मैसेज, OTP, बैंकिंग फ्रॉड एवं अन्य साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्होंने उपस्थित लोगों को समझाइश देते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, PIN, CVV, बैंक खाता संबंधी जानकारी अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें तथा ऑनलाइन लेन-देन के दौरान विशेष सावधानी बरतें। साथ ही सभी से साइबर अपराधों के प्रति स्वयं जागरूक रहने तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गई।

जुलाई में भारत का औद्योगिक उत्पादन 6.7 प्रतिशत बढ़ा, विनिर्माण क्षेत्र की मजबूत प्रदर्शन से मिली रफ्तार

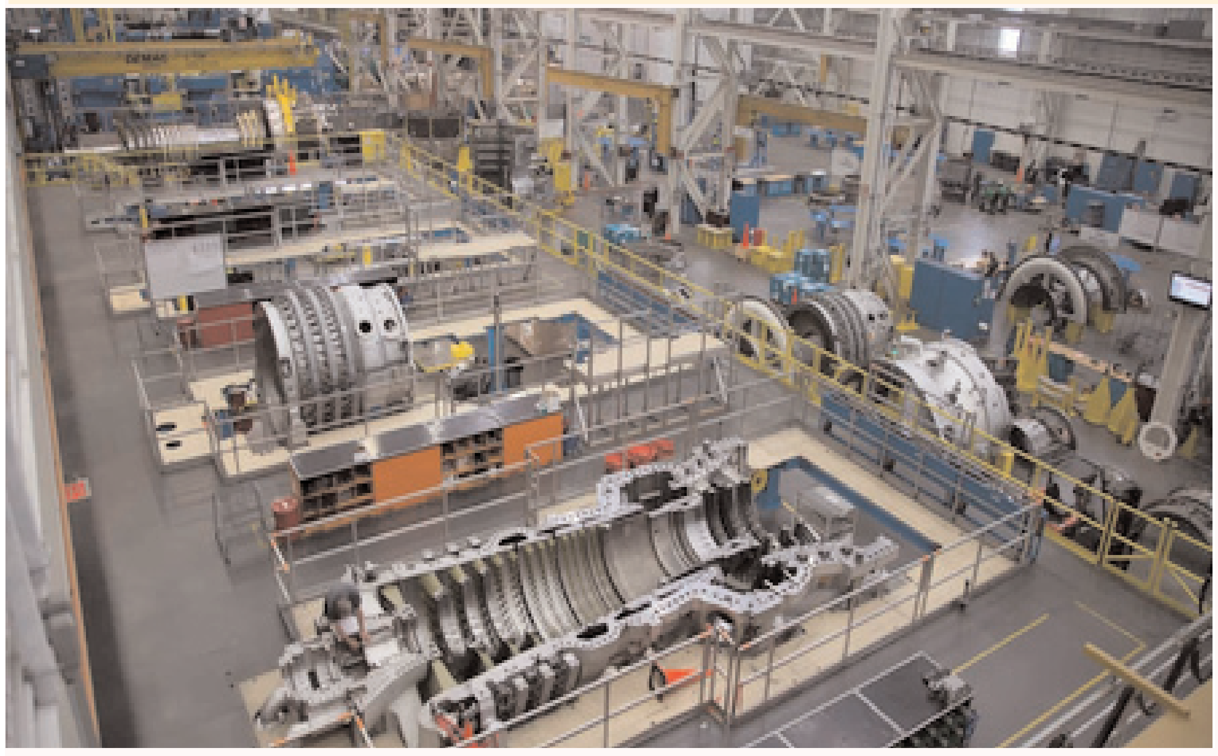

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की औद्योगिक गतिविधियों ने जुलाई 2026 में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में जुलाई के दौरान 6.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान विनिर्माण क्षेत्र का रहा, जिसने देश के औद्योगिक उत्पादन को मजबूती प्रदान की। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में तीन-चौथाई से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले विनिर्माण क्षेत्र ने जुलाई में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह क्षेत्र रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार माना जाता है और इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थानों से निकलने वाले युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार अवसर उपलब्ध कराता है।

विनिर्माण क्षेत्र के भीतर 23 उद्योग समूहों में से 19 उद्योग समूहों ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की, जिनमें सबसे बेहतर प्रदर्शन मोटर वाहन निर्माण, विद्युत उपकरण निर्माण और मशीनरी एवं उपकरण निर्माण क्षेत्र का रहा। मोटर वाहन निर्माण में 22.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों में 28.3 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरण निर्माण में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इस दौरान, ऊर्जा क्षेत्र का प्रदर्शन भी मजबूत रहा। बिजली और गैस आपूर्ति क्षेत्र में जुलाई के दौरान 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि जल आपूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में 7.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

हालांकि, खनन क्षेत्र अपेक्षाकृत कमजोर रहा और इसमें 0.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह जुलाई के दौरान औद्योगिक क्षेत्र का एकमात्र प्रमुख कमजोर क्षेत्र रहा।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का उत्पादन जुलाई में 16.1 प्रतिशत बढ़ा। पूंजीगत वस्तुओं में फैक्ट्रियों में उपयोग होने वाली मशीनें और उपकरण शामिल होते हैं। इस श्रेणी में वृद्धि को अर्थव्यवस्था में बढ़ते निवेश का संकेत माना जाता है, जो भविष्य में रोजगार और आय सृजन को बढ़ावा देता है।

उपभोक्ता मांग में भी मजबूती देखने को मिली। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान, रेफ्रिजरेटर और टेलीविजन के उत्पादन में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे बढ़ती आय और बेहतर उपभोक्ता विश्वास ने समर्थन दिया।

हालांकि, उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं (कंज्यूमर नॉन-ड्यूरेबल्स) जैसे साबुन, सौंदर्य प्रसाधन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के उत्पादन में 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सरकारी निवेश की बदौलत बुनियादी ढांचा एवं निर्माण सामग्री क्षेत्र ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इस श्रेणी में उत्पादन 6.9 प्रतिशत बढ़ा। राजमार्ग, बंदरगाह और रेलवे परियोजनाओं पर सरकार के बड़े निवेश का लाभ इस क्षेत्र को मिला है। ये परियोजनाएं बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के साथ समग्र आर्थिक विकास को भी गति देती हैं।

रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है शलभासन, जानिए सही विधि और फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग शरीर और मन को स्वस्थ रखने की एक प्राचीन पद्धति है, जिसके हर आसन का अपना विशेष महत्व है। इन्हीं महत्वपूर्ण आसनों में से एक है शलभासन। यह आसन पीठ, रीढ़ और कोर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए बहुत फायदेमंद है।

शलभासन करते समय शरीर की मुद्रा 'शलभ,' यानी टिड्डे, जिसे अंग्रेजी में ग्रासहॉपर कहते हैं, के समान होती है। शलभासन रीढ़ की हड्डी की सेहत के लिए बहुत ही अच्छा होता है। यह पीठ के बल लेटकर किया जाने वाला एक बेहद लाभकारी आसन है, जो न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है बल्कि पाचन तंत्र और मांसपेशियों के लिए भी वरदान माना जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, शलभासन एक ऐसा योगासन है जिससे रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और शरीर का वजन नियंत्रित रहता है। इस आसन को नियमित और सही तरीके से करने से पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद मिलती है। जिन लोगों को हल्का लोअर बैक दर्द या साइटिका जैसी समस्या रहती है, उनके लिए भी यह आसन उपयोगी हो सकता है, हालांकि किसी भी तरह के गंभीर दर्द या चोट की स्थिति में इसे खुद से करने के बजाय विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

शलभासन देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन इसे करते समय शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं। इस आसन में पेट के बल लेटकर पैरों को ऊपर उठाने का प्रयास किया जाता है। इससे पीठ और कमर के आसपास की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। यही वजह है कि इसे बैक स्ट्रेंथ बढ़ाने वाले योगासनों में शामिल किया जाता है।

शलभासन को करने के लिए सबसे पहले पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अपने हाथों को आगे की ओर फैला दें, हथेलियां ऊपर की ओर और पैर सीधे हों। माथा या ठुड्डी जमीन को छू रही हो। गहरी सांस लें और शरीर को स्थिर करें। सांस छोड़ते हुए दोनों पैरों को एक साथ धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पैरों को सीधा रखें और घुटनों को न मोड़ें। इसके साथ ही हाथों को भी ऊपर की ओर उठाना है। यह कुछ सुपरमैन पोज जैसा है।

इस स्थिति में 10-30 सेकेंड तक रुकें, सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद धीरे-धीरे पैरों और छाती को जमीन पर लाएं और विश्राम करें।

इस आसन को करने के दौरान कुछ सावधानियां भी बरतनी जरूरी है। गर्भावस्था, हर्निया, या पीठ/गर्दन की चोट वाले लोग इसे न करें।

सर्दी-जुकाम समझकर न करें अनदेखा, हो सकता है एच1एन1 का संकेत, जानें बचाव के तरीके

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बदलते मौसम के साथ सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है इन्फ्लुएंजा ए (एच1एन1)। स्वस्थ वयस्कों में यह संक्रमण ज्यादातर मामलों में अपने आप ठीक होने वाला होता है। हालांकि, इसके लक्षणों को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि एच1एन1 होने पर सबसे आम लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, सिरदर्द, शरीर या मांसपेशियों में दर्द और थकान शामिल हैं। कुछ लोगों को मतली, उल्टी या दस्त जैसी परेशानी भी हो सकती है। हर व्यक्ति में सभी लक्षण दिखाई दें, यह जरूरी नहीं है। कई बार शुरुआत में सामान्य

फ्लू या वायरल जैसा ही महसूस होता है।

ऐसे में शरीर के संकेतों पर ध्यान देना जरूरी है। अगर बुखार या खांसी के साथ शरीर में काफी दर्द और कमजोरी महसूस हो रही है, तो पर्याप्त आराम करें और खुद को हाइड्रेट रखें। पानी, सूप या अन्य उपयुक्त तरल पदार्थ लेते रहें, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। आराम करने से शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है।

एच1एन1 जैसे श्वसन संक्रमण से बचाव के लिए रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी आदतें काफी महत्वपूर्ण हैं। हाथों को नियमित रूप से साबुन और पानी से धोएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकें। इस्तेमाल किए गए टिश्यू को उचित तरीके से फेंकें और हाथ साफ करें। अगर आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं, तो घर पर रहें और दूसरों के संपर्क में आने से बचें। इससे संक्रमण के फैलने की संभावना कम करने में मदद मिलती है।

बीमारी के दौरान अपनी सेहत पर नजर रखना भी जरूरी है। अगर लक्षण 5-6 दिनों में कम नहीं होते, लगातार बने रहते हैं या हालत बिगड़ती महसूस होती है, तो डॉक्टर से सलाह लें। खासतौर पर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों में लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सा सलाह लेने में देर नहीं करनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भी संपर्क किया जा सकता है।

ज्यादा चीनी, नमक या फैट वाले खाने-पीने के सामान के पैकेट पर लाल रंग की चेतावनी दें; एफएसएसएआई का प्रस्ताव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने प्रोसेस किए गए खाने-पीने की उन चीजों के पैकेट के सामने लाल रंग का वॉर्निंग लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है, जिनमें चीनी, नमक या फैट की मात्रा ज्यादा होती है। यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि ग्राहक सोच-समझकर सही चुनाव कर सकें।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एफएसएसएआई ने सुप्रीम कोर्ट में बताया है कि चेतावनी लेबल पर साफ-साफ लिखा होगा- जैसे 'ज्यादा वसा वाला', 'ज्यादा चीनी वाला', 'ज्यादा नमक वाला' या 'बहुत ज्यादा मीठा पेय'... ताकि लोग आसानी से समझ सकें कि किस प्रोडक्ट में कौन सी चीज ज्यादा मात्रा में है।

सुप्रीम कोर्ट में यह दलील इसलिए दी गई क्योंकि वह पश्चिमी देशों की तर्ज पर चेतावनी लेबल लगाने की मांग करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की याचिकाओं पर

सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में एक सुनवाई में एफएसएसएआई से कहा था कि वह इन लेबलों को लागू करने में तेजी लाए।

नेस्ले, पेप्सिको और कोका-कोला जैसी बड़ी खाद्य कंपनियां इस कदम का विरोध कर रही हैं क्योंकि इससे बिक्री प्रभावित होने की आशंका है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान अनिवार्य पैकेज्ड फूड अलर्ट लेबल को लागू करने में लंबी देरी पर एफएसएसएआई की खिंचाई की थी।

एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों, विशेषकर छोटे बच्चों को मोटापे जैसी बीमारियों के खतरे से बचाने के लिए पारदर्शी पोषण संबंधी खुलासे महत्वपूर्ण हैं।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने वैधानिक नियामक की धीमी गति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। न्यायाधीशों ने सवाल किया कि क्या रेगुलेटरी अथॉरिटी वास्तव में भारतीय आबादी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं। नतीजतन, अदालत ने चेतावनी दी कि यदि कार्यकारी शाखा स्वतंत्र रूप से कार्य करने में विफल रही तो न्यायिक आदेशों का पालन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने उन तर्कों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि पैकेज के सामने चेतावनी लेबल पारंपरिक भारतीय पैक किए गए स्नैक्स पर गलत तरीके से जुर्माना लगा सकते हैं।

पीठ ने कहा कि व्यावसायिक हित सार्वजनिक स्वास्थ्य अनिवार्यताओं पर हावी नहीं हो सकते। इसने नियामक संस्था को एक निश्चित रूपरेखा स्थापित करने के लिए दो सप्ताह की सख्त अवधि प्रदान की। न्यायाधीशों ने इस बात पर जोर दिया कि युवा उपभोक्ताओं को अल्ट्रा-प्रोसेस्ड वस्तुओं के एग्रेसिव मार्केटिंग का सामना करना पड़ता है।

दिमाग को हमेशा रखना है जवान, तो पहेलियों से करो दोस्ती, इन टिप्स को आजमाएं

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बुढ़ापे में भी अगर दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखना है, तो उसे खाली मत छोड़िए। उसे काम में लगाए रखिए। ऐसा हमारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का कहना है।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अपने मस्तिष्क को व्यस्त रखना बहुत जरूरी है। मंत्रालय ने लिखा, 'अपने मस्तिष्क को व्यस्त रखें। मानसिक प्रेरणा (उद्दीपन) से स्मृति और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य बेहतर होता है। पहेलियां हल करें, दिमागी खेल खेलें और जिज्ञासु बने रहें।'

मंत्रालय का कहना है कि जैसे शरीर को फिट रखने के लिए कसरत जरूरी है, वैसे ही दिमाग को फिट रखने के लिए उसकी भी कसरत जरूरी है। दिमाग की कसरत का सबसे आसान तरीका पहेलियां, दिमागी खेल और नई-नई चीजों के बारे में जानने की इच्छा है।

अक्सर देखा जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोग चीजें भूलने लगते हैं। रखा हुआ सामान याद नहीं रहता, किसी का नाम याद करने में वक्त लगता है। ये सब संज्ञानात्मक स्वास्थ्य कमजोर होने की निशानी है। अगर आप पहले से ही अपने दिमाग को एक्टिव रखेंगे, तो इस परेशानी से काफी हद तक बचा जा सकता है।

सुबह अखबार में जो सुडोकू या क्रॉसवर्ड आता है, वो सिर्फ टाइमपास नहीं है। वो आपके दिमाग के लिए जिम जैसा है। जब आप कोई पहेली हल करते हैं, तो आपके दिमाग की नसें ज्यादा तेजी से काम करती हैं। इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और सोचने-समझने की क्षमता बढ़ती है।

इसी तरह शतरंज, कैरम, लूडो जैसे दिमागी खेल भी बहुत फायदेमंद हैं। ये खेल आपको रणनीति बनाना सिखाते हैं और आपके फोकस को बढ़ाते हैं। घर में दादा-दादी, नाना-नानी के साथ बच्चे अगर ये खेल खेलें, तो दोनों को फायदा होगा।

जापानः 11 साल बाद जन्मदर में मामूली सुधार, इस साल छह महीने में 3.42 लाख बच्चों का जन्म

विश्व केसरी ■

टोक्यो। जापान में बुजुर्ग होती आबादी और लगातार घटती जन्म दर के बीच थोड़ी राहत की खबर सामने आई है। ये खुशखबरी एक दशक से अधिक समय बाद सुनने को मिली है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जून 2026 के दौरान देश में 3,42,068 बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 0.8 प्रतिशत अधिक है। इसमें विदेशी नागरिकों के यहां जन्मे बच्चे भी शामिल हैं।

क्योडो न्यूज एजेंसी ने शनिवार को एक रिपोर्ट प्रकाशित की। बताया गया कि स्वास्थ्य, श्रम एवं कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की पहली छमाही के मुकाबले इस साल 2,788 अधिक बच्चों का जन्म हुआ है। जनवरी-जून अवधि में यह वृद्धि 11 साल बाद पहली बार दर्ज की गई है।

जापान में जन्म दर में लंबे समय से गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 1973 में देश के दूसरे बेबी बूम के दौरान करीब 20.9 लाख बच्चों का जन्म हुआ था। इसके बाद जन्म दर में लगातार कमी आती गई।

हालिया बढ़ोतरी के पीछे विवाह की संख्या में सुधार को एक महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है। वर्ष 2024 और 2025 में जापान में विवाहों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2025 में विदेशी नागरिकों से होने वाली शादियों को शामिल करते हुए करीब 5.05 लाख विवाह हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.1 प्रतिशत अधिक और लगातार दूसरी वार्षिक वृद्धि थी।

वहीं, जनवरी-जून 2026 के दौरान 2,38,979 जोड़ों ने विवाह किया, जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 0.2 प्रतिशत अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, देश के 47 में से 26 प्रांतों में जन्म संख्या बढ़ी। टोक्यो में सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की गई, जहां नवजातों की संख्या 2,278 बढ़ी। इसके बाद आइची में 517 और फुकुओका में 438 की वृद्धि हुई। दूसरी ओर, 21 प्रांतों में जन्म संख्या में गिरावट दर्ज की गई। इनमें इशिकावा में सबसे बड़ी कमी 360 की रही।

डेंगू, मलेरिया और स्वाइन फ्लू से निपटने के लिए प्रयागराज में तैयारी पूरी, डॉक्टर ने बताए बचाव के आसान तरीके

विश्व केसरी ■

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में डेंगू, मलेरिया और फ्लू जैसे मौसमी संक्रमणों को लेकर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। तेज बहादुर सप्रू अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मंसूर अहमद ने बताया कि अस्पतालों में मरीजों की जांच और इलाज के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। डेंगू के मरीजों के लिए अलग वार्ड, दवाएं और जांच की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे लक्षणों को नजरअंदाज न करें और समय रहते डॉक्टर से सलाह लें।

डॉ. मंसूर अहमद ने स्वाइन फ्लू

को लेकर बताया कि यह संक्रमण हवा के जरिए फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने पर निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से संक्रमण दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है। खासकर सार्वजनिक जगहों पर बिना सावधानी के खांसना या छींकना संक्रमण फैलने का कारण बन सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को बुखार के साथ खांसी और जुकाम है तो बेहतर होगा कि वह मास्क लगाए। सार्वजनिक स्थानों पर छींकते या खांसते समय रुमाल, टिश्यू या मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आसपास मौजूद लोगों तक संक्रमण पहुंचने की संभावना कम की जा सकती है।

डॉक्टर के मुताबिक वायरल संक्रमण के दौरान आराम और पर्याप्त पानी पीना बेहद जरूरी है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर रखना भी मददगार हो सकता है। उन्होंने बताया कि वायरल फीवर के कई मामले समय के साथ खुद ठीक हो जाते हैं और मरीज को मुख्य रूप से लक्षणों के आधार पर उपचार दिया जाता है।

हॉकी विश्व कपः भारतीय पुरुष टीम का सफर हार के साथ समाप्त, टूर्नामेंट में 8वें स्थान पर रही

विश्व केसरी ■

वावरे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का सफर एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में बेहद निराशाजनक तरीके से समाप्त हुआ। खिताब की दौर से पहले ही बाहर हो चुकी भारतीय टीम शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम से हारकर टूर्नामेंट में आठवें स्थान पर रही। भारतीय टीम को शूटआउट में बेल्जियम से 4-3 से हारकर आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा।

भारत के आखिरी मिनट में किए गए गोल के बाद रेगुलेशन पीरियड 3-3 से बराबरी पर खत्म हुआ, जिससे विजेता का फैसला शूटआउट से हुआ।

मैच की शुरुआत में, बेल्जियम ने आक्रामक फुल-प्रेस के साथ शुरुआत की और शुरुआती मिनट में ही भारतीय सर्कल में घुस गया, लेकिन भारत ने शुरुआती खतरे का आराम से सामना किया।

भारत ने धीरे-धीरे अपनी पकड़ बनाई और छठे मिनट में बढ़त बना ली। मनप्रीत सिंह ने अभिषेक को एक टाइट एंगल पर पास देकर मौका बनाया। फॉरवर्ड ने एक जोरदार धक्का दिया जिसे वनाश अपने ही गोल में डाल सके। बेल्जियम ने तुरंत पेनल्टी कॉर्नर जीतकर जवाब दिया, लेकिन सूरज करकेरा हेंड्रिक्स के फ्लिक के सामने डटे रहे।

बेल्जियम का दबाव बढ़ गया, जुगराज सिंह ने इंडियन पोस्ट के पास सही समय पर दखल दिया और नेल्सन ओनाना डाइविंग डिफ्लेक्शन से बाल-बाल बच गए। फिर इंडिया की टीम 10 खिलाड़ियों की रह गई जब हरमनप्रीत को येलो कार्ड मिला क्योंकि इंडिया को पिच पर एक अतिरिक्त खिलाड़ी मिला था।

बेल्जियम ने नंबरों की बढ़त का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया। जुगराज की स्टिक से बॉल निकलने के बाद एक वीडियो रेफरल से पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन करकेरा ने हेंड्रिक्स का एक और शानदार बचाव किया। इसके बाद भारतीय गोलकीपर ने रीटेक किए गए सेट-पीस से बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिकर को फिर से रोक दिया।

हरमनप्रीत दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में सस्पेंशन चेयर से लौटे, और भारत ने जल्द ही एक सफल वीडियो रेफरल के बाद अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हरमनप्रीत का फ्लिक रशर के पैर पर लगा, और उसके बाद के रीटेक को बेल्जियम के डिफेंस ने रोक दिया।

इसके बाद बेल्जियम ने मैच का पासा पलट दिया। 22वें मिनट में, डुवेकोट ने गोल के सामने क्रॉस मिलने के बाद जगह बनाई, हार्दिक सिंह और संजय को गलत जगह पर रखा, और गोलकीपर मोहित को हराकर स्कोर 1-1 कर दिया। मुश्किल से एक मिनट बाद, बेल्जियम को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और लैबोचेरे ने इसे गोल में बदलकर मेजबान टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।

बेल्जियम ने मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा, बार-बार भारतीय गोल पर खतरा पैदा किया। एक और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंड किया गया, जबकि मोहित को अपने किकर से बचाने के लिए कहा गया। भारत ने और दबाव झेला, लेकिन हाफ-टाइम तक बेल्जियम का कंट्रोल मजबूत रहा और वह 2-1 से आगे था।

इंटरवल के तुरंत बाद भारत ने जवाब दिया। राजिंदर सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर बनाने में मदद की और हरमनप्रीत ने ड्रैग-फ्लिक मारकर वानाश को छकाकर स्कोर 2-2 कर दिया। बेल्जियम ने गोल को चैलेंज किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में कोई उल्लंघन नहीं पाया गया और भारत का बराबरी का गोल बना रहा।

मोमेंटम वापस बेल्जियम की तरफ मुड़ गया। हेंड्रिक्स पेनल्टी कॉर्नर से अपनी बढ़त वापस लाने की कोशिश करते दिखे, लेकिन भारत ने कामयाबी से फैसला रेफर कर दिया और गोल ऊंचाई के कारण रद्द कर दिया गया।

तीसरा क्वार्टर बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन आखिरी पीरियड की शुरुआत में बेल्जियम ने फिर से बढ़त बना ली। मनप्रीत के चेहरे पर लैबोचेरे की एक करीबी कोशिश लगी और उन्हें खून से लथपथ चोट के साथ मैदान छोड़ना पड़ा।

जैस्मिन लंबोरियाः लड़कों के साथ मुक्केबाजी के अभ्यास से शुरू हुआ करियर, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जीता स्वर्ण

एजेंसी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक जीते थे। इसमें पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों ने स्वर्ण जीते थे। स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाजों में एक नाम जैस्मिन लंबोरिया का भी था। लंबोरिया ने 57 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त 2001 को भिवानी, हरियाणा में हुआ था। भिवानी को 'लिटिल क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यह स्थान मुक्केबाजी का गढ़ है।

जैस्मिन के लिए मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला आसान नहीं था। लड़की होने की वजह से उन्हें परिवार और समाज की रूढ़िवादी सोच से जूझना पड़ा, लेकिन एक बार सभी का विश्वास हासिल करने के बाद फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैस्मिन को अपने सफर में चाचा संदीप और परविंदर का भी बाद में साथ मिला, दोनों बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं।

भिवानी की लैंबोरिया बॉक्सिंग अकादमी में जब जैस्मिन ने प्रशिक्षण शुरू किया, उस समय वहां कोई महिला मुक्केबाज नहीं थी। इसलिए उन्होंने लड़कों के साथ प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी तकनीक और आत्मविश्वास को और मजबूत किया।

जैस्मिन ने 2021 में दुबई में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसी वर्ष एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रजत पदक और 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा लाइटवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने अस्ताना में 2025 में आयोजित विश्व बॉक्सिंग कप में जैस्मिन ने गोल्ड मेडल जीत वैश्विक मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

'हमें कोई नहीं रोक पाएगा', एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक पर शूटर आशी चौकसे की नजर

विश्व केसरी ■

भोपाल। भारतीय राइफल शूटर आशी चौकसे ने साल 2018 में अचानक प्रतिस्पर्धी शूटिंग शुरू की थी। अब 24 वर्षीय आशी अपने दूसरे एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अब तक एशियन गेम्स में एक कांस्य और दो रजत पदक जीते हैं। अब उनका बड़ा लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है।

आशी ने 2022 एशियन गेम्स (जो 2023 में हुए थे) में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत, महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में रजत और महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्हें लगता है कि यहां मुकाबला करने से जापान में होने वाले अगले इवेंट के लिए उनकी समझ और आत्मविश्वास बेहतर हुआ है।

अपने पहले और दूसरे एशियन गेम्स के सफर के अंतर पर बात करते हुए आशी ने कहा, 'एशियन गेम्स ओलंपिक के बाद सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट टूर्नामेंट में से एक है और मैं वहां पहले भी मुकाबला कर चुकी हूं। मैंने उस मंच पर परफॉर्म किया है, इसलिए मुझे पता है कि इसके लिए क्या चाहिए। तीन पदक जीतने के बाद, अब मुझे इस लेवल पर मुकाबला करने का अच्छा अनुभव है। इसी वजह से इस बार मैं जापान एक क्लियर सोच और लक्ष्य के साथ जा रही हूं कि मुझे इस प्रतियोगिता में क्या हासिल करना है। एशियन गेम्स तक के सफर में कड़ी ट्रेनिंग शामिल थी, जिसके दौरान भारतीय शूटिंग टीम ने भोपाल में इंटेंसिव कैंप में हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय खेल दिवसः गृह मंत्री अमित शाह, खेल मंत्री मांडविया, संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने युवाओं को मेजर ध्यानचंद से प्रेरणा लेने की अपील की

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिग्गज हॉकी की खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इस अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मेजर ध्यानचंद को याद करते हुए देशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई दी है। खेल मंत्री मांडविया ने इस अवसर पर देशवासियों से खुद को फिट रखने के लिए सप्ताह में कम से कम एक घंटा किसी खेल को देने की अपील की।

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'अपनी अद्भुत और असाधारण प्रतिभा से भारतीय हॉकी को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन एवं समस्त देशवासियों को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। मेजर ध्यानचंद का कौशल ऐसा था कि पूरी दुनिया उनकी हॉकी की कायल थी और जज्बा ऐसा कि गुलामी के कालखंड में भी उन्होंने अपने खेल से भारत का गौरव बढ़ाया। उनका अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण भारतीय खेल जगत की अमूल्य विरासत है, जो खिलाड़ियों व युवाओं को सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'आज मेजर ध्यानचंद की 121वीं जन्म जंयती है। उनकी जन्म जंयती को हम राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर पूरे देश में फिट इंडिया अभियान को आगे बढाने के लिए एक घंटे खेल के मैदान में कार्यक्रम होगा। देश के युवा लाखों की संख्या में अपने-अपने नजदीकी मैदान में गए हैं और खेल से जुड़ी गतिविधियां कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। देश आगे बढ़ रहा है। देश का निर्माण हो रहा है। भारत के निर्माण में देश का युवा फिट हो, समाज फिट हो तभी राष्ट्र समृद्ध बनेगा। हमें हर सप्ताह एक घंटे खुद को मैदान में रखना चाहिए और खुद को फिट रखने की कोशिश करना चाहिए।'

वहीं, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। हॉकी के जादूगर, महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उनका अद्वितीय खेल कौशल, अनुशासन और समर्पण आज भी देश के खिलाड़ियों को प्रेरित करता है। आइए, खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाकर स्वस्थ, सशक्त और खेल महाशक्ति बनते भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएं।'

टखने की चोट के कारण बाकी सीजन से बाहर हुए नीरज चोपड़ा, जताई निराशा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा टखने की चोट के कारण बचे हुए पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। नीरज ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है।

नीरज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'काफी समय की मेहनत के बाद मुझे लगा था कि मैं अपनी लय हासिल करने लगा हूं। लुसाने में मैंने इस सीजन का अपना बेस्ट थ्रो भी फेंका था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इसके ठीक बाद ही ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने का लिगामेंट फट गया है। अपने डॉक्टर और टीम से बातचीत करने के बाद हमने यह फैसला लिया है कि मैं बचे हुए सीजन से बाहर बैठूंगा '

नीरज ने आगे लिखा, 'यह काफी निराशाजनक है, क्योंकि मैं पूरी तरह से अपनी लय हासिल करने के काफी करीब था। हालांकि, जैसा कहा जाता है कि 'बाधाएं और असफलताएं हमारी सफलता की यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं।' मेरा पूरा ध्यान अच्छे से रिकवरी करने और मजबूती से वापसी करने पर है। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद। '

नीरज चोपड़ा के पूरे सीजन से बाहर होने का मतलब है कि वे अब एशियन गेम्स टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

नीरज ने हाल ही में डायमंड लीग के फाइनल मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया था। इस सीजन में मैदान पर सिर्फ दो बार उतरने के बावजूद वह फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे थे। डायमंड लीग का फाइनल 4 और 5 सितंबर को होना था। नीरज ने इससे पहले लुसाने डायमंड लीग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरे स्थान हासिल किया था। उन्होंने इस सीजन का अपना बेस्ट थ्रो (88.05 मीटर) किया था।

हालांकि, उन्हें श्रीलंका के रुमेश थरंगा से कड़ी टक्कर मिली थी, जो 88.14 मीटर के थ्रो के साथ खिताब को जीतने में सफल रहे थे। नीरज ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। उन्होंने 85.83 मीटर का थ्रो किया था। वहीं, दोहा डायमंड लीग में वह 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

'एक ओवर में चार छक्कों ने गेम बदला,' सेंट्रल दिल्ली किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुश कप्तान जोंटी सिद्धू

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली किंग्स शुक्रवार को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ 72 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंची, जहां 30 अगस्त को उसका सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर-2 में किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू ने 46 गेंदों में 10 छक्कों और 5 चौकों के साथ 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने 20 ओवरों में 218/5 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद पुरानी दिल्ली को 17.4 ओवरों में 146 रन पर समेट दिया। बतौर गेंदबाज जोंटी ने 3 ओवरों में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

इस नॉकआउट मुकाबले में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन पर बात करते हुए सिद्धू ने बताया कि जब टीम दबाव में थी, तब ऐसा प्रदर्शन करना बहुत संतोषजनक था। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। इस चरण पर टीम को ऐसे ही प्रदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, इसलिए मुझे खुशी है कि यह सही समय पर हुआ।

जब शुरुआती विकेट गिर गए और अनुमानित स्कोर कम लग रहा था, तब सिद्धू और उनके साथी आदित्य भंडारी (नाबाद 24) ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों के बीच 22 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी हुई।

कप्तान ने बताया, 'भंडारी और मैंने बात की थी कि अगर हम क्रीज पर टिके रहे, तो हमें एक बड़ा ओवर मिल जाएगा, जिससे मैच का रुख बदल जाएगा। ठीक वैसा ही हुआ; मैंने एक ओवर में चार छक्के मारे, भंडारी ने दो मारे, और अचानक हम 200 रन के करीब पहुंच गए। वे (पुरानी दिल्ली 6) मेरे खिलाफ वाइड यॉर्कर डालने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए मैंने अंदाजा लगा लिया कि गेंदें कहां गिरेंगी। मैंने उनकी रणनीति का सामना करने के लिए खुद पर भरोसा रखा और भगवान की कृपा से, मैंने गेंद को अच्छे से हिट किया।

एरिका मेरी आदर्श हैं और हमेशा रहेंगीः मीरा एंड्रीवा

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। ग्रैंड स्लैम चैंपियन और ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मीरा एंड्रीवा ने कहा कि उनकी बड़ी बहन एरिका हमेशा से उनकी रोल मॉडल रही हैं।

यूएस ओपन मीडिया डे के दौरान 19 साल की मीरा ने बताया कि कैसे एरिका के साथ बड़े होने से एक टेनिस प्लेयर के तौर पर उनके विकास और कोर्ट से दूर उनकी जिंदगी दोनों पर असर पड़ा।

डब्ल्यूटीए के हवाले से मीरा ने कहा, 'मुझे लगता है कि मुझे ज्यादा फायदा हुआ क्योंकि मैं छोटी हूं। टेनिस के मामले में, मुझे उतने टूर्नामेंट नहीं खेलने पड़े जितने उन्होंने खेले, और शायद इससे मेरा कुछ समय बच गया। वह हमेशा स्कूल में मेरी मदद करती थीं। वह मुझे बहुत सारी सलाह भी देती थीं। मैं हमेशा उनकी कॉपी करती थी, क्योंकि वह मेरी रोल मॉडल थीं और अब भी हैं।'

प्रोफेशनल टेनिस में एक जैसे रास्ते पर चलने के बावजूद, बहनों ने कॉम्पिटिशन को अपने रिश्ते को तय करने से रोका है।

एंड्रीवा ने कहा, 'हम कभी भी एक-दूसरे के साथ सच में प्रतियोगी नहीं थीं। हमारे माता-पिता हमेशा हमसे कहते थे कि हम बहनें हैं, इसलिए हम जिंदगी में सबसे करीबी लोग हैं, और हमें हमेशा एक-दूसरे को सपोर्ट करना चाहिए।

हम साथ में ज्यादा अभ्यास नहीं करते थे, क्योंकि इससे गड़बड़ हो जाती थी। एक-दूसरे और हमारे रिश्ते के बीच नहीं, लेकिन बस—मुझे नहीं पता। मुझे गुस्सा आता, उसे दुख होता कि मैं गुस्सा हूं, फिर मुझे दुख होता कि वह दुखी है।'

एंड्रीवा अपनी पीढ़ी के जाने-माने नामों में से एक बनकर उभरी हैं, वहीं एरिका ने भी अपना एक सफल करियर बनाया है। बड़ी एंड्रीवा अक्टूबर 2024 में वर्ल्ड नंबर 65 की करियर-हाई रैंकिंग पर पहुंचीं और पांच आईटीएफ एकल खिताब जीते हैं। उनका सबसे हालिया खिताब मई में जाग्रेब में डबल्यू 75 टूर्नामेंट में आया था। विंबलडन 2025 के बाद लंबे ब्रेक के बाद एरिका ने रैंकिंग में भी काफी तरक्की की है। टॉप 200 में वापसी के करीब पहुंचते हुए वह लगभग 150 स्थान ऊपर चढ़ी हैं।

पेशेवर सर्किट में खुद को स्थापित करने से पहले, एरिका ने खेल के टॉप जूनियर्स में शामिल होने के साथ आने वाले दबाव का अनुभव किया। वह 2021 में फ्रेंच ओपेन में लड़कियों के फाइनल में पहुंचीं, जहां वह लिंडा नोस्कोवा से हार गईं।

एरिका का यूएस ओपन का सफर शुरुआती राउंड में ही खत्म हो गया। हालांकि, इस हफ्ते बहनों के यूएस ओपन कैंपेन ने अलग मोड़ लिया है। एरिका का रन शुरुआती राउंड में ही खत्म हो गया। मीरा का ध्यान अब यूएस ओपन एकल कैंपेन पर है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415